पेज-06

सीधी और सच बात, साहस के साथ

आज की जनधारा

डाक पंजीयन 29/2010-2012

वेब संस्करण
www.aajkijandhara.com
www.jandhara.in
Jandhara24x7
@AJandhara/Jandhara24/7
AajkiJandhara & Jandhara24x7
6232949114, 8959444440

RNI No.- 52143/1991

वर्ष : 35, अंक : 120, रायपुर, बुधवार 06 मई 2026

रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित epaper www.aajkijandhara.com | email:aajkijandhara@gmail.com | ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-5, वि.सं. 2083 | पृष्ठ : 12 | मो. : 9425203900, 9425243430 ❁❁❁ मूल्य: 2.00 रु.

चुनाव आयोग विलेन, भाजपा से मिलकर 100 सीटें लूटीं, मैं आजाद पंछी, शेर की तरह लड़ूंगी

इस्तीफा नहीं दूंगी, हम हारे नहीं, हराया गया : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को मुख्य विलेन बताया। उन्होंने कहा कि मैं क्यों इस्तीफा दूंगी जब मैं हारी नहीं हूं। मुझे बाध्य नहीं किया जा सकता कि मैं इस्तीफा देने जाऊं। नैतिक तौर पे मैं कह रही हूं कि मैं जीती हूं। मैं लोकभवन जाकर इस्तीफा नहीं दूंगी।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन ने मुझे फोन किया। गठबंधन के सभी साथियों ने मुझसे कहा कि वे पूरी तरह से मेरे साथ हैं। मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में हमारी एकजुटता और मजबूत रहेगी। अखिलेश ने मुझसे अनुरोध किया कि क्या वह आज ही आ सकते हैं, लेकिन मैंने उनसे कहा कि कल आएं तो, वह कल आएंगे। एक-एक करके सब आएंगे। मेरा लक्ष्य बहुत साफ है।

ममता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम चुनाव हारे नहीं हैं, हराया गया है। यह भाजपा और चुनाव आयोग के बीच साठगांठ का रिजल्ट है। उन्होंने काउंटिंग सेंटर तक कब्जा कर लिया। मेरे पेट और पीठ पर लात मारी। धक्का देकर बाहर निकाला। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग ने स्ट्रक्चर के बहाने 100 सीटें लूटीं।

पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आ चुके हैं। बंगाल में भाजपा ने पहली बार 294 में से 206 सीटों पर जीत दर्ज की है। राज्य में पहली बार भाजपा की सरकार बनने वाली है। टीएमसी सिर्फ 80 सीटें जीत सकी। 15 साल बाद ममता के हाथ सत्ता चली गई है।

गंगासागर से कन्याकुमारी तक पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने भाजपा विरोधी राजनीति के बड़े 'पॉवर सेंटर्स' को बड़ा झटका दिया है। ममता बनर्जी और एमके स्टालिन भाजपा को चुनौती देने वाले प्रमुख चेहरे थे। बंगाल (42) और तमिलनाडु (39) लोकसभा की 81 सीटें तय करते हैं। इनके ढहने से इंडिया गठबंधन

पिछड़ गया। केरल में कांग्रेस की जीत उसे राहत देती है, लेकिन यह बढ़त विपक्ष में नई खींचतान शुरू करेगी। अब विपक्ष की लड़ाई सत्ता की नहीं, प्रासंगिकता बचाने की हो गई है।

ममता ने कहा कि मेरा लक्ष्य बिल्कुल साफ है। अब मैं एक आम व्यक्ति की तरह इंडिया गठबंधन को मजबूत करूंगी। अभी मेरे पास कोई पद नहीं है, इसलिए मैं एक सामान्य नागरिक हूं। मैंने अपना पूरा जीवन लोगों की सेवा में दिया है। इन 15 सालों में मैंने एक पैसा भी पेंशन नहीं लिया और न ही कोई वेतन लिया। अब मैं एक आजाद चिड़िया हूं, इसलिए जो काम करना है, वह मैं अपने तरीके से करूंगी। हमें सोमवार को काउंटिंग रूम में नहीं जाने दिया गया। उन्होंने हमारे लोगों और काउंटिंग एजेंट्स को मारना शुरू कर दिया। 200 सीआरपीएफ और बाहर के गुंडों ने मारपीट की। जब मैं वहां पहुंचीं तो मेरी गाड़ी रोकी गई। डीईओ रणधीर ने पहले ही बता दिया था कि काउंटिंग में खेल होगा। उन्होंने हमारे एजेंट्स को काउंटिंग रूम के अंदर नहीं जाने दिया। ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

बंगाल सीएम रेस सुवेंदु-समिक सबसे आगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की ऐतिहासिक प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री कौन बनेगा की चर्चा शुरू हो गई है। राज्य में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दो बार हराने वाले सुवेंदु अधिकारी को दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है, दूसरे नंबर पर नाम प्रदेश प्रमुख समिक भट्टाचार्य का है, लेकिन सुवेंदु और समिक के नामों के बीच एक तीसरा नाम भी खूब चर्चा में है। जिन्हें बंगाल के योगी के तौर पर जाना जाता है। ऐसे में चर्चा हो रही है कि बीजेपी आखिर किस चेहरे पर दांव खेलेगी। पश्चिम बंगाल विणानसभा चुनावों में बीजेपी ने 207 सीटों पर जीत हासिल की है। टीएमसी को सिर्फ 80 सीटें मिलीं है। 1 सीट पर चुनाव 21 मई को होगा जिसका परिणाम 24 मई को आएगा।

सीएम पद की दौड़ में तीन प्रमुख नामः सुवेंदु अधिकारीः बंगाल के पावर कॉरिडोर में सबसे ज्यादा चर्चा अधिकारी के बारे में है। सुवेंदु अधिकारी इस चुनाव में दो सीटों नंदीग्राम और भबनीपुर से चुनाव लड़ने वाले अकेले बीजेपी के उम्मीदवार हैं। उन्होंने 2021 में नंदीग्राम में ममता को हराया था और विपक्ष के नेता बने थे। इस बार उन्होंने नंदीग्राम को 10,000 से ज्यादा वोटों से बरकरार रखा और भबनीपुर से 15,000 से ज्यादा वोटों से जीते।

समिक भट्टाचार्यः सुवेंदु अधिकारी जहां नैचुरल दावेदार हैं तो वहीं उनके बाद समिक भट्टाचार्य का नाम है। उनके पास बंगाली-शिक्षिक मिडिल-क्लास और सभी ग्रुप्स के बीच कोऑर्डिनेशन बनाए रखने की उनकी क्षमता शामिल है। भट्टाचार्य ने राज्य चीफ बनने के बाद से एक अहम भूमिका निभाई है।

उत्पल महाराज : सुवेंदु और समिक के बाद तीसर नाम उत्पल महाराज का है। उन्हें बंगाल का योगी कहा जाता है। वे बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच इतना जाने-माने नहीं है, लेकिन आरएसएस और भगवा इकोसिस्टम में बहुत पॉपुलर है।

तमिलनाडु में सरकार बनाने की कवायद तेज

विजय की TVK ने राजभवन को पत्र लिखकर मांगा समय

चेन्नई। तमिलनाडु में शानदार जीत के बाद एक्टर विजय की पार्टी टीवीके सरकार बनाने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' (TVK) ने सूबे के गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलने का वक्त मांगा है। पार्टी सरकार बनाने के मुद्दे पर गवर्नर से बात करना चाहती है। पार्टी ने अपने पहले ही चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीतीं, लेकिन बहुमत के आंकड़े से 10 सीटें पीछे रह गई।

सरकार बनाने के लिए चुनाव के बाद ज़ोरदार बातचीत का दौर शुरू हो गया है। पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों से मुलाक़ात करने के लिए विजय टीवीके दफ्तर पहुंचे।

सभी 234 विधानसभा सीटों पर वोटों की गिनती पूरी होने के बाद, TVK ने कुल 108 सीटें अपने नाम कीं। एम।के। स्टालिन के नेतृत्व वाली

'द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम' (DMK) 59 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम' (AIADMK) 47 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर रही। छोटी पार्टियों का प्रदर्शन औसत रहा। कांग्रेस ने पांच सीटें जीतीं, जबकि 'पट्टाली मक्कल काची' के हिस्से चार सीटें गईं।

राजभवन को भेजा गया पत्र

मदुरै सेंट्रल से विधायक VMS मुस्तफा ने कहा, 'टीवीके गरीबों की पार्टी है और सरकार बनाएगी। हम सभी पार्टियों से बात करेंगे। हमारे नेता विजय यह फ़ैसला लेंगे कि हमें किसके साथ गठबंधन करना है। हमने राजभवन को एक पत्र भेजा है।' भले ही टीवीके बहुमत से थोड़ी पीछे रह गई हो, लेकिन उसका ज़बरदस्त प्रदर्शन तमिलनाडु की सियासत में एक बड़ी सफलता मानी जा रही है, जिसने विजय को सरकार बनाने की कोशिशों के केंद्र में ला दिया है। सूत्रों के मुताबिक, टीवीके ने अपना 'प्लान बी' शुरू कर दिया है, जिसके तहत वह बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने के लिए संभावित सहयोगियों से बातचीत के रास्ते खोल रहा है।

खबरों के मुताबिक, कांग्रेस और पीएमके, टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने के लिए तैयार हैं। बातचीत के हिस्से के तौर पर, दोनों ही पार्टियां अपने लिए दो-दो मंत्री पद चाहती हैं। इस बीच, वामपंथी दल आपस में विचार-विमर्श कर रहे ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

यूपी-बिहार में आंधी-बिजली से 24 घंटे में 31 मौतें

नई दिल्ली। राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में चक्रवात बनने से देश के बड़े हिस्से में मौसम बदल गया है। दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश से लेकर तमिलनाडु तक ट्रफ बनी हुई है, जिससे उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश का असर है।

दिल्ली में मंगलवार दोपहर को ओले गिरे। पिछले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश, बिहार समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में आंधी और तेज बारिश हुई। यूपी में आंधी-बारिश से 8 लोगों की मौत हो गई। पीलीभीत में ईंट-भट्ठे की 100 फीट ऊंची चिमनी ढह गई। बिहार में 22 जिलों में आंधी-बारिश हुई। बिजली गिरने से 7 बच्चों समेत 23 लोगों की मौत हो गई। 2 महिलाएं झुलस गईं। आज 18 जिलों तेज बारिश का अलर्ट है। राजस्थान में सोमवार को तापमान में 8डिग्री की गिरावट आई।

इंडिगो फ्लाइट में पावर बैंक में धमाका; पांच यात्री घायल

चंडीगढ़। शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, चंडीगढ़ पर मंगलवार दोपहर उस समय अफरा तफरी मच गई, जब इंडिगो की फ्लाइट 6ई108 के लैंड होने के तुरंत बाद विमान के अंदर अचानक धुआं फैल गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, विमान में सीट नंबर 39-40 के पास रखे एक पावर बैंक में विस्फोट होने से यह हादसा हुआ, जिसके बाद कुछ ही पलों में धुआं पूरे कैबिन में फैल गया और यात्रियों में दहशत का माहौल बन गया। स्थिति को बिगड़ता देख विमान में मौजूद एयर होस्टेस और क्रू मेंबर्स ने तुरंत फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग और धुएं पर काबू पाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकिस विमान के भीतर धुआं भरने और घबराहट के कारण यात्रियों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इसके बाद विमान को पार्किंग बे पर खड़ा कर इमरजेंसी गेट खोले गए और यात्रियों को इमरजेंसी स्लाइडर के जरिए तेजी से नीचे उतारा गया। इस दौरान स्लाइडर से उतरते समय 5 से 6 यात्री घायल हो गए, जिनमें कुछ वरिष्ठ नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं।

राघव चड्ढा बोले- हमारे पास 21 राज्यों की पुलिस

- **सीएम मान बोले- पंजाब में भाजपा एमएलए 2, राज्यसभा एमपी 6, यह कैसे केजरीवाल बोले- फरवरी में मोदी सरकार गिरेगी**

चंडीगढ़/नई दिल्ली। 6 सांसदों के आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ बीजेपी जॉइन करने के खिलाफ पंजाब सीएम भगवंत मान ने मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इसके बाद सीएम मान ने कहा कि मैंने राष्ट्रपति को बताया कि पूरी पार्टी दो तिहाई बहुमत से दूसरी पार्टी में मर्ज हो सकती है, सिर्फ एक हाउस के 6-7 लोग ऐसा कहें तो यह मनमानी नहीं चलेगी।

यह लोकतंत्र का मजाक है। मैंने बताया कि पंजाब में भाजपा के एमएलए 2 हैं और राज्यसभा के 6 सांसद हो गए, यह संविधान का मजाक है। मैंने संविधान में संशोधन कर राइट टू रिकॉल की मांग की। मान सुबह ही 90 एमएलए को 3 वॉल्वो बसों में लेकर दिल्ली पहुंचे थे। मान से पहले आप छोड़ने वाले सांसद राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक राष्ट्रपति से मिले। उन्होंने पार्टी छोड़ने के बाद पंजाब की सरकारी मशीनरी का मिसयूज कर उन्हें टारगेट करने का आरोप लगाया। चड्ढा ने कहा कि आप बदले की आग में जल रही है। दूसरों पर सुबह से शाम तक बदलाखोरी का आरोप लगाने वाले खुद बदले की राजनीति कर रहे। ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

यूएई में 3 भारतीयों के घायल होने पर भारत नाराज

- **मोदी बोले- इसे स्वीकार नहीं करेंगे, ऑयल पोर्ट पर ईरान ने कल हमला किया था**

तेल अवीव/तेहरान। यूएई के फुजैराह में ऑयल पोर्ट पर ईरानी हमले को लेकर भारत ने विरोध जताया है। इस हमले में 3 तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। भारत ने सभी पक्षों से तुरंत हिंसा बंद करने और आम लोगों को निशाना नहीं बनाने की अपील की है। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बिना रुकावट जारी रहनी चाहिए।

इससे पहले यूएई ने दावा किया था उसने ईरान की 12 बैलिस्टिक, 3 क्रूज मिसाइल और 4 ड्रोन को कामयाबी से रोक दिया है। हालांकि ईरान ने इस पूरे मामले पर कोई बयान जारी नहीं किया है। पीएम मोदी ने भी इस घटना को लेकर पोस्ट किया और कहा कि आम लोगों और जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना

स्वीकार नहीं किया जाएगा।

होर्मुज में अमेरिकी युद्धपोत तैनात कियाः अमेरिका ने होर्मुज में अपना बड़ा युद्धपोत यूएस जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश भेजा है। यह कदम डोनाल्ड ट्रम्प की नई योजना प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत उठाया गया है। इस योजना का मकसद उन जहाजों को सुरक्षित निकालना है, जो होर्मुज में फंसे हुए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, इस युद्धपोत पर 60 से ज्यादा विमान मौजूद हैं, जो इस मिशन में मदद कर रहे हैं।

फुजैराह पाइपलाइन से यूएई का 50फीसदी ऑयल एक्सपोर्ट होता हैः दुबई की पत्रकार नताशा तुराक के ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

बदली गई एनसीईआरटी की किताब एक हफ्ते में मार्केट में होगी उपलब्ध

नई दिल्ली। एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सोशल साइंस की किताब, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने एक विवादित अध्याय के कारण बैन कर दिया था, अब संशोधित कर दी गई है। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, यह नई किताब एक हफ्ते के भीतर बाजार में उपलब्ध हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, संशोधित किताब को एनसीईआरटी की एक्सपर्ट कमेटी ने मंजूरी दे दी है। अब सिलेबस कमेटी की बैठक के बाद अंतिम मंजूरी दी जाएगी। इसके बाद इसी हफ्ते प्रिंटिंग शुरू होने की उम्मीद है। यह मामला उस अध्याय से जुड़ा था, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का जिक्र किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस सामग्री को आपत्तिजनक बताते हुए किताब के प्रकाशन, रीप्रिंट और डिजिटल सर्कुलेशन पर पूरी तरह रोक लगा दी थी।

इसके बाद एनसीईआरटी ने बिना शर्त माफी मांगी थी और कहा था कि द रोल ऑफ ज्यूडिशियरी इन आवर सोसाइटी अध्याय में अनुचित सामग्री थी। इसके चलते पूरी किताब को मार्च में वापस ले लिया गया था।

पीआईएल अब पैसा इंटरेस्ट लिटिगेशन बनी : सुप्रीम कोर्ट

- **सबरीमाला केस में वकीलों ने याचिका लगाई, जज ने कहा- अपने लोगों के लिए काम करें**

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (जनहित याचिका) अब प्राइवेट इंटरेस्ट और पब्लिसिटी इंटरेस्ट, पैसा इंटरेस्ट लिटिगेशन और पॉलिटिकल इंटरेस्ट लिटिगेशन बन गई हैं। यह कमेंट नौ जजों की संविधान बेंच ने केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई के दौरान किया।

कोर्ट ने इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन के 2006 के पीआईएल के मकसद पर सवाल उठाया, जिसमें केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 साल की महिलाओं के प्रवेश पर रोक को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि पीआईएल कानून की प्रोसेस का गलत इस्तेमाल है और एसोसिएशन को ऐसी पीआईएल फाइल करने के बजाय बार और अपने युवा सदस्यों की भलाई के लिए काम करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में धार्मिक जगहों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और अलग-अलग धर्मों में धार्मिक आजादी के दायरे से जुड़ी याचिकाओं पर 11वें दिन की सुनवाई चल रही है। सितंबर 2018 में 5 जजों की संविधान बेंच ने 4:1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए सबरीमाला अयप्पा मंदिर में 10 से 50 साल की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। तब कोर्ट ने कहा था कि सदियों पुरानी हिंदू धार्मिक प्रथा गैर-कानूनी और असंवैधानिक है। ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

छत्तीसगढ़ के 3 मजदूरों को बोरवेल-मशीन ने कुचला, मौत

रायपुर। मध्यप्रदेश के धार जिले के पीथमपुर में बोरिंग मशीन गाड़ी की चपेट में आने से 3 मजदूरों की मौत हो गई। तीनों छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। हादसा मंगलवार तड़के 4 बजे गवला गांव में हुआ। दरअसल, काम के बाद तीनों मजदूर गाड़ी के नीचे सो रहे थे। ड्राइवर ने ट्रक को रिवर्स किया, तभी पिछला टायर मजदूरों पर चढ़ गया। जानकारी के मुताबिक, तीनों छत्तीसगढ़ के अलग अलग गांव के रहने वाले थे, मजदूरी के लिए धार गए थे। एमपी पुलिस ने गाड़ी के ड्राइवर पर केस दर्ज किया है।

खेत पर बोरिंग का काम चल रहा थाः पुलिस के अनुसार, गवला निवासी सुभाष चौहान और रुदन सिंह सोलंकी के खेत पर बोरवेल का काम चल रहा था। काम के बाद थके हुए मजदूर बोरिंग मशीन वाहन के साथ चलने वाली सपोर्टिंग एयर गाड़ी (केए 51 एमसी 5799) के नीचे आराम करने के लिए लेट गए, तभी ड्राइवर ने लापरवाही पूर्वक ट्रक को रिवर्स कर दिया। उसे नीचे सो रहे मजदूरों का आभास नहीं हुआ और ट्रक का पिछला टायर सीधे उनके ऊपर चढ़ गया। हादसे में रामचरण पिता मेघनाद ((56) निवासी खरधाढ़ी (छत्तीसगढ़), भानुप्रताप (19) पिता त्रिभुवन साय निवासी सोनगेरसा (छत्तीसगढ़) और अरविंद (22) पिता नमूलराम करमापारा, (छत्तीसगढ़) की मौके पर ही मौत हो गई।

पद्मश्री फूलबासन बाई की किडनैपिंग

फोटो खींचवाने के बहाने बुलाया, हाथ-मुंह बांधकर कार में डाला

- **चेकिंग के दौरान पकड़ाए आरोपी**

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले में पद्मश्री फूलबासन बाई यादव की किडनैपिंग हुई है। मंगलवार सुबह महिला समेत 3 लोगों ने फोटो खींचवाने के बहाने उन्हें बुलाया, फिर उनके हाथ-पैर बांध दिए। मुंह पर गमछा बांधकर कार में बैठा लिया, लेकिन भागते समय पुलिस की रूटीन चेकिंग में पकड़े गए।

पुलिस को देखकर आरोपियों ने बताया कि, मरीज को मिर्गी का दौरा पड़ा है, उन्हें अस्पताल ले जा रहे हैं। लेकिन एक पुलिसकर्मी ने फूलबासन बाई को पहचान लिया और शक होने पर मुख्य आरोपी महिला खुशबू साहू समेत 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सुकुलदैहान चौकी इलाके की है।

जानकारी के मुताबिक, बेमेतरा निवासी खुशबू साहू अपने तीन साथियों (एक महिला और दो पुरुष) के साथ मंगलवार सुबह करीब 10 बजे फूलबासन बाई (56) के घर पहुंची। उन्होंने जरूरी चर्चा का बहाना बनाकर फूलबासन बाई को घर से बाहर बुलाया। उनके साथ फोटो खींचवाने और बर्थडे मनाने की बात कहकर अपनी कार में बैठा लिया। कार के आगे बढ़ते ही आरोपियों ने फूलबासन बाई के हाथ-पैर बांध दिए और उनके मुंह पर गमछा लपेट दिया, जिससे वे शोर न मचा सकें। किडनैपर्स खैरागढ़ के रास्ते से भागने की कोशिश कर रहे थे। चिखली पुलिस चौकी के पास रूटीन चेकिंग कर रही पुलिस टीम ने शक होने पर उनकी कार को रोक दिया।

'मिर्गी' पड़ने का बहाना बनायाः पुलिस को देखकर आरोपियों ने बताया कि, गाड़ी में बैठी महिला को मिर्गी का दौरा पड़ा है। वे उन्हें हॉस्पिटल ले जा रहे हैं। हालांकि, चेकिंग कर रहे एक पुलिसकर्मी ने फूलबासन बाई को पहचान लिया। उनकी हालत देखकर पुलिस का शक गहराया और सभी आरोपियों को तुरंत हिरासत में ले लिया गया।

फूलबासन बाई के संपर्क में थी खुशबूः पुलिस जांच में सामने आया है कि, मुख्य आरोपी खुशबू साहू पिछले 4-5 महीनों से फूलबासन बाई के संपर्क में थी। खुशबू साहू खुद ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

इस जोड़ी से सीखने की जरूरत

शशि थरूर ने मोदी-शाह की तारीफ में जमकर गढ़े कसीदे

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पीएम मोदी और अमित शाह की जमकर तारीफ की है। थरूर ने मंगलवार को कहाकि भारतीय जनता पार्टी काफी संगठित। चुनावी अभियान के दौरान वह लगातार बेहतर कोशिश करते रहते हैं। साथ ही पैसों के इंतजाम का भी ख्याल रखते हैं। इतना ही नहीं, कांग्रेस सांसद यहां तक कह गए कि देश के राजनीतिक दल, भाजपा से कई सबक सीख सकते हैं। गौरतलब है कि भाजपा ने बंगाल में इतिहास रचते हुए 200 से ज्यादा सीटें जीती हैं। वहीं, असम में पार्टी ने हैट्रिक बनाई है।

कहा-इस जोड़ी की विशेषज्ञताः शशि थरूर ने मोदी-शाह की जोड़ी की प्रशंसा की। उन्होंने कहाकि मोदी और शाह प्रोफेशनल ढंग से संगठित हैं और चुनाव करवाने में माहिर हैं। इन दोनों ने बंगाल और असम में काफी अच्छा काम किया है। थरूर ने कहाकि ऐसा इन दोनों की विशेषज्ञता के चलते ही संभव हो पाया। उन्होंने कहाकि दोनों की सांगठनिक क्षमता काफी अच्छी है। कांग्रेस सांसद यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहाकि मोदी और शाह के पास काफी रिसोर्सेज हैं। चुनाव अभियान के दौरान यह आर्थिक स्रोतों का भी अच्छे से इस्तेमाल करते हैं। थरूर के मुताबिक अन्य सभी दल मोदी और शाह के चुनावी अभियान से काफी कुछ सीख सकते हैं।

केरल पर भी रखी अपनी बातः शशि थरूर ने केरल में कांग्रेस के प्रदर्शन पर ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

दो मासूम बेटियों को जलाने की कोशिश की

मुंबई। महाराष्ट्र के बीड़ जिले में एक व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के बाद अपनी दो नाबालिग बेटियों पर डीजल डालकर उन्हें आग लगाने की कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद एक रिश्तेदार ने समय रहते उसे रोक लिया। पुलिस ने बताया कि यह घटना 2 मई को माजलगांव तहसील के लहामेवाड़ी गांव में हुई। आरोपी महेश विष्णु सोमासे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपी की पत्नी अश्विनी घरेलू विवाद के बाद अपने मायके में रह रही थी। आरोपी अपनी चार और पांच साल की बेटियों के साथ वहां पहुंचा और पत्नी से तुरंत घर लौटने को कहा। जब पत्नी ने मना किया तो आरोपी ने बाइक के बैग में रखा डीजल का डिब्बा निकाला और बेटियों पर डाल दिया। फिर जेब से माचिस निकालकर उन्हें आग लगाने की कोशिश की। मौके पर मौजूद एक रिश्तेदार ने तुरंत माचिस छीन ली, जिससे बच्चों की जान बच गई।

शराब घोटाला : आप नेताओं का बहिष्कार

- **अब हाईकोर्ट में एमिकस क्यूरी के जरिए होगी सुनवाई**

नई दिल्ली। दिल्ली की चर्चित शराब नीति मामले में सुनवाई के दौरान बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और उनके सहयोगी दुर्गेश पाठक द्वारा अदालत की कार्यवाही का बहिष्कार किए जाने के बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि तीन वरिष्ठ वकीलों को एमिकस क्यूरी के तौर पर नियुक्त किया जाएगा।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने मंगलवार को कहा कि वो यह सुनिश्चित करेंगी कि आरोपियों का पक्ष अदालत में रखा जाए, भले ही वे खुद पेश न हों। कोर्ट ने कहा कि वह शुक्रवार को एमिकस क्यूरी की नियुक्ति पर औपचारिक आदेश पारित करेगी, जिसके बाद मामले की आगे सुनवाई होगी। एमिकस क्यूरी का मतलब अदालत का मित्र होता है।

एमिकस क्यूरी एक वरिष्ठ और अनुभवी वकील होता है, जो किसी भी पक्ष का प्रतिनिधि नहीं होता, लेकिन अदालत की मदद के लिए नियुक्त किया जाता है। इसका काम कानूनी मुद्दों को स्पष्ट करना और निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करना ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

कोपरा जलाशयः स्थानीय समुदाय और महिला समूहों के सहयोग से बनेगा आदर्श इको-टूरिज्म स्पॉट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिला स्थित कोपरा जलाशय रामसर स्थल के संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। यह राज्य की पहली रामसर साइट है, जिसे स्थानीय समुदायों, वन विभाग और विशेषज्ञों के समन्वय से विकसित किया जा रहा है, ताकि जैव विविधता व आजीविका सुनिश्चित रहे।

छत्तीसगढ़ के कोपरा जलाशय को रामसर स्थल का दर्जा मिलने के बाद, इसके अंतर्राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए अब इसके संरक्षण और सतत विकास के लिए जनभागीदारी का मॉडल तैयार किया गया है। राज्य वेटलैंड प्राधिकरण के अधिकारियों, स्थानीय ग्राम प्रतिनिधियों और महिला स्व-सहायता समूहों के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक में जलाशय की सुरक्षा और विकास की एक व्यापक कार्ययोजना पर सहमति बनी है।

प्रमुख कार्ययोजना और निर्णय

स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्ति विकास के प्रथम चरण में कोपरा जलाशय को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त बनाया जाएगा। इसके लिए गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू की जाएगी और नियमित स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे।

निगरानी तंत्र का सुदृढ़ीकरण आर्द्रभूमि (Wetland) की पारिस्थितिकी और जल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अवैध गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी। प्राकृतिक वनस्पतियों और दुर्लभ जीव-जंतुओं के संरक्षण के लिए एक मजबूत निगरानी तंत्र स्थापित किया जाएगा।

स्थानीय रोजगार के नए द्वार और पर्यटन

अधिकारियों के अनुसार, कोपरा जलाशय में पर्यटन की संभावनाओं को विकसित किया जाएगा, जिससे स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। कोपरा जलाशय के विकास से स्थानीय स्तर पर बर्ड वाचिंग और ईको-टूरिज्म को बढ़ावा मिल रहा है, जो ग्रामीण आजीविका के नए साधन बना रहे हैं।

युवाओं और महिलाओं की भागीदारी

इस अभियान को गति देने के लिए स्थानीय युवाओं को ÷वेटलैंड मित्र÷ के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। महिला स्व-सहायता समूहों ने न केवल स्वच्छता की जिम्मेदारी ली है, बल्कि उन्होंने गांव स्तर पर पर्यावरण जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का भी प्रस्ताव दिया है। स्कूलों में भी पर्यावरण शिक्षा के माध्यम से बच्चों को इस धरोहर के प्रति जागरूक किया जाएगा।

समन्वित प्रयास

राज्य वेटलैंड प्राधिकरण द्वारा इस परियोजना के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी संबंधित विभागों और स्थानीय प्रशासन के समन्वय से एक एकीकृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जो पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ स्थानीय सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम होगी।

सुशासन तिहार: सरोधी की चौपाल में दिखी बदलाव की कहानी

- **महतारी वंदन योजना से सशक्त हुई केकती बाई की जिंदगी**

रायपुर। सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का ग्राम सरोधी में आयोजित चौपाल कार्यक्रम केवल प्रशासनिक संवाद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह आम जनजीवन में आए सकारात्मक बदलावों की जीवंत तस्वीर भी बन गया।इसी चौपाल में सामने आई एक ऐसी कहानी, जिसने सरकारी योजनाओं के वास्तविक प्रभाव को भावनात्मक रूप से उजागर किया।

ग्राम सरोधी की निवासी श्रीमती केकती मरावी, अपने पति राजेंद्र मेरावी और तीन बच्चों– चिरंजीव, किरण और विक्रांत के साथ एक साधारण किसान परिवार से जुड़ी हैं। खेती-किसानी ही उनके जीवन का मुख्य आधार है, लेकिन सीमित आय के बीच परिवार का खर्च चलाना हमेशा एक चुनौती रहा है।

केकती बाई बताती हैं कि महतारी वंदन योजना ने उनके जीवन में नई रोशनी लाई है। अब तक उन्हें योजना की 26 किश्तें मिल चुकी हैं, जिससे वे घर के छोटे-छोटे खर्चों में हाथ बंटा पा रही हैं। पहले जहां हर छोटी जरूरत के लिए सोच-विचार करना पड़ता था, वहीं अब उनके पास आत्मनिर्भरता का एक आधार बन गया है।

उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों से वे 'स्वच्छता दीदी' के रूप में भी कार्य कर रही हैं, जिससे उन्हें प्रतिमाह 1000 रुपए की अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। इसके साथ ही उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस सिलेंडर मिलने से उनके परिवार के स्वास्थ्य में भी सुधार आया है और रसोई का काम आसान हुआ है।

केकती बाई केवल अपने परिवार तक ही सीमित नहीं रहीं, बल्कि वे ÷जय मां बंजारी महिला स्व सहायता समूह÷ की अध्यक्ष भी हैं। समूह के माध्यम से उन्हें 15 हजार रुपए का अनुदान मिला है, जिससे वे अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

भावुक होते हुए केकती बाई ने कहा कि आज उनका परिवार पहले से कहीं अधिक सशक्त और आत्मविश्वासी महसूस करता है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं ने उनके जीवन को नई दिशा दी है।

ग्राम सरोधी की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि जब योजनाएं सही हितग्राहियों तक पहुंचती हैं।

श्रमिक की बेटी ममता को मिली उड़ान

- **मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना से नर्सिंग के सपनों को मिला संबल**

रायपुर। कहते हैं कि यदि हौसले बुलंद हों और शासन का साथ मिले, तो अभाव भी सफलता की राह नहीं रोक सकते। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है सरगुजा जिले के भिड्डीकला की रहने वाली ममता ने। ममता, जो कि वर्तमान में बीएससी नर्सिंग तृतीय वर्ष की छात्रा हैं, आज अपनी पढ़ाई को लेकर निश्चिंत हैं और इसका श्रेय वे छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को देती हैं।

संघर्षों के बीच जागी उम्मीद की किरणः ममता के जीवन का सफर आसान नहीं था। पिता स्व. मोटू राम के निधन के बाद घर की पूरी जिम्मेदारी उनकी माता प्यारो बाई के कंधों पर आ गई। माँ ने हार नहीं मानी और एक पंजीकृत श्रमिक के रूप में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण किया। संसाधनों की कमी के बावजूद प्यारो बाई का सपना अपनी बेटी को उच्च शिक्षा दिलाना था, जिसे छत्तीसगढ़ सरकार के श्रम विभाग ने साकार किया है।

मेधावी शिक्षा सहायता ने आसान हुई राहः ममता ने बताया कि उन्हें श्रम विभाग के माध्यम से नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत 45,000 रुपए की वार्षिक सहायता प्राप्त हुई है। इस राशि ने उनके शिक्षण शुल्क और पढ़ाई से संबंधित अन्य खर्चों के बोझ को कम कर दिया है।

अबूझमाड़ में औषधीय खेती की नई सुबह अब धान नहीं, बच और ब्राह्मी से बढ़ेगी किसानों की आय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्र अबूझमाड़ में आर्थिक समृद्धि की एक नई बयार चल रही है। राज्य शासन के 'नई सुबह की ओर' अभियान के तहत अब यहां के आदिवासी किसान पारंपरिक फसलों के बजाय औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। इसी कड़ी में औषधि पादप बोर्ड द्वारा नारायणपुर जिले के 50 से अधिक किसानों के लिए धमतरी जिले में एक विशेष अध्ययन प्रवास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रमुख प्रशिक्षण धमतरी के कंडेल गांव में किसानों को ब्राह्मी की खेती का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें खेत की तैयारी, रोपण, सिंचाई, खाद प्रबंधन और बाजार में बिक्री की पूरी प्रक्रिया समझाई गई। जिला कंसलटेंट ने किसानों को विस्तार से मार्गदर्शन दिया। इस प्रशिक्षण में कोकमेट, कुरुषनार, कन्हारी किल्काड, कोडोली और बासिंगबाहर गांव के किसानों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की जानकारी दी गई। किसानों ने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा की जा रही खस, ब्राह्मी और बच की खेती का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

अनुभव साझा कर बढ़ाया उत्साह

प्रशिक्षण के दौरान किसानों ने महिला स्व-सहायता समूहों की सफलता को करीब से देखा। समूह की सदस्य श्रीमती दुलारी डीमर ने बताया कि धान की तुलना में औषधीय खेती दोगुना लाभ दे रही है। इन फसलों की विशेषता यह है कि इनमें लागत कम आती है और एक बार रोपण के बाद 3 से 4 वर्षों तक लगातार उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

सरकारी सहायता और भविष्य की राह

औषधि पादप बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.ए.सी.एस. राव ने बताया कि बोर्ड द्वारा किसानों को न केवल निःशुल्क प्रशिक्षण और पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं, बल्कि निवेशकों के साथ अनुबंध कराकर अग्रिम राशि की सुविधा भी दी जा रही है।

अभियान का लक्ष्य : औषधीय खेती

इस पहल का मुख्य उद्देश्य बस्तर के सुदूर क्षेत्रों में नए रोजगार पैदा करना और किसानों की आय में 2 से 3 गुना वृद्धि कर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। अध्ययन प्रवास के बाद अबूझमाड़ के किसान अब औषधीय खेती को अपनाने के लिए पूरी तरह उत्साहित और तैयार हैं।

सुशासन तिहार 2026: संवेदनशील पहल से समस्याओं का त्वरित समाधान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार आयोजित 'सुशासन तिहार 2026' के तहत जनसमस्या निवारण शिविर आम नागरिकों के लिए भरोसे और राहत का सशक्त माध्यम बनते जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से शासन की योजनाओं और सेवाओं को सीधे गांव-गांव तक पहुंचाते हुए समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत सरखों में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों से जुड़े आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर रहे हैं। शिविर में ग्राम बनारी निवासी मोहनलाल अपनी समस्या लेकर पहुंचे। उन्होंने किसान किताब से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया, जो उनके कृषि कार्यों के लिए आवश्यक था। आवेदन प्राप्त होते ही राजस्व विभाग के अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और मौके पर ही उन्हें नई किसान किताब प्रदान कर दी।

बिलासपुर की लाइफलाइन अरपा के तट पर उगेगा मियावाकी जंगल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप के दिशा-निर्देशों के अनुरूप बिलासपुर शहर में पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र को विस्तार देने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम (कोटा परियोजना मण्डल) द्वारा साउथ ईस्ट कोल फिल्ड लिमिटेड बिलासपुर के सहयोग से अरपा नदी के तट पर मियावाकी पद्धति से सघन वृक्षारोपण किया जा रहा है।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं

कमिश्नर कार्यालय (कोनी) के पीछे, अरपा नदी तट लगभग 1.5 हेक्टेयर क्षेत्र में 15,000 पौधों का रोपण किया जाएगा। जमीन में एक मीटर गहरी खाई (ट्रेंच) खोदकर उपजाऊ मिट्टी के साथ पौधों का सघन रोपण।

क्या है मियावाकी पद्धति?: यह एक आधुनिक जापानी तकनीक है जो शहरी क्षेत्रों के लिए वरदान मानी जाती है। इसकी विशेषताएं हैं कि तीव्र विकास वाले पौधे सामान्य वृक्षारोपण की तुलना में 10 गुना तेजी से बढ़ते हैं। यह सामान्य वनों की तुलना में 30 गुना अधिक सघन होते हैं। कम स्थान में अधिक प्रजातियों के पौधे होने से जैव विविधता में कई गुना वृद्धि होती है।

सफलता का पिछला रिकॉर्डः उल्लेखनीय है कि वन विकास निगम इससे पहले भी बिलासपुर में एन टी पी सी सीपत के सहयोग से 94 हजार पौधों का मियावाकी वन सफलतापूर्वक विकसित कर चुका है। अरपा तट पर हो रही यह नई पहल न केवल शहर के तापमान को नियंत्रित करने में सहायक होगी, बल्कि निवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण भी प्रदान करेगी।

गौरेला क्षेत्र में सागौन की अवैध कटाई पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

- **संयुक्त दल द्वारा निरंतर निगरानी जारी**

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गौरेला वन परिक्षेत्र में सागौन के अवैध दोहन को रोकने के लिए वन विभाग ने अपना शिकंजा कस दिया है। विभाग के संयुक्त दल द्वारा की जा रही लगातार निगरानी के फलस्वरूप हाल ही में अवैध रूप से काटी गई सागौन की लगभग 500 बल्लियां (5 घन मीटर से अधिक) बरामद की गई हैं। जब्त लकड़ियों को सुरक्षित रूप से मड़ना सरकारी काष्ठागार (डिपो) में स्थानांतरित कर दिया गया है।

गौरेला क्षेत्र में सागौन की अवैध कटाई पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाईः पण्डरीपानी परिसर (सामाजिक वानिकी परियोजना 2009-10), जो लगभग 103 हेक्टेयर में फैला है। चार ग्राम पंचायतों (कोरजा, गांगपुर, डाहीबहरा और पण्डरीपानी) से घिरे होने के कारण इस क्षेत्र पर अत्यधिक जैविक दबाव है। प्राथमिक जांच के अनुसार, स्थानीय ग्रामीणों द्वारा गृह निर्माण, कृषि कार्यों और अन्य व्यक्तिगत उपयोग के लिए अवैध कटाई की जा रही थी।

वनमण्डलाधिकारी मरवाही और उप वनमण्डलाधिकारी गौरेला के नेतृत्व में उड़नदस्ता दल और विभागीय कर्मचारी क्षेत्र का सघन सर्वेक्षण कर रहे हैं। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि सर्वेक्षण पूर्ण होते ही दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, वन भूमि पर किए गए पुराने अतिक्रमणों को हटाने का अभियान भी तेज कर दिया गया है।

जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन

शासन की योजनाओं से श्रमिकों को सशक्त बनाने का संकल्प

रायपुर। सरगुजा जिले के श्रमिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने और उनके पंजीयन की प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से आज अंबिकापुर के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने श्रमिकों के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की।

बिना श्रमिक के कोई कार्य सफल नहीं- सांसद चिंतामणि महाराज

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लोकसभा सांसद चिंतामणि महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आज समाज का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जो श्रमिकों के बिना सफल हो सके। श्रमिकों के परिश्रम से ही राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अंतिम पंक्ति के श्रमिक का भी पंजीयन सुनिश्चित हो सके।

श्रम का सम्मान और आत्मनिर्भरता

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में श्रमिक है और परिश्रम ही परिवार के भरण-पोषण का आधार है। उन्होंने श्रमिक पंजीयन कर योजनाओं का लाभ लेने उपस्थित श्रमिक जनों को प्रोत्साहित किया। वहीं, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने विकासखंड से आए श्रमिकों से कहा कि शासन आपके हितों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है जिससे हर वर्ग के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ मिले। आप सभी श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी लेकर योजना का लाभ ले।

नगर निगम अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि शासन द्वारा नारी शक्ति के सम्मान के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। महिलाएं आत्मनिर्भर बने शासन की मंशा है। उन्होंने श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने के लिए श्रमिकों को प्रेरित किया।

पंजीयन ही योजनाओं का द्वारः श्रम पदाधिकारी

सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्रम पदाधिकारी नीतेश विश्वकर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ कर्मगार राज्य समाजिक सुरक्षा मंडल एवं छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना,मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा प्रोत्साहन योजना,मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल श्रमिकों को जोर देते हुए कहा कि इन हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ उठाने के लिए श्रमिक पंजीयन कराएं और योजनाओं का लाभ लें। सम्मेलन में पार्षद आलोक दुबे एवं दीपक यादव एवं जनप्रतिनिधियों सहित जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए बड़ी संख्या में श्रमिक, श्रम विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को चेक का किया वितरण एवं परोसा भोजन

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा चेक वितरण कर सम्मानित किया गया। जब उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने स्वयं अपने हाथों से श्रमिकों को भोजन परोसा। इस दौरान श्रमिकों ने अनुशासन का परिचय देते हुए कतारबद्ध होकर अपनी-अपनी बारी में शांतिपूर्वक भोजन लिया।

वित्तमंत्री शामिल हुए शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' कार्यक्रम में

बस्तर के युवाओं के लिए नवाचार की अपार संभावना, नवाचार से करें क्षेत्र का विकास : वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

जगदलपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बजट में बस्तर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं, जिससे युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

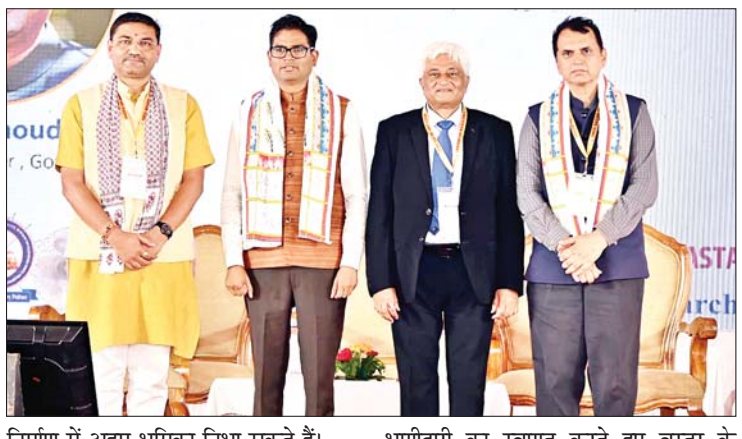

वित्त मंत्री ने कहा कि देश की चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में बढ़ते भारत में बस्तर के युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बस्तर के युवाओं को वन उत्पाद, पर्यटन, कला-संस्कृति और कृषि से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में नवाचार के साथ कार्य कर क्षेत्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बस्तर के युवा आर्थिक रूप से सशक्त बनकर समाज निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि बस्तर आज नई आशा और नई दिशा के साथ आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में पूना मारगेम से जुड़े साथियों की भागीदारी का स्वागत करते हुए बस्तर के विकास में सहभागी बनने की बात कही। अपने संबोधन में उन्होंने कई प्रेरणादायक उदाहरण साझा किए, जिनमें लोगों ने विपरीत परिस्थितियों से निकलकर नवाचार के माध्यम से आर्थिक प्रगति हासिल की। चौधरी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने स्वयं नौकरी छोड़कर कृषि व्यवसाय अपनाया और आत्मनिर्भरता हासिल की। उन्होंने युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि 'माँ सरस्वती के उपासक बनेंगे तो माँ लक्ष्मी स्वयं साथ आएंगी', आज का युग ज्ञान आधारित है, इसलिए युवाओं को अपनी क्षमता और कौशल का निरंतर विकास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि अनुशासन भी सिखाते हैं। अनुशासन के साथ ईमानदारी से प्रयास कर ही बेहतर भविष्य का निर्माण संभव है। साथ ही उन्होंने युवाओं को उद्यमिता (इंटरप्रेन्योरशिप) में जोखिम लेने की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया।

आज की जनधारा City Dhara
बुधवार 06 मई 2026, www.aajkijandhara.com

सीएम साय ने पश्चिम बंगाल में जहां-जहां किया प्रचार, वहां-वहां जीती भाजपा

रायपुर। पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत में अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित सीटों का अहम योगदान रहा है। बंगाल में 16 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित हैं, जिनमें सभी पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। इसके पीछे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को चुनाव प्रचार में उतारने की भाजपा की रणनीति कामयाब रही। सीएम साय ने जिन-जिन सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया वहां पार्टी को जीत मिली है।

साय फैक्टर जंगल महल जैसे अनुसूचित जनजाति बहुल इलाकों में काम कर गया। सीएम विष्णुदेव साय झारग्राम जिले के झारग्राम, बिनपुर, नयाग्राम और गोपीबल्लवपुर विधानसभा सीटों के भाजपा उम्मीदवारों के नामांकन में शामिल हुए और उनके समर्थन में रैलियां की। चारों विधानसभा क्षेत्रों में सीएम विष्णुदेव साय का प्रचार काफी चर्चा में रहा। इसकी वजह से इन सीटों पर आदिवासी वोटरों का झुकाव भाजपा की तरफ रहा और टीएमसी को बहुत बड़ा झटका लगा।

झारग्राम लोकसभा सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है, जबकि यहां की

झारग्राम और गोपीबल्लवपुर विधानसभा सीट सामान्य श्रेणी के लिए और बिनपुर एवं नयाग्राम विधानसभा सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में लंबे समय से जंगल महल के इलाके को स्विंग ज़ोन के रूप में जाना जाता है, जहां आदिवासी वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक कहावत है कि जंगल महल जिसका, बंगाल उसका। यहां की इस स्थिति को देखते हुए ही भाजपा ने सीएम विष्णुदेव साय को इन क्षेत्रों में चुनाव प्रचार के लिए भेजा था।

मुख्यमंत्री साय ने जिन जगहों पर प्रचार किया वहां बीजेपी को 2-5 फीसदी वोट की स्विंग देखने को मिली और बीजेपी उमीदवारों ने जीत हासिल की। बीजेपी प्रत्याशी लक्ष्मीकांत साहू झारग्राम सीट से 38,147 मतों से जीते तो अमिय किस्कू को नयाग्राम में 6,424 वोटों से जीत मिली। इसी तरह गोपीबल्लवपुर में राजेश महाता को 26,675 वोटों से जीत मिली है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के अजीत महाता को शिकस्त दी है। बिनपुर से बीजेपी के डॉ. प्रनत टूडू 22,977 मतों से जीते हैं, जिन्होंने तृणमूल प्रत्याशी बीरबहा हंसदा को हराया।

अतीत में भी जंगल महल में ऐतिहासिक रूप से नाटकीय राजनीतिक परिवर्तन हुए हैं। कभी वामपंथी दलों का गढ़ और माओवादी विद्रोह से बुरी तरह प्रभावित रहा। यह क्षेत्र 2011 के बाद तृणमूल के प्रभुत्व में आ गया। सीएम साय के चुनाव प्रचार ने तृणमूल कांग्रेस के इलाके में सेंध लगाने में कामयाबी पाई और बीजेपी को विजय श्री दिलवाई। नयाग्राम, बिनपुर, गोपीबल्लवपुर और झारग्राम में सीएम विष्णु देव साय ने भाजपा उम्मीदवारों के लिए रैलियां, रोड शो और जनसभाएं कीं और आदिवासी समुदाय से संवाद स्थापित किया। सीएम साय की पहचान एक आदिवासी नेता के रूप में होने के कारण यह रणनीति बीजेपी के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। जंगल महल के आदिवासी बहुल इलाके के वोटरों पर उनका गहरा प्रभाव पड़ा।

छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं के परिश्रम से मिला विशाल विजय

रायपुर। पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी में छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं ने चुनाव अभियान में सहभागी बनकर भाजपा को विशाल विजय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पश्चिम बंगाल के चार विधानसभा क्षेत्र जारग्राम, बिनपुर, गोपीबल्लभपुर, नयाग्राम में जाकर चुनावी अभियान में हिस्सा लिया, जहां भाजपा को जीत मिली। इसके साथ ही प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय करीब 6 माह से वहीं पर कैंप लगाकर रह रहे थे। उनके प्रभार वाले 56 विधानसभा में से 49 विधानसभा में भाजपा को विशाल विजय मिली। प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय के प्रभार वाले विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी रहे पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत को 7 विधानसभा क्षेत्रों बर्धमान दक्षिण, मोंटेश्वर, बर्धमान उत्तर, भातर, दुर्गापुर पूर्व, दुर्गापुर पश्चिम एवं गलसी का प्रभार सौंपा गया था, जिसमें भाजपा को 7 में 6 सीटों पर विजय हासिल हुई। वहीं भाटापारा के पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा को पश्चिम बंगाल विधानसभा के 7 विधानसभा क्षेत्रों रैना, जमालपुर, कालना, मेमारी, पूर्वस्थली दक्षिण, पूर्वस्थली उत्तर एवं काटवा की जिम्मेदारी दी गई थी, जिसमें भाजपा को सातों सीटों पर विजय हासिल किए। क्रेडा चेयरमेन भूपेन्द्र सवत्री को वर्धमान दक्षिण की जिम्मेदारी दी गई थी, जहां से भाजपा जीती है। नान के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव को हुगली, कलकत्ता, हावड़ा में सामाजिक संयोजन व कमजोर सीटों के प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई थी, जहां भाजपा को जीत मिली है। हाऊसिंग बोर्ड के चेयरमैन अनुराग सिंहदेव को बाकुरा लोकसभा के रघुनाथ विधानसभा का प्रभारी बनाया गया था, जहां भाजपा को जीत मिली है। छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष राजा पाण्डेय को काटवा विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई थी। भाजपा ने इस सीट पर विजय हासिल की। लौह शिल्पकार विकास बोर्ड अध्यक्ष, प्रफुल्ल विश्वकर्मा को पांडेश्वर विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई थी, जहां से भाजपा ने इस सीट पर विजय दर्ज की। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला को विधाननगर विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई, जहां भाजपा जीती दुर्ग ग्रामीण के विधायक ललित चंद्राकर को मोंटेश्वर विधानसभा क्षेत्र का प्रभार दिया गया था, जहां भाजपा को जीत मिली है। पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल को भातर विधानसभा का जिम्मेदारी दी गई थी, जहां से भाजपा जीती है।

खेल विकास को बढ़ावा

सुशासन तिहार की बड़ी सौगात, पटरी पार में बनेगा नया हॉकी मैदान

- **विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अनुशंसा और महापौर मधुसूदन यादव के प्रयासों पर मुख्यमंत्री ने लगाई मुहर**

राजनांदगांव। आम जनता की समस्याओं के समयबद्ध समाधान के उद्देश्य से आयोजित सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा पटरी पार क्षेत्र के लिए नए हॉकी मैदान की घोषणा किए जाने पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। मोतीपुर स्कूल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

इस महत्वपूर्ण घोषणा के पीछे महापौर मधुसूदन यादव के प्रयास और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अनुशंसा को प्रमुख कारण माना जा रहा है। साथ ही क्षेत्रीय विकास के लिए सांसद संतोष पाण्डेय एवं पूर्व सांसद अभिषेक सिंह के मार्गदर्शन और सहयोग को भी अहम माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि नए हॉकी मैदान की मांग अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे द्वारा लंबे समय से की जा रही थी। कार्यक्रम के दौरान पटरी पार क्षेत्र के लगभग 200 हॉकी खिलाड़ी उपस्थित रहे, जिनमें इस निर्णय को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

क्षेत्र में रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी द्वारा अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं एनआईएस गोल्ड मेडलिस्ट हॉकी कोच मृणाल चौबे के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संस्था द्वारा बच्चों में खेल, शिक्षा, अनुशासन, स्वास्थ्य एवं नशामुक्ति के प्रति जागरूकता लाने के लिए निरंतर व्यापक अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें स्थानीय नागरिकों एवं पूर्व खिलाड़ियों का सक्रिय सहयोग मिल रहा है।

पटरी पार क्षेत्र के चिखली स्कूल मैदान में संचालित इस प्रशिक्षण केंद्र में लगभग 200 बच्चे नियमित रूप से सुबह-शाम अभ्यास करते हैं। खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या और सीमित स्थान के कारण लंबे समय से बड़े हॉकी मैदान की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसे अब शासन की इस घोषणा से नई दिशा मिली है। संस्था के प्रशिक्षण से कई प्रतिभावान खिलाड़ी केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न आवासीय खेल योजनाओं में चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं।

नए हॉकी मैदान की घोषणा से पटरी पार क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। क्षेत्रवासियों और खिलाड़ियों ने इस निर्णय का जोरदार स्वागत किया। सभी ने बाजे-गाजे के साथ पटाखे फोड़कर और मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। क्षेत्र के लोगों ने इसे खेल विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ हॉकी संघ एवं जिला हॉकी संघ राजनांदगांव के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने कहा कि शहर में हॉकी खिलाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और नए मैदान की लंबे समय से आवश्यकता थी।

आरयूबी निर्माण के चलते रद्द हुई 6 लोकल ट्रेनें बहाल

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने रायपुर मंडल के निपनिया-भाटापारा सेक्शन में चल रहे रोड अंडरब्रिज निर्माण कार्य के बीच यात्रियों को बड़ी राहत दी है। रेलवे ने पहले निरस्त और आंशिक रूप से प्रभावित की गई 6 मेमू पैसेंजर ट्रेनों को अब फिर से बहाल कर दिया है। ये सभी ट्रेनें 6 मई 2026 से अपने तय समय पर चलेंगी।

रेलवे के मुताबिक, निपनिया-भाटापारा सेक्शन में लेवल क्रॉसिंग नंबर 380 पर रोड अंडरब्रिज बनाने का काम चल रहा था। इसी के तहत रिलिविंग गर्डर लॉन्चिंग का काम किया गया। जिस कारण कुछ ट्रेनों को रद्द और कुछ को बीच रास्ते तक ही चलाया गया था।

कितनी ट्रेनें प्रभावित थीं, अब कितनी बहाल हुईं: रेलवे ने कुल 6 ट्रेनों को फिर से बहाल किया है। इनमें 4 ट्रेनें पूरी तरह रद्द की गई थीं, जबकि 2 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट और शॉर्ट ओरिजिनेट किया गया था।

ये 4 ट्रेनें फिर से चलेंगी: 68728 रायपुर-बिलासपुर मेमू पैसेंजर 68734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर 68733 गेवरा रोड-बिलासपुर मेमू पैसेंजर 68719 बिलासपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर रेलवे ने बताया कि ये सभी ट्रेनें 6 मई से अपने तय समय के अनुसार चलेंगी।

ये 2 ट्रेनें भी पूरी रूट पर बहाल: 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पहले ये ट्रेनें बीच रास्ते तक ही चलाई जा रही थीं, लेकिन अब इन्हें फिर से पूरे रूट पर चलाने का फैसला लिया गया है।

मुस्लिम समाज की होनहार बेटी गुलअफ्शा शेख ने दिखाई अपनी काबिलियत

राजनांदगांव। मुस्लिम समाज जामा मस्जिद के सदर हाजी रईस अहमद शकील ने कहा कि यह सिर्फ एक परीक्षा पास करना नहीं, यह आने वाले समाज की दिशा तय करने जैसा कदम है, जहां शिक्षा, अनुशासन और मेहनत को नई पहचान मिल रही है, गुलअफ्सा शेख ने मेहनत कर के माता-पिता की अथक प्रयास और लगन कड़ी मेहनत और कुछ बनने का जज्बा लेकर आज समाज सहित संस्कारधानी नगरी का नाम रौशन किया हैं। पूरा नगर सहित शिक्षा जगत आप पर फक्र-गर्व महसूस कर रहा हैं। कड़ी मेहनत और पक्के इरादों ने आज सफलता का परचम लहरा दिया है, ये शुरूआती बड़ी उपलब्धि है कि सीजी दसवीं बोर्ड की परीक्षा परिणाम में गुलअफ्सा शेख पिता अब्दुल हकीम शेख, निवासी-जूनी हटरी, राजनांदगांव ने 90 प्रतिशत मार्क्स लाकर स्कूल में फर्स्ट रैंक हासिल किया हैं। इस तरह उन्होंने अपने स्कूल-परिवार व मुस्लिम समाज सहित नगर का नाम रोशन किया है।

मुस्लिम समाज के मिडिया प्रभारी सैय्यद अफजल अली ने समाज को संदेश दिया कि ये सफलता किसी एक की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जागरूकता का परिणाम है कि धर्म और समाज के प्रति हमारी सच्ची निष्ठा हैं स्कूल, समाज, घरों में सच्चे और अच्छे रहबर हो तो परिणाम अच्छे, सुखद और पॉजिटिव ही आएंगे।

आज का युवा सिर्फ रोजगार नहीं, राष्ट्र निर्माण का सपना लेकर आगे बढ़ रहा है। इन सभी होनहारों को सलाम और उन परिवारों को भी, जिन्होंने सोशल मीडिया, मोबाईल गेम के दौर में संघर्ष करके अपने बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर दिया।

देश की महिलाएं सबसे ज्यादा आर्थिक संकट झेल रही है : आफताब आलम

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त महासचिव आफताब आलम ने कहा कि देश आज महंगाई की भीषण मार झेल रहा है। रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल, खाद्य सामग्री, दाल, तेल, दूध और सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं, लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार आम जनता की पीड़ा से पूरी तरह बेपरवाह नजर आ रही है।

श्री आलम ने कहा कि यह कांग्रेस का स्पष्ट आरोप है कि यह महंगाई प्राकृतिक नहीं, बल्कि केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई आर्थिक आपदा है। जनता की जेब काटकर टैक्स वसूली करना ही वर्तमान सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बन चुकी है। पेट्रोल-डीजल पर भारी केंद्रीय टैक्स लगाकर सरकार ने महंगाई की आग पूरे देश में फैला दी है, जब कच्चे तेल के अंतर्राष्ट्रीय दाम कम हुए तब जनता को राहत क्यों नहीं दी गई? रसोई गैस की कीमतों ने गरीब और मध्यम वर्ग की रसोई बुझा दी है। आज देश की महिलाएं सबसे ज्यादा आर्थिक संकट झेल रही है।

पत्रकारिता प्रशिक्षण शिविर में वरिष्ठ पत्रकार सेवक दास दीवान ने दिया व्याख्यान

बसना। स्व जयदेव सतपथी महाविद्यालय बसना एम ए द्वितीय के छात्र छात्राओं को पत्रकारिता के विषय पर पत्रकारिता प्रशिक्षण शिविर में वरिष्ठ पत्रकार सेवक दास दीवान संपादक रिपोर्टर क्रांति ने व्याख्यान दिया।

महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को व्याख्यान देते हुए सेवक दास दीवान ने बताया कि पत्रकारिता के अर्थ एवं परिभाषा, उद्देश्य, लोकतंत्र में महत्व, नैतिकता, चुनौतियां , समाचार के माध्यम जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्याख्यान दिया।

वरिष्ठ पत्रकार दीवान ने आगे कहा कि पत्रकारिता का अर्थ दैनिक घटनाओं का संकलन,संपादन और प्रस्तुतीकरण आदि। सत्य को सामने लाना, जनमानस को शिक्षित करना और सामाजिक राजनीतिक मुद्दों पर जनमत तैयार करना। पत्रकार लोकतंत्र में सजग प्रहरी के रूप मे भूमिका निभाता है।अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार के खिलाफ अपने कलम के माध्यम से आवाज बुलंद करना। निष्पक्षता, सटीकता और विश्वसनीयता पत्रकारिता के मूल स्तंभ है। वर्तमान स्थिति में फेंक न्यूज, सनसनी खेज खबरें और ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों की कमी प्रमुख चुनौतियां हैं। पत्रकारिता विभिन्न रूपों पर प्रकाश डालता है। पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं बल्कि राष्ट्र और समाज के प्रति सेवा का माध्यम है। पत्रकारिता समाज का दर्पण और लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। सूचनाओं के संकलन,लेखन और संपादन के माध्यम से जनता को जागरूक करती है।यह केवल समाचार देना नहीं बल्कि विश्लेषण जनमत निर्माण, समाज को दिशा देने का सशक्त माध्यम है।

उक्त अवसर पर महाविद्यालय के व्याख्याता एन के प्रधान,शिवराम निषाद,सुनीता साहू के अलावा एम ए द्वितीय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

अंकिता गर्ग विज्ञान-प्रौद्योगिकी विभाग से मुक्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने उप सचिव स्तर के दो अधिकारियों के प्रभार में बदलाव करते हुए आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक अंकिता गर्ग को विज्ञान-प्रौद्योगिकी विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। वे अब अपने पूर्व विभागों कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगार विभाग में यथावत काम करती रहेंगी।

वहीं, उप सचिव सरोज उइके को विज्ञान-प्रौद्योगिकी विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे अब तक खनिज साधन विभाग में पदस्थ थीं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। अवर सचिव मनराखन भूआर्य ने आदेश जारी किया है।

जादू-टोना नहीं, डर-अज्ञानता है असली वजह: डॉ. दिनेश मिश्र

- **अंधविश्वास से विकास रुका, वैज्ञानिक सोच अपनाए बिना समाज आगे नहीं बढ़ेगा**

रायपुर। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा कि, अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियां समाज के विकास में बड़ी बाधा हैं। उन्होंने साफ कहा कि जादू-टोना जैसी चीजों का कोई अस्तित्व नहीं है, यह सिर्फ डर, असुरक्षा और अज्ञानता का परिणाम है। डॉ. मिश्र ने बताया कि पिछले 30 वर्षों में ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में काम करते हुए उन्होंने पाया कि जहां संसाधनों की कमी होती है, वहां असुरक्षा बढ़ती है और वहीं से अंधविश्वास जन्म लेता है। कई बार लोग बीमारी में अस्पताल जाने के बजाय ओझा-गुनिया के पास जाते हैं, जिससे इलाज में देरी और जान तक का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में फसल खराब होने या पारिवारिक समस्या का कारण वैज्ञानिक नहीं, बल्कि किसी व्यक्ति खासकर महिलाओं पर डायन का आरोप लगाकर निकाल लिया जाता है। इससे हिंसा और सामाजिक बहिष्कार जैसी गंभीर घटनाएं होती हैं। डॉ. मिश्र ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 51ए(एचं) के तहत हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाए। लेकिन सिर्फ कानून से सोच नहीं बदलती, इसके लिए लगातार जागरूकता जरूरी है।

ऑनलाइन सट्टे पर रायपुर कमिश्नरेट का एक्शन

ऑनलाइन सट्टा साइट चलाने वाले नमन-आयुष समेत 12 आरोपी गिरफ्तार

- **आईडी-बुक बेचकर प्रदेश में खिला रहे सट्टा**

रायपुर। राजधानी में ऑनलाइन सट्टे के बढ़ते नेटवर्क पर लगाम कसते हुए रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सट्टा सिंडिकेट से जुड़े नमन और आयुष को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों की निशानदेही पर 12 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। दोनों आरोपी ऑनलाइन सट्टे की तीन वेबसाइट चला रहे थे। पूरे मामले का खुलासा रायपुर पुलिस के अधिकारी जल्द करेंगे।

संगठित तरीके से चला रहे थे सट्टा: पुलिस जांच में सामने आया है कि, आरोपी संगठित तरीके से सट्टा नेटवर्क चला रहे थे। इसके लिए वे मास्टर आईडी और अलग-अलग पैनल के जरिए खिलाड़ियों को जोड़ते थे। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के पास से सट्टा-पट्टी, मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जब्त किए गए हैं। इसके अलावा करोड़ों रुपए के लेनदेन से जुड़े दस्तावेज भी पुलिस के हाथ लगे हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

सराफा-होटल कारोबारियों से संपर्क: शुरुआती जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि, इस नेटवर्क के तार शहर के कुछ बड़े कारोबारियों और सर्राफा व्यापारियों से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस इन एंगल्स पर भी जांच कर रही है, ताकि पूरे सिंडिकेट का खुलासा किया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। जानकारी के मुताबिक आरोपी तीन पैनल 777 नाम से सट्टा संचालन कर रहे थे, जिसमें अलग-अलग आईडी के जरिए खिलाड़ियों को जोड़ा जाता था। यह नेटवर्क सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स के जरिए तेजी से फैलाया जा रहा था। पुलिस को लंबे समय से इस गिरोह की गतिविधियों की सूचना मिल रही थी, जिसके बाद निगरानी कर कार्रवाई की गई।

150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा पति

- **पत्नी के मायके जाने से नाराज था, बोला- घर आएगी तभी नीचे आऊंगा; ढाई घंटे बाद उतरा**

कोरबा। जिले में पत्नी के मायके जाने से नाराज पति 150 फीट ऊंचे हाईटेंशन लाइन के टावर पर चढ़ गया और सुसाइड करने की धमकी देता रहा। करीब ढाई घंटे तक पति का हाईवोल्टेज ड्रामा चला। पत्नी के घर लौटने की हामी भरने के बाद ही वह नीचे उतरा।

मामला उरगा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पति का नाम मुकेश सांडे (34) है, जो कि पत्नी के साथ ग्राम करमंदी में रहता है। पत्नी का आरोप है कि पति शराब पीकर मारपीट करता था, जिससे तंग आकर वह मायके बुंदेली चली गई थी। वहीं अब इस ड्रामें का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

शराब पीने का आदी है पति: दरअसल, मुकेश मजदूरी करता है और शराब पीने का आदी है। दो-तीन पहले दोनों के बीच झगड़ा हुआ, जिसके बाद पत्नी मायके चली गई थी, मुकेश ने उसे मनाने की कई कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी। इससे परेशान होकर सोमवार शाम करीब 5 बजे मुकेश नशे की हालत में हाईटेंशन लाइन के टावर पर चढ़ गया।

भाजपा नेता संग रिसॉर्ट में पकड़ाई टीचर

- **बालोद में पति ने पुलिस बुलाकर पकड़ा, कहा- कई लोगों से इसके संबंध, पत्नी बोली- आरोप झूठे**

रायपुर। बालोद जिले में एक भाजपा कार्यकर्ता ने पुलिस के साथ रिसॉर्ट पहुंचकर अपनी शिक्षिका पत्नी को भाजपा के ही एक अल्पसंख्यक पदाधिकारी के साथ रंगे हाथों पकड़ा है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पति का आरोप है कि पत्नी के कई पुरुषों से अवैध संबंध हैं और विरोध करने पर वह बच्चों और मेरे साथ मारपीट करती है। घर से निकाल देने और खाने में जहर देकर मारने की धमकी देकर प्रताड़ित करती है।

इस हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद पति ने एसपी से लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है, वहीं पत्नी ने सभी आरोपों को झूठा बताते हुए पति पर ही उसे बदनाम करने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार बालोद के टिकरापारा वार्ड नंबर-04 के अब्दुल ताहिर ने पत्नी के खिलाफ एसपी से शिकायत की है, उसने अपनी पत्नी पर शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने एसपी को लिखे शिकायत में बताया कि वो बालोद के टिकरापारा वार्ड नंबर 4 का निवासी है। उसकी शादी साल 2006 में मुस्लिम रीति-रिवाज से बागबाहरा में हुई थी। पत्नी प्राथमिक शाला में प्रधान पाठिका है, उनके एक बेटी और एक बेटा है। शादी के लगभग 17 साल तक सब ठीक चल रहा था, लेकिन पिछले 2 साल से मेरे और बच्चों के प्रति पत्नी का व्यवहार बदल गया, जिससे हम सभी परेशान हैं।

बच्चों के साथ गाली-गलौज और मारपीट करती है- अब्दुल ताहिर

पीड़ित पति के अनुसार, उसकी पत्नी आए दिन घर में बच्चों के साथ गाली-गलौज और मारपीट करती थी। क्रूरता की हद पार करते हुए वह बच्चों की आंखों में मिर्च पाउडर डाल देती थी और कपड़े प्रेस करने के दौरान उन्हें गर्म प्रेस से जलाती थी। पत्नी की इन संदिग्ध हरकतों के कारण पति ने जब खुद जांच शुरू की, तो उसे अजरूद्दीन नाम के व्यक्ति के साथ पत्नी के प्रेम संबंधों का पता चला। पति का दावा है कि उसने पत्नी के मोबाइल में कई आपत्तिजनक मैसेज भी देखे हैं और आसपास के लोगों से उसे जानकारी मिली कि वह स्कूल जाने के बहाने अन्य पुरुषों के साथ बाइक पर घूमती है। पीड़ित ने जब इन बातों को लेकर पत्नी को समझाने की कोशिश की, तो उसने सुधार करने के बजाय पति के साथ ही गाली-गलौज और विवाद करना शुरू कर दिया।

- ग्रामीण आजीविका संवर्धन को सुदृढ़ करने के दिए निर्देश
- जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण पर दिया विशेष जोर

एक दिवसीय दौरे पर कोंडागांव पहुंचे राज्यपाल

राज्यपाल ने कोंडागांव में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की ली बैठक

जनधारा समाचार

कोण्डागांव। राज्यपाल रमेन डेका ने मंगलवार को कोंडागांव जिले के जिला कार्यालय सभाकक्ष में जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बैठक में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जल संचयन और एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधरोपण करने और ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने के प्रयासों पर विशेष जोर दिया। साथ ही सभी अधिकारियों को आम नागरिकों के समस्याओं का समाधान मानवीय संवेदना के साथ करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल डेका ने कहा कि माओवाद के खात्मे के बाद अब परिस्थिति बदल गई है। नए परिदृश्य में सभी अधिकारी शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन बेहतर ढंग से करें। उन्होंने जल संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि गांव की जल स्तर के वर्षा से पहले और बाद की स्थिति का आंकलन अवश्य करें। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बनने वाले आवास में रैन हार्वेस्टिंग संरचना को शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने एनसीसी में अधिक से विद्यार्थियों को जोड़ने के लिए प्रेरित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों में अनुशासन और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के लिए बहुत जरूरी है। राज्यपाल ने जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के व्यक्तियों को प्रधानमंत्री जन मन योजना से के माध्यम से शासन की योजनाओं से शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाते हुए उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के कौशल विकास एवं आजीविका संवर्धन पर जोर देते हुए कहा कि स्व सहायता समूह द्वारा बनाए गए उत्पादों के मूल्य संवर्धन हेतु कार्य करें और मार्केटिंग चैन विकसित करें। साथ ही जैविक खेती पर जोर देते हुए इसके उपज की भी मार्केटिंग हेतु सप्लाई चैन तैयार करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने योग को अपने दैनिक जीवन का अनिवार्य अंग बनाने को कहा और विद्यार्थियों को भी इसके लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने बालिकाओं एवं महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य पर जोर देते हुए 08 मई को शिविर आयोजित कर स्वास्थ्य परीक्षण विशेषकर स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने पेंशन प्रकरणों के समय पर निराकरण, नशे के प्रवृत्ति पर रोकथाम के लिए सार्थक पहल करने और टीबी उन्मूलन के लिए सक्रियता के साथ कार्य करने और रेडक्रास की सदस्या बढ़ाने पर जोर दिया।

बैठक में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जिले में योजनाओं के क्रियान्वयन और नवाचार की जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी। इसके अलावा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों द्वारा जल-संवर्धन के प्रयास, पौधारोपण एवं पर्यावरण संवर्धन, जैविक कृषि को प्रोत्साहन, स्वच्छता के साथ जीवन शैली पर विशेष ध्यान, बेहतर स्वास्थ्य हेतु योग व्यायाम के प्रति जागरुकता, टीबी उन्मूलन, बाल लिंगानुपात एवं बालिकाओं की शिक्षा पर ध्यान, बच्चों की शिक्षा विशेषकर श्रमिक एवं अनाथ बच्चों पर ध्यान, पुस्तकालय-वाचनालय की उपलब्धता, स्कूल कॉलेजों में नैतिक एवं सामाजिक जागरुकता कार्यक्रम, एनसीसी के प्रति आकर्षण बढ़ाना, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण एवं सम्मान, असहाय-परित्यक्त वृद्धजनों की सहायता, महिलाओं के कौशल विकास एवं स्व-सहायाता समूहों के सशक्तिकरण, नशा मुक्ति एवं सुधारात्मक कार्यक्रम, सहकारिता की भावना का विकास, जनजातीय एवं वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास, ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरुकता एवं पालन, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी गतिविधियाँ, आकांक्षी जिला कार्यक्रम की जानकारी एवं प्रगति की जानकारी दी गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई सहित जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शिक्षा जागरूकता के लिए दिव्यांगों की बाइक रैली काँकेर पहुँची

- जन सहयोग संस्था ने किया स्वागत

काँकेर। शिक्षा के महत्व को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रदेश के दिव्यांगों का एक जत्था बाइक रैली के रूप में रायपुर के घड़ी चौक से बस्तर स्थित दंतेश्वरी मंदिर तक यात्रा पर निकला है। लगभग 616 किलोमीटर की इस यात्रा में 32 दिव्यांग शामिल हैं, जो भीषण गर्मी के बीच सफर कर रहे हैं।

ईगल स्पेशली एबिल्ड राइडर्स संस्था के समन्वयक संदीप कुमार के नेतृत्व में यह रैली संचालित हो रही है। जत्था काँकेर पहुँच चुका है और आधी दूरी पूरी कर चुका है।

काँकेर आगमन पर जन सहयोग संस्था के सदस्यों एवं भूतपूर्व सैनिकों द्वारा रैली का स्वागत किया गया। रात्रि विश्राम के लिए गुजराती सामुदायिक भवन में व्यवस्था की गई, वहीं भोजन की व्यवस्था भी संस्था द्वारा की गई। अगले दिन सुबह रैली को चाय-नाश्ता देकर कृषि विभाग परिसर तक विदा किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के सुरेंद्र मानिकपुरी (इंस्पेक्टर), शिवकुमार बेसरे (प्रधान आरक्षक) और संतोष मरकाम (आरक्षक) ने सहयोग किया। इसके अलावा जन सहयोग संस्था के अध्यक्ष अजय मोटवानी, टी.के. जैन, प्रवीण कुमार गुप्ता, मनोज दुबे और राजेश चौहान सहित अन्य लोगों ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

वन्यजीव तस्करी पर कार्रवाई, 4 आरोपी गिरफ्तार, 7 जीवित कछुए बरामद

काँकेर। सिटी कोतवाली पुलिस ने वन्यजीव तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 7 नग छोटे-बड़े जीवित देशी कछुए बरामद किए गए हैं। सभी के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 50 एवं 51 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 मई 2026 को पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सिविल लाइन क्षेत्र अंतर्गत पण्डरीपानी दूध नदी स्टॉप डैम के पास कुछ लोग सफेद बोरी में प्रतिबंधित कछुए ले जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें पकड़ लिया गया।

तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से 7 जीवित देशी कछुए बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अपराध क्रमांक 151/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में मनबोध राम भेडिया (50 वर्ष), सदीप कुमार गोटा (19 वर्ष), उमेश कुमार गोटा (30 वर्ष) और ऐवन कुमार गोटा शामिल हैं। सभी निवासी पोटगांव थाना कोरर क्षेत्र के हैं। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस टीम में थाना प्रभारी प्रतिक बनसोडे, उप निरीक्षक सुरेंद्र मानिकपुरी, सहायक उप निरीक्षक भुनेश्वरी भगत, प्रधान आरक्षक शिव बेसरे, आरक्षक राकेश बघेल और लक्ष्मण भास्कर शामिल रहे।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन 06 मई से

चारामा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत नगर पंचायत चारामा में जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन 01 मई से 10 जून तक किया जा रहा है।जिसमे नगर पंचायत चारामा मैं 04 चरण मे शिविर लगाया जायेगा. जिसमे 06 मई 2026 बुधवार शीतला मंदिर परिसर वार्ड क्रमांक 1, 2, 3 और 4 मे, 13 मई 2026 बुधवार दुर्गा मंदिर परिसर (वार्ड क्रमांक 6) वार्ड क्रमांक 5, 6, 7 और 8 में, 20 मई 2026 बुधवार सांस्कृतिक भवन (वार्ड क्रमांक 12) वार्ड क्रमांक 9, 10, 11 और 12 मे और

28 मई 2026 गुरुवार संतराम मंच (वार्ड क्रमांक 13) वार्ड क्रमांक 13, 14 और 15 में सुबह 10:30 बजे से शाम 03 :00 बजे तक शिविर का आयोजन होगा। शिविर स्थल पर समाधान पेटी उपलब्ध रहेगी। नागरिक अपना आवेदन लिखकर इसमें डाल सकते हैं। जो व्यक्ति आवेदन लिखने में सक्षम नहीं हैं, उनकी सहायता के लिए शिविर में कर्मचारी तैनात रहेंगे।

यह अभियान पूरे प्रदेश में 1मई से 10 जून तक चलेगा, जिसमें नगर के नगर वासी नगर पंचायत में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं को नगर पंचायत में रखी गई समाधान पेटी में कभी भी डाल सकते हैं। शिविर के सुचारू संचालन के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी और अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। शिविर के अलावा स्वयं नगर पंचायत कार्यालय में रखी समाधान पेटी में भी अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। सभी वार्ड वासियों से अपील है कि वे निर्धारित तिथि और स्थान पर उपस्थित होकर अपनी समस्याओं और शिकायतों का निराकरण कराएं। उक्त जानकारी मुखी नगर पालिका अधिकारी के द्वारा दी गई।

महिला आरक्षण बिल सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

केंद्र सरकार देश की महिलाओं को संवैधानिक अधिकार देने महिला आरक्षण बिल तत्काल लागू करें: सुशील मौर्य

जगदलपुर। सोमवार को बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य जी के निर्देश पर प्रभारी शकील रिजवी की उपस्थिति एवं पूर्व विधायक रेखचंद व नगर निगम नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी सहित ब्लॉक/मंडल/सेक्टर अध्यक्षगणों की अगुवाई में भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण देश व प्रदेश में घरेलू/कमर्शियल गैस सिलेंडर के लगातार बढ़ते दामों की वृद्धि के विरोध में व 543 सीटो पर महिला आरक्षण बिल को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ शहर के कुम्हारपारा चौंक में विरोध प्रदर्शन किया गया।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कहा कि वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटों में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के तहत लगभग 180 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए। लोकसभा एवं विधानसभा की सभी आरक्षित सीटों पर महिलाओं को पूरा प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए।केंद्र सरकार महिला आरक्षण के मुद्दे पर केवल राजनीतिक बयानबाजी कर रही है,केंद्र सरकार महिला आरक्षण बिल को परिसीमन और जनगणना जैसी प्रक्रियाओं से जोड़कर लंबित न रखा जाए, बल्कि इसे तत्काल लागू कर देश की महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार दिया जाए। यदि सरकार वास्तव में महिला सशक्तिकरण के प्रति गंभीर है, तो उसे इस बिल को शीघ्र लागू कर महिलाओं को राजनीति में बराबरी का अवसर देना चाहिए। केंद्र सरकार जनगणना या परिसीमन जैसे बहाने बनाकर इसे टालने के बजाय अगले चुनाव से पहले ही महिला आरक्षण लागू करे।

श्री मौर्य ने आगे कहा बेरोजगारी,बढ़ती कीमतें और किसानों की समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं। पेट्रोल-डीजल सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं पहले से मंहगी है और रसोई गैस व कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों वृद्धि कर जनता की जेब काट रही है सरकार बड़े-बड़े दावे कर रही है। मध्यम वर्ग,किसान,मजदूर और छोटे व्यापारी सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। वहीं आम नागरिक बड़ती महंगाई की मार झेलने को मजबूर हैं। सरकार जनता को राहत देने में पूरी तरह विफल रही है। मोदी सरकार ने आज कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में एक मुश्त 993 की अभूतपूर्व बढ़ोतरी कर दी है, जबकि गरीब, प्रवासी मजदूरों और छोटे परिवारों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 5 किलो सिलेंडर के दाम भी 261 बढ़ा दिए गए हैं।बीते पांच माह में कमर्शियल सिलेंडर के दामों में कुल 1510 की वृद्धि हो चुकी है इस नई बढ़ोतरी से मंदी की मार झेल रहे उद्योगों और रोजगार संकट से जूझ रहे मजदूरों पर और गहरा संकट मंडराएगा।इस सरकार को जनता से कोई सरोकार नहीं है गरीब एवं निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए गैस सिलेंडर भरवाना दिन-प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। सिर्फऔर सिर्फपूंजिपतियों को लाभ पहुंचाने वाली भाजपा सरकार जनता की समस्याओं को हमेशा नजरअंदाज कर केवल अपने मित्रों उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का ही कार्य कर रही है।आम परिवारों का बजट दिनों दिन लगातार बिगड़ता जा रहा है मगर सरकार के कान में जूं तक नहीं रेंग रहा है कांग्रेस पार्टी की स्पष्ट मांग है कि पेट्रोल डीजल व आवश्यक वस्तुओं सहित घरेलू व कमर्शियल गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमतों को नियंत्रण कर आम जनता को महंगाई से राहत देने के लिए ठोस कदम उठया जाएं।अन्यथा कांग्रेस पार्टी और भी उग्र आंदोलन करने हेतु बाध्य होगी।

पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने कहा कि देश प्रदेश में बढ़ती मंहगाई भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों का पुख्ता प्रमाण है।महिला सशक्तिकरण केवल भाषणों से नहीं बल्कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की मजबूत भागीदारी से संभव होगा।कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि पार्टी पहले भी महिला आरक्षण के पक्ष में थी और आज भी पूरी मजबूती के साथ महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों के समर्थन में खड़ी है। कांग्रेस पार्टी नारी शक्ति की भागीदारी के लिए प्रतिबद्ध है।कांग्रेस पार्टी ने पहले भी संसद में इस बिल का समर्थन किया था और आज भी हम इस मांग के साथ मजबूती से खड़े हैं।

राज्यपाल ने टीबी मरीजों को फूड बास्केट वितरित किए, टीबी मुक्त होने मिला प्रमाण पत्र

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने मंगलवार को जिला कार्यालय कोंडागांव में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 5 मरीजों को फूड बास्केट वितरित किए। इस दौरान ग्राम पंचायत चिखलपुट्टी, किवईबालेंगा और मालाकोट को टीबी मुक्त घोषित किए जाने पर संबंधित ग्राम सरपंचों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, रेडक्रॉस सोसायटी के 4 नये सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र तथा राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत 5 लोगों को चश्मे भी वितरित किए गए। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, सीएमएचओ डॉ. आर. के. चतुर्वेदी सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

'सही दवा-शुद्ध आहार' अभियान: भोपालपटनम में ढाबों व दुकानों पर कार्रवाई

बीजापुर। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार 'सही दवा-शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार' थीम पर चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत भोपालपटनम में व्यापक निरीक्षण और कार्रवाई की गई।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन, राजस्व विभाग और नगर पंचायत की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में संचालित ढाबा, होटल, डेलीनीड्स, जूस सेंटर, फल दुकान, मिठाई दुकान और फास्ट फूड सेंटर सहित कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा मानकों में अनियमितता पाए जाने पर सत्यनारायण भोजनालय, मोना ढाबा, श्रीराजन ढाबा और लक्ष्मी फास्ट फूड पर चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही खाद्य कारोबारियों को स्वच्छता बनाए रखने, हाइजीन मेंटेन करने और खाद्य सुरक्षा से जुड़े आवश्यक नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। जिन दुकानदारों के पास खाद्य अनुज्ञप्ति पंजीयन नहीं था। उन्हें शीघ्र लाइसेंस बनवाने के लिए निर्देशित किया गया। अधिकारियों ने सभी व्यापारियों को खाद्य सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी भी दी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को सुरक्षित, शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है।

बस्तर मुन्ने व सुशासन तिहार 06 मई को जिले के विभिन्न ग्रामों में शिविर का आयोजन

कांकेर। राज्य शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने हेतु बस्तर संभाग में संचालित बस्तर मुन्ने तथा नियद नेल्लानार 2.0 और राज्य व्यापी सुशासन तिहार का आयोजिन किया जा रहा है। इसी क्रम में बस्तर मुन्ने एवं सुशासन तिहार के तहत 06 मई को जिले के सभी सातों विकासखण्ड के कुल 99 गांवों में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर

निविदा सूचना

क्रमांक 10/न.पा.नि./जोन-4/लो.क.वि./2026 रायपुर, दिनांक : 04/05/2026

आयुक्त नगर पालिक निगम, रायपुर की ओर से प्रस्तावित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति (प्रथम में अमानती राशि, अन्य कागजात एवं द्वितीय में निविदा प्रपत्र) में सील बंद निविदाएं **स्पीड पोस्ट** से निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

01. आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 19.05.2026 को सायं 5:30 बजे तक
02. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि - 21.05.2026 को सायं 5:30 बजे तक
03. निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 25.05.2026 को सायं 4:00 बजे तक
04. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि - 25.05.2026 को सायं 4:30 बजे से

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	अवधि	निविदा प्रपत्र	एस.ओ.आर./नॉन एस.ओ.आर.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	शा.प्रा.शाला/पू.मा.शा. महाराणा प्रताप में कम्युलिटी शौचालय यूरिनल सहित निर्माण कार्य। (सी.एस.आर.मद)	5.00	5000.00	750.00	''डी'' श्रेणी एवं उससे उपर	3 माह	प्रपत्र ''अ''	छ.ग. पी.डब्ल्यु.डी. भवन/रोड़ एस.ओ. आर. दिनांक 01/01/2015
2	शा.प्रा./पूर्व मा.शा. कटोरा तालाब में कम्युलिटी शौचालय यूरिनल सहित निर्माण कार्य। (सी.एस.आर.मद)	5.00	5000.00	750.00	''डी'' श्रेणी एवं उससे उपर	3 माह	प्रपत्र ''अ''	छ.ग. पी.डब्ल्यु.डी. भवन/रोड़ एस.ओ. आर. दिनांक 01/01/2015
3	ब्राम्हणपारा वार्ड क्र. 43 अंतर्गत तात्यापारा चौक के पास स्थित कंकाली कॉप्लेक्स में पाईप लाईन मरम्मत एवं एस.एस. गेट लगाने जाने का कार्य।	3.72	4000.00	750.00	''डी'' श्रेणी एवं उससे उपर	2 माह	प्रपत्र ''अ''	छ.ग. पी.डब्ल्यु.डी. भवन/रोड़ एस.ओ. आर. दिनांक 01/01/2015
4	ब्राम्हणपारा वार्ड क्र. 43 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर पेंच मरम्मत का कार्य।	1.93	2000.00	300.00	''डी'' श्रेणी एवं उससे उपर	2 माह	प्रपत्र ''अ''	छ.ग. पी.डब्ल्यु.डी. भवन/रोड़ एस.ओ. आर. दिनांक 01/01/2015
5	जोन क्रमांक 04 अंतर्गत सुभाष स्टेडियम में विद्युत संचालन हेतु केबल विस्तार एवं पेनल लगाये जाने का कार्य।	2.73	3000.00	750.00	''डी'' श्रेणी एवं उससे उपर	1 माह	प्रपत्र ''अ''	छ.ग. पी.डब्ल्यु.डी. लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जल एस.ओ.आर. दिनांक 01/06/2020 एवं विद्युत एस.ओ.आर. 2020
6	पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड क्र. 34 अंतर्गत ऑक्सीजोन, इन्द्रावती कालोनी, फॉरेस्ट कालोनी एवं गोपाल प्रोविजन के सामने गली में पाईप लाईन डालने एवं इंटरकनेक्शन का कार्य।	3.66	4000.00	750.00	''डी'' श्रेणी एवं उससे उपर	1 माह	प्रपत्र ''अ''	छ.ग. पी.डब्ल्यु.डी. लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जल एस.ओ.आर. दिनांक 01/06/2020

नोटः- 1.निविदा से संबंधित दस्तावेज/छ.ग. पीडब्ल्युडी का जीवित पंजयन प्रमाण पत्र/जीएसटी पंजीयन प्रमाण पत्र/पेन कार्ड/विगत 03 साल का इनकम टैक्स रिटर्न (नवीन पंजीकृत ठेकेदार/फर्म के लिये यह लागू नही होगा)/विगत 03 माह का जीएसटी रिटर्न /राशि रू. 100/- का शपथ पत्र (निविदा जारी होने के बाद का नोटराईज्ड)/राशि 2.00 लाख से अधिक के कार्यो के लिये कम से कम 15 प्रतिशत तक जीवित बैंक साल्वेंशी स्वीकार किया जावेगा। (राष्ट्रीयकृत बैंक का अमानती राशि (एफ.डी.आर. के रूप में) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा।) (लिफाफा निविदा जारीकर्ता अधिकारी के नाम से पोस्ट किया जावे) निर्धारित अवधि में यदि किसी दिन अवकाश होता है, तो उल्लेखित कार्यवाही अगले कार्य दिवस पर सम्पन्न की जावेगी।

2. निविदा से संबंधित नियम एवं अन्य शर्तें जोन क्रमांक 04 कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में देखी जा सकती है।

3. उक्त निविदा नगर निगम के वेबसाईट nagar nigam raipur.nic.in में देखी जा सकती है।

4. निविदा अंतर्गत (3rd Party Inspection) की राशि का भुगतान ठेकेदार द्वारा किया जायेगा जो कि कुल स्वीकृत राशि के 0.60 प्रतिशत एवं जीएसटी अतिरिक्त होगा।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक - 4
नगर पालिक निगम, रायपुर

एएम/एनएस इंडिया बदली रही दंतेवाड़ा की तस्वीर

- बाल ज्योति निः शुल्क नेत्र जांच शिविर,
- राष्ट्रीय संगोष्ठी और ग्रामीण खेलों को आधुनिक सुविधाएं- समग्र विकास की नई मिसाल बने एएम/एनएस इंडिया

शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और खेल में बड़ा बदलाव

किरंदुल/बचेली/दंतेवाड़ा। आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) किरंदुल ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए एक साथ कई बड़े कदम उठाए हैं जिसके सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर नजर आने लगे हैं। कंपनी द्वारा संचालित बाल ज्योति निःशुल्क नेत्र जांच शिविर इसी दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और मानवीय पहल साबित हुई है जिसके तहत बीते दिनों शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय गीदम में एक विशेष वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी सुश्री भवानी और शिक्षा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में क्षेत्र के 12 अलग-अलग स्कूलों से चिन्हित किए गए कुल 133 दृष्टि दोष से प्रभावित बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाले चश्मे प्रदान किए गए। इन चश्मों को संबंधित स्कूलों के शिक्षकों को हैंडओवर किया गया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आर्थिक तंगी या जानकारी के अभाव में किसी भी बच्चे की शिक्षा में उसकी कमजोर दृष्टि कभी बाधा न बने और वे स्पष्ट विजन के साथ अपनी सुनहरी भविष्य की राह चुन सकें।

शिक्षा के साथ-साथ बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की दिशा में भी एएम/एनएस इंडिया ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई है। कंपनी के सहयोग से अरविंद कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपरा- गुरुकुल से ग्लोबल तक विषय पर एक उच्च स्तरीय दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस संगोष्ठी ने देशभर के शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को एक साझा मंच प्रदान किया जिसमें लगभग 160 विद्वानों ने हाइब्रिड माध्यम यानी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से जुड़कर प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति की वैश्विक प्रासंगिकता पर गहन मंथन किया। इस आयोजन के समापन समारोह में कंपनी के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया और भारतीय ज्ञान के अंतरराष्ट्रीय प्रसार में अपना समर्थन व्यक्त किया जिससे स्थानीय शैक्षणिक माहौल को एक नई वैश्विक दृष्टि प्राप्त हुई है।

इसी क्रम में ग्रामीण अंचल की खेल प्रतिभाओं को आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने की अपनी मुहिम को आगे बढ़ाते हुए एएम/एनएस इंडिया ने चोलनार ग्राम पंचायत में दो दिवसीय भव्य कबड्डी टूर्नामेंट का शानदार आगाज किया। इस आयोजन का उद्घाटन राघवुलु (महाप्रबंधक बीपी एंड एसपी) द्वारा जिला एवं जनपद पंचायत सदस्यों सरपंच कुआकोंडा सरपंच संघ के अध्यक्ष और बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों के बीच किया गया। इस आयोजन की सबसे खास बात यह रही कि उद्घाटन मैच चोलनार की ए और बी टीम के बीच उसी प्रो-कबड्डी मैट पर खेला गया जिसे कंपनी ने पिछले माह ही स्थानीय युवाओं के अनुरोध पर उपलब्ध कराया था। अत्याधुनिक मैट पर खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसी क्रम में हिरोली ग्राम पंचायत में आयोजित भव्य टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में भी एएम/एनएस इंडिया ने अपना सक्रिय समर्थन और सहयोग सुनिश्चित किया जिसमें क्षेत्र की कुल 32 टीमों ने अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला हिरोली और बचेली की टीमों के बीच खेला गया जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए बचेली की टीम ने ट्रॉफी पर कब्जा जमाया और विजेता टीम को दिया जाने वाला प्रथम पुरस्कार एएम/एनएस इंडिया किरंदुल की ओर से प्रदान किया गया जो युवाओं को खेलों से जुड़ने के लिए एक बड़ी प्रेरणा साबित हो रहा है, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि यदि ग्रामीण युवाओं को सही संसाधन मिलें तो वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। एएम/एनएस इंडिया द्वारा शिक्षा में स्वास्थ्य के समावेश ज्ञान के प्रसार और खेलों के आधुनिकीकरण के लिए किए जा रहे ये एकीकृत प्रयास स्थानीय समुदाय के जीवन स्तर में व्यापक सुधार लाने और युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

सुशासन तिहार- 2026 दिव्यांग बच्चों को मिली निःशुल्क सहायक उपकरण

कांकेर। चारामा विकासखंड के ग्राम चारभाटा निवासी श्रीमती प्रमिता कश्यप के दिव्यांग बच्चों 03 वर्षीय कु. घयान कश्यप और 07 वर्षीय कु. टिना कश्यप को सीपी चेयर एवं व्हील चेयर प्रदाय की गई। 80 प्रतिशत दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण मिलने से अब उन्हें बाहर लाने ले-जाने में आसानी होगी। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की संवेदनशील पहल दिव्यांगजनों के लिये नई उम्मीद जगा रही है। चारभाटा निवासी श्रीमती प्रमिता ने बताया कि सहायक उपकरण पाने के लिए मेडिकल प्रमाण पत्र तथा आवश्यक दस्तावेज के संबंध में उन्हें जानकारी नहीं थी। सुशासन तिहार के पहले दिन वह शिविर में जानकारी लेने पहुंची। समाज कल्याण की जनकल्याणकारी योजना में उन्हें शिविर में अवगत कराया और बताया गया कि सोमवार और शुक्रवार को आधार कार्ड, बच्चे की पासपोर्ट फोटो के साथ जिला मेडिकल प्रमाण पत्र बनेगा। सहायक उपकरण पाकर दिव्यांग बच्चे और उनकी अभिभावक ने शासन को धन्यवाद दिया। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक ने बताया कि दिव्यांगजन हेतु शासकीय योजनाओं के लाभ के लिए पहले दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाकर यूडीआईडी कार्ड हेतु पंजीयन करा सकते हैं। दिव्यांगजन प्रमाण पत्र में दर्शित दिव्यांगता के आधार पर व्हील चेयर, ट्राई साइकिल, छड़ी, कान की मशीन आदि प्राप्त होता है।

'डिजिटल लेबर चौक ई-श्रम साथी' मोबाईल एप्लीकेशन में ठेकेदारों को पंजीयन कराने की अपील

कांकेर। श्रमपदाधिकारी कांकेर द्वारा जिले के समस्त नियोक्ता, ठेकेदारों को 'डिजिटल लेबर चौक ई-श्रम साथी' मोबाइल एप्लीकेशन को डाउनलोड कर पंजीयन कराना सुनिश्चित करने की अपील की गई है ताकि नियोक्ता को सरलता से श्रमिक एवं श्रमिकों को रोजगार प्राप्त हो सके। गौरतलब है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा 28 अप्रैल को 'डिजिटल लेबर चौक ई-श्रम साथी' मोबाइल एप्लीकेशन का शुभारंभ किया गया। यह एप्लीकेशन छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल रायपुर द्वारा विकसित एक आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसका उद्देश्य पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और नियोक्ताओं, ठेकेदारों को डिजिटल माध्यम से जोड़ते हुए रोजगार उपलब्धता की प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाना है।

खनिज विभाग द्वारा खनन क्षेत्रों में दी जा रही है औचक दबिश

दंतेवाड़ा। कलेक्टर के निर्देशानुसार खनिज जांच दल द्वारा दंतेवाड़ा जिले के भैरमबंद, मांझीपदर, बालूद. बालपेट, गीदम, भांसी एवं दंतेवाड़ा क्षेत्र में औचक निरीक्षण के दौरान गौण खनिज साधारण पत्थर, रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाये गये वाहन चालकों, मालिकों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है। इसके साथ ही मौके पर पंचनामा तैयार कर संबंधित वाहनों को जप्त किया गया एवं कार्यालय कलेक्टर परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है। इस दौरान उपरोक्तानुसार अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते हुए कुल 12 वाहन, मशीन मालिकों के विरुद्ध खान एवं खनिज विकास तथा विनियमन अधिनियम 1957 की धारा 21(4) में जप्त कर 21(5) के तहत् आगे की वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। पूर्व में भी माध्यम से जिले के खनिज ठेकेदारों, खनिज परिवहनकर्ताओं को निर्देशित किया गया है कि बिना वैध अभिवहन पास के खनिजों का परिवहन करना दण्डनीय अपराध है। अतः अवैध उत्खनन य परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध पुनः इसी प्रकार कृत्य करने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु खनिज अमलों द्वारा निरन्तर जांच किया जा रहा है।

कुदरत का कहर: तेज आंधी और ओलावृष्टि से चारामा में जनजीवन अस्त-व्यस्त

नेशनल हाईवे पर लगा घंटों लंबा जाम

चारामा। नगर और आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार की शाम मौसम ने अचानक करवट ली। चिलचिलाती धूप और उमस के बीच शाम 4:00 बजे के बाद आसमान में काली घटाएं छा गईं और देखते ही देखते तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि शुरू हो गई। लगभग आधे घंटे से अधिक समय तक प्रकृति का रौद्र रूप देखने को मिला, जिससे जहां एक ओर गर्मी से राहत मिली, वहीं दूसरी ओर भारी नुकसान भी हुआ है।

आंधी की रफ्तार ने मचाई तबाही

मंगलवार शाम आई आंधी इतनी शक्तिशाली थी कि नगर के कई हिस्सों में बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़कर धराशायी हो गए। हवा की गति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि घरों की छतों पर रखे भारी गमले और अन्य सामान उड़कर दूर जा गिरे। कई स्थानों पर खड़े वाहन भी हवा के झोंकों से प्रभावित हुए।

नेशनल हाईवे 30 पर लगा जाम

तेज तूफान के कारण नेशनल हाईवे के किनारे स्थित विशालकाय पेड़ सड़क के बीचों-बीच गिर गए। नेशनल हाईवे होने के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और घंटों जाम की स्थिति बनी रही। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों ने तत्परता दिखाई। कड़ी मशक्कत के बाद कुल्हाड़ी और क्रेन की मदद से पेड़ों को हटाकर रास्ता साफ किया गया, तब जाकर यातायात बहाल हो सका।

किसानों और बागवानों को दोहरा नुकसान

इस बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने फलों के राजा आम की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। पेड़ों पर लदे पके हुए आम तेज हवा के कारण जमीन पर गिर गए, जिससे बागवानों की मेहनत पर पानी फिर गया। सड़कों के किनारे कीचड़ और मलबे का ढेर लग गया है, जिससे राहगीरों को चलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

गर्मी से राहत, पर नुकसान का गम

हालांकि, इस बारिश ने तपती धरती की प्यास बुझाई और लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत दी है, लेकिन आंधी और ओलों से हुए नुकसान ने लोगों को चिंता में डाल दिया है। बिजली के तार टूटने से नगर के कई हिस्सों में घंटों तक अंधेरा छाया रहा।

पत्नी के इलाज कराने आए व्यक्ति ने की तीसरी मंजिल से लगाई छलांग

- हुआ बुरी तरह घायल

जगदलपुर। मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में मंगलवार सुबह एक मरीज के पति ने अस्पताल के बाथरूम की खिड़की से 3 मंजिल नीचे छलांग लगा दी। घटना फीमेल मेडिसिन वार्ड-1 की है, जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन तत्काल सक्रिय हो गया। घायल युवक को तुरंत आपातकाल में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया, जहां फिलहाल उसकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

जानकारी के अनुसार, मारडूम निवासी पायके माड़वी पीलिया के इलाज के लिए फीमेल मेडिसिन वार्ड-1 के बिस्तर क्रमांक 18 पर भर्ती हैं। मंगलवार उनके पति लक्ष्मण बाथरूम गए, जहां उन्होंने खिड़की में लगे लोहे के रॉड को मोड़ दिया और उसी के सहारे ऊपर चढ़कर छलांग लगा दी।

नीचे काम कर रहे सफाई कर्मचारियों ने घटना देखी तो वे घबरा गए और तुरंत सुरक्षाकर्मियों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे सुरक्षाकर्मियों ने बिना देर किए घायल लक्ष्मण को उठाकर आपातकाल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे वार्ड में भर्ती किया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल अधीक्षक अनुरूप साहू मौके पर पहुंचे और घायल का हाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों को बेहतर उपचार के निर्देश दिए और सर्जरी विभाग के एचओडी को भी मामले से अवगत कराया।

मरीज के परिजनों के अनुसार, लक्ष्मण की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया। फिलहाल, उसका इलाज जारी है ।

परेकोडो में वृक्ष गणना पर उठा विवाद; प्रशासन पर पेड़ों की संख्या छुपाने का आरोप

भानुप्रतापपुर। जिले के ग्राम पंचायत परेकोडो में गोदावरी माइंस के प्रस्तावित वेस्ट डंपिंग यार्ड को लेकर बवाल शुरू हो गया है। डंपिंग यार्ड के लिए प्रस्तावित 60.84 हेक्टेयर भूमि पर की गई वृक्ष गणना को लेकर ग्रामीणों और स्थानीय जानकारों ने राजस्व व वन विभाग की संयुक्त टीम पर गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि प्रशासन ने माइनिंग कंपनी को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से पेड़ों की वास्तविक संख्या को छुपाया है।

मौके पर पहुंचे रेंजर, पत्रकारों ने पकड़ी गड़बड़ी : मंगलवार को वन विभाग के दुर्गुकोंदल रेंजर सतीश मिश्रा, डिप्टी रेंजर श्रीकांत यदु और फॉरेस्ट गार्ड रोहित नाग की मौजूदगी में स्थानीय पत्रकारों ने मौके का मुआयना किया। जांच के दौरान पाया गया कि 23 से 30 सेंटीमीटर गोलाई वाले दर्जनों पेड़ों पर नंबरिंग ही नहीं की गई है। साथ ही सेफ्टी जोन के पीछे की तरफ के पेड़ों को गणना से पूरी तरह बाहर रखा गया है। जानकारों का दावा है कि यदि निष्पक्ष रूप से दोबारा गणना की जाए, तो वृक्षों की संख्या में 1500 से 2000 तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

खसरा नंबरों के घालमेल से वन घनत्व छुपाने की कोशिश?: विवाद का एक मुख्य केंद्र खसरा क्रमांक 188/1, 247/1 एवं 100 हैं। राजस्व रिकॉर्ड में ये तीनों अलग-अलग इकाइयां हैं, लेकिन संयुक्त टीम ने इनकी गणना एक साथ कर रिपोर्ट तैयार कर दी है। पृथक विवरण न देकर प्रशासन ने वास्तविक वन घनत्व को कम दिखाने का प्रयास किया है।। यदि प्रति खसरा पेड़ों की सघनता दिखाई जाती, तो नियमानुसार इसे वन घोषित करना पड़ता, जिससे डंपिंग की अनुमति मिलना मुश्किल हो जाता।

सुप्रीम कोर्ट के गोदावरमन फैसले का उल्लंघन : क्षेत्र में 11,984 वृक्षों की मौजूदगी खुद चीख-चीख कर कह रही है कि यह क्षेत्र पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने टी.एन. गोदावरमन बनाम भारत संघ मामले में स्पष्ट किया है कि किसी भूमि को केवल राजस्व रिकॉर्ड के आधार पर नहीं, बल्कि उसके भौतिक स्वरूप और वृक्षावरण के आधार पर वन माना जाना चाहिए। प्रशासनिक रिपोर्ट में इस वैज्ञानिक और कानूनी दृष्टिकोण का अभाव स्पष्ट नजर आ रहा है।

पर्यावरण और आजीविका पर मंडराता खतरा : भले ही यह भूमि राजस्व रिकॉर्ड में पहाड़ चट्टान मद में दर्ज हो, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई और वेस्ट डंपिंग से क्षेत्र में विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। डंपिंग से निचले क्षेत्रों की कृषि भूमि और जल स्रोत जहरीले हो जाएंगे। पेड़ों के कटने से मृदा अपरदन बढ़ेगा, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में भू-स्खलन का खतरा पैदा होगा। स्थानीय ग्रामीणों की आजीविका सीधे तौर पर इन वनों से जुड़ी है ।

जर्जर सड़क से परेशान दंतेवाड़ा, एक साल बाद भी अधूरा वादा

- हर दिन जोखिम में सफर, अस्पताल मार्ग पर सबसे ज्यादा परेशानी
- एक साल बाद भी नहीं पूरा हुआ सड़क और बायपास पुल का काम

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा शहर से गायत्री मंदिर तक जाने वाली मुख्य सड़क की स्थिति ऐसी हो चुकी है कि यहां से गुजरना लोगों के लिए परेशानी और खतरे दोनों का कारण बन गया है।सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। जगह-जगह बड़े गड्ढे बन गए हैं और डामर उखड़कर बाहर आ गया है। राहगीरों और वाहन चालकों को हर दिन जोखिम उठाकर इस मार्ग से गुजरना पड़ता है। बारिश के समय गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और गंभीर हो जाती है, जबकि गर्मी के दिनों में उड़ती धूल लोगों के लिए नई मुसीबत खड़ी कर देती है। धूल के कारण आसपास के दुकानदारों, मरीजों और राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिला अस्पताल के पास की स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां मरीजों को खराब सड़क और धूल के बीच आवाजाही करनी पड़ती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस सड़क की मरम्मत लंबे समय से लंबित है। कई बार शिकायतें करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। पिछले साल मुख्यमंत्री के दंतेवाड़ा दौरे के दौरान इस सड़क की मरम्मत और बायपास पुल निर्माण का आश्वासन दिया गया था। उस समय यह कहा गया था कि टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही काम शुरू होगा, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी न तो सड़क सुधरी और न ही पुल निर्माण आगे बढ़ पाया। बायपास पुल का निर्माण अधूरा रहने के कारण भारी वाहन शहर के भीतर से गुजरने लगे हैं, जिससे सड़क पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है और उसकी स्थिति और बिगड़ गई है। स्टेट बैंक चौक से लेकर जिला अस्पताल और गायत्री मंदिर तक का मार्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। पुल टूटने के बाद भी कोई ठोस वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, जिससे लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा एवं एनडीए की ऐतिहासिक जीत

'नए भारत' के संकल्प की विजय : किरण देव

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव परिणामों में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मिली प्रचंड जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और विकासवाद की जीत बताया है। देव ने पश्चिम बंगाल के नतीजों को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार का गठन राज्य के इतिहास में एक नया अध्याय है। यह जीत भारतीय जनसंघ (अब भाजपा) के संस्थापक और बंगाल के महान सपूत अमर बलिदानी डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी को बंगाल की जनता की ओर से दी गई सबसे सच्ची और भावपूर्ण श्रद्धांजलि है। जिस 'एक विधान, एक निशान और एक प्रधान' का सपना उन्होंने देखा था, बंगाल की जनता ने उस पर अपनी मुहर लगा दी है। श्री देव ने कहा कि असम की जनता ने लगातार तीसरी बार भाजपा पर भरोसा जताकर यह साबित कर दिया है कि उत्तर-पूर्व अब अलगाववाद नहीं, बल्कि विकास की मुख्यधारा के साथ मजबूती से खड़ा है। पुडुचेरी में भाजपा और गठबंधन के शानदार प्रदर्शन को उन्होंने सेवा और समर्पण की जीत बताया।

शिविरों के रिकॉर्ड संधारण और मॉनिटरिंग पर कलेक्टर का विशेष जोर

- सुशासन तिहार में आवेदनों के त्वरित निराकरण और सेचुरेशन पर जोर
- बस्तर मुन्ने कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा, फील्ड स्तर पर मॉनिटरिंग के निर्देश

दंतेवाड़ा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के डंकनी सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में जिले के विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने विशेष रूप से सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों, उनकी निराकरण स्थिति तथा लंबित प्रकरणों पर गंभीरता से चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन से जुड़े सभी आवेदनों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करते हुए योजनाओं का सेचुरेशन किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके।

कलेक्टर ने विभागवार लंबित मांगों एवं समस्याओं की समीक्षा करते हुए समयबद्ध कार्यवाही एवं योजनाओं के शत-प्रतिशत सेचुरेशन पर जोर दिया। साथ ही बस्तर मुन्ने (अग्रणी बस्तर) कार्यक्रम की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें पात्र हितग्राहियों की पहचान, लंबित प्रकरणों के निराकरण एवं योजनाओं के पूर्ण सेचुरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

रिकॉर्ड संधारण और पोर्टल एंट्री अनिवार्य

बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सुशासन तिहार एवं बस्तर मुन्ने से संबंधित समस्त गतिविधियों का व्यवस्थित संधारण किया जाए। इसके लिए सभी जनपद सीईओ अपने-अपने जनपद स्तर पर शिविरों से संबंधित एक पृथक फोल्डर तैयार कर उसकी एक प्रति सुरक्षित रखेंगे। साथ ही शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा दी जा रही जानकारी एवं प्रगति से संबंधित अभिलेखों की प्रति संबंधित विभाग प्रमुख भी संधारित करेंगे। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि शिविरों में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों की अनिवार्य रूप से पोर्टल पर समयबद्ध एंट्री की जाए, ताकि उनकी प्रभावी मॉनिटरिंग एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

फील्ड मॉनिटरिंग और समन्वय पर बल

इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने बस्तर मुन्ने कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सेचुरेशन हेतु तहसीलदारों को भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने तथा फील्ड स्तर पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए, जिससे योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके और जिले में विकास कार्यों को गति मिल सके।

GST रजिस्ट्रेशन नम्बर बनवाएं मात्र 3 दिन में
5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं
मात्र 5000/- में
(व्हाट्सएप पर बनवाएं)
www.onlytds.com
GST-Return
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
TDS रिफंड
CMA DATA
MSME रजिस्ट्रेशन
Food लाइसेंस
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

'किताबों का खेल और खामोश व्यवस्था: छत्तीसगढ़ की शिक्षा में छिपा सच'

■ संपादकीय

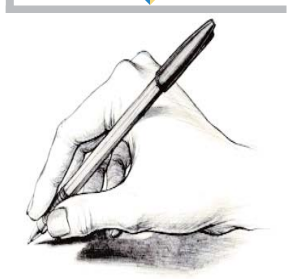

छत्तीसगढ़ के शिक्षा जगत में आज एक गंभीर और चिंताजनक प्रवृत्ति तेजी से उभर रही है शब्दों और ज्ञान से ज्यादा अब 'कोर्स से बाहर की किताबों' का खेल हावी होता जा रहा है। सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि एनसीईआरटी की किताबों के अलावा किसी भी अतिरिक्त पुस्तक को शासकीय या निजी स्कूलों में प्राचार्य अपनी मर्जी से लागू नहीं करेंगे। लेकिन यह निर्देश अब महज कागजों तक सीमित रह गए हैं। जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग और कहीं अधिक जटिल है।

हर साल एक तय पैटर्न पर यह पूरा तंत्र काम करता है। पहले स्कूलों में एडमिशन की प्रक्रिया पूरी होती है, उसके बाद बच्चों और अभिभावकों को एक तय दुकान या स्वयं स्कूल के माध्यम से किताबें खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है। इन किताबों में बड़ी संख्या ऐसी पुस्तकों की होती है, जो पाठ्यक्रम से बाहर की होती हैं और यही इस पूरे खेल का केंद्र है। 60-70 पन्नों की किताबें 300-400 रुपये में बेची जाती हैं, जिनकी वास्तविक लागत मुश्किल से 60-70 रुपये होती है। सवाल यह नहीं है कि किताबें महंगी क्यों हैं, बल्कि यह है कि इस महंगाई के पीछे कौन-सा गठजोड़ काम कर रहा है।

यह एक खुला रहस्य है कि प्रकाशक स्कूलों को भारी कमीशन देते हैं। यही वजह है कि स्कूल इन किताबों को अनिवार्य बनाते हैं। शिक्षा विभाग तक इस तरह की शिकायतें नियमित रूप से पहुंचती हैं, और विभाग को इस पूरे खेल की जानकारी भी होती है। फिर भी कार्रवाई का अभाव यह संकेत देता है कि समस्या सिर्फ स्कूल और प्रकाशकों तक सीमित नहीं है। धीरे-धीरे यह संदेह गहराता जा रहा है कि इस 'कमीशन चक्र' में शिक्षा विभाग के कर्मचारी, अधिकारी और संभवतः उच्च स्तर तक के लोग भी शामिल हो सकते हैं।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जो आदेश स्कूलों को एडमिशन से पहले भेजे जाने चाहिए, वे अक्सर 2-3 महीने बाद जारी होते हैं—जब तक सारी खरीद-फरोख्त और 'बंदरबांट' पूरी हो चुकी होती है। यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि एक सुनियोजित मौन स्वीकृति जैसा प्रतीत होता है।

अभिभावकों में इस मुद्दे को लेकर गहरा आक्रोश है, लेकिन वे मजबूर हैं। उनका कहना है कि यदि वे स्कूल की शर्तों का विरोध करते हैं, तो बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ की अप्रत्यक्ष धमकी दी जाती है। शिक्षा, जो अधिकार होनी चाहिए, वह अब एक 'प्रेशर सिस्टम' में बदलती जा रही है।

दूसरी ओर, प्राइवेट स्कूलों में फीस नियंत्रण का मुद्दा भी उतना ही जटिल है। किताबों और ड्रेस की अनिवार्य खरीद के जरिए स्कूल अप्रत्यक्ष रूप से अतिरिक्त आर्थिक दबाव बनाते हैं। स्कूल संचालकों का तर्क है कि यह 'व्यवस्था' का हिस्सा है। जहां तक 10वीं तक की बात है, राज्य सरकार छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम के माध्यम से किताबें उपलब्ध कराती है, लेकिन 11वीं और 12वीं में निजी प्रकाशकों की भूमिका बढ़ जाती है और यहीं से अनियमितताओं की गुंजाइश भी। हाल के वर्षों में न्यायालयों ने भी इस मुद्दे पर टिप्पणी की है। यहां तक कहा गया कि जैसे होटल या अस्पताल में सेवाओं के अनुसार विकल्प होते हैं, वैसे ही शिक्षा में भी विकल्प उपलब्ध हैं, आप जिस स्तर की सुविधा चाहते हैं, उसके अनुसार भुगतान करें। लेकिन यह तर्क एक बुनियादी सवाल को अनदेखा करता है—क्या शिक्षा भी अब पूरी तरह 'बाजार' के हवाले कर दी गई है? क्या गुणवत्ता शिक्षा अब केवल आर्थिक क्षमता का विषय बनती जा रही है?

मंत्रालय और जिम्मेदार अधिकारी हर बार एक ही जवाब देते हैं 'जानकारी नहीं है', 'जांच करवाएंगे', 'कार्रवाई करेंगे।' यह जवाब वर्षों से दोहराया जा रहा है, लेकिन न जांच होती है, न कार्रवाई। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिस बात को राज्य का बच्चा-बच्चा जानता है, उसे अधिकारी और मंत्री क्यों नहीं जानते?

यह स्थिति केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि नैतिक संकट भी है। शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य बच्चों का भविष्य संवारना है, न कि उसे एक व्यापारिक मॉडल में बदल देना। यदि समय रहते इस पर ठोस और पारदर्शी कार्रवाई नहीं हुई, तो यह 'किताबों का खेल' आने वाली पीढ़ियों के विश्वास को भी खोखला कर देगा।

अब समय आ गया है कि सरकार केवल आदेश जारी करने तक सीमित न रहे, बल्कि उनके पालन की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करे। शिक्षा को बाजार से निकालकर पुनः अधिकार और समान अवसर के दायरे में लाना होगा—वरना यह खामोशी ही सबसे बड़ा अपराध बन जाएगी।

बीजेपी की 'वोट चोरी' के खिलाफ क्यों कोई 'जेपी-अन्ना' सामने नहीं आता

संजय सक्सेना

भारत की पवित्र भूमि सदैव संतों, साधुओं और महानायकों की धरोहर रही है। हर कोने में ऐसे पराक्रमी पुरुष और नारियां जन्म लेती रही हैं जिन्होंने देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराया। अंग्रेजी राज के विरुद्ध महात्मा गांधी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों ने प्राणों की बाजी लगा दी। आजादी के बाद भी जब सत्ता के नशे में कोई सरकार तानाशाही का रंग दिखाने लगी, तब लोकनायक जयप्रकाश नारायण 'जेपी' जैसे योद्धाओं ने सत्ता की नींव हिला दी। 1975 में जब इंदिरा गांधी ने न्यायालय के एक निर्णय के विरुद्ध पूरे देश पर आपातकाल थोप दिया, तो जयप्रकाश नारायण ने ऐसा प्रलयंकारी आंदोलन खड़ा किया कि कांग्रेस की सत्ता जड़ से उखड़ गई। इस आंदोलन में कांग्रेस छोड़कर आए विपक्ष के अनेक प्रमुख नेता शामिल हुए। इनमें आचार्य जे.बी. कृपलानी, मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, चरण सिंह, जॉर्ज फर्नांडिस, मधु लिमये, राज नारायण, कर्पूरी ठाकुर, शरद जोशी, दीनदयाल उपाध्याय के अनुयायी और भी कई दिग्गज थे। इन सबने जयप्रकाश के नेतृत्व में एकजुट होकर तानाशाही के विरुद्ध जनसैलाब खड़ा कर दिया। यह घटना भले ही पचास वर्ष पुरानी हो, किंतु इसके समान अनेक आंदोलनों ने देश की राजनीति को नई दिशा दी है। लेकिन सवाल यह है कि आज जब कांग्रेस और विपक्ष के अन्य नेता लगातार भारतीय जनता पार्टी पर वोट चोरी से सत्ता हथियाने का आरोप लगा रहा है, तब बीजेपी विरोधी नेता मीडिया में शोर मचाने की बजाय जनता को संगठित कर आंदोलन क्यों नहीं खड़ा कर रहे हैं? क्या विपक्ष में जयप्रकाश जैसा कोई नायक नहीं है? या फिर भारतीय जनता पार्टी को देष की जनता उसकी विचारधारा के चलते हाथों हाथ ले रही है। इसी का परिणाम है पश्चिम बंगाल में पहली बार बीजेपी की सरकार का आना और असम में बीजेपी का हैट्रिक लगाना। बीजेपी की इस जीत को विपक्ष बीजेपी की वोट चोरी बता रहा है।

जयप्रकाश का ऐतिहासिक विद्रोह: भारत माता की गोद में एक कायस्थ परिवार में जन्मे जयप्रकाश नारायण, जिन्हें सब लोकनायक कहते थे, स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख सिपाही रहे। बिहार भूमि के इस सपूत ने गांधीजी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजी हुकूमत को ललकारा। आजादी मिलने के बाद वे समाजवादी धारा के प्रखर नेता बने। 1971 के चुनावों में कांग्रेस की प्रचंड विजय के बाद भ्रष्टाचार और कुशासन चरम पर पहुंच गया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी के निर्वाचन को अमान्य घोषित कर दिया। इससे घबराई इंदिरा ने 25 जून को पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। प्रेस पर ताले लग गए, विपक्षी नेताओं को जेलों में ठूंस दिया गया। संपूर्ण अधिकार निलंबित हो गए। इसी अंधेरे में जयप्रकाश नारायण ने पटना के गांधी मैदान से विद्रोह का बिगुल फूंक दिया। उनका नारा था, सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। इस आंदोलन ने राष्ट्रीय स्वरूप ग्रहण कर लिया। बिहार से शुरू होकर गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक तक फैल गया। छात्र, किसान, मजदूर, बुद्धिजीवी सब सड़कों पर उतर आए। जयप्रकाश ने सम्पूर्ण क्रांति का मंत्र दिया, जिसमें राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, शैक्षिक सभी क्षेत्रों में परिवर्तन की बात थी। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस आंदोलन से प्रभावित होकर दलबदल लिया। मोरारजी देसाई जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी ने त्यागपत्र दे दिया। आचार्य कृपलानी ने भारतीय लोक दल बनाया। चरण सिंह किसान नेता के रूप में आगे आए। जनसंघ के अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी ने इस आंदोलन में पूरे जोश से भाग लिया। समाजवादी धड़े से जॉर्ज फर्नांडिस, मधु लिमये ने भूमिगत रहकर आंदोलन चलाया। राज नारायण ने इंदिरा को हराकर लोकसभा पहुंचे। इन सबने मिलकर 1977 के चुनावों में कांग्रेस को धूल चटा दी। जनता पार्टी बनी और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री। जयप्रकाश का आंदोलन सिद्ध करता है कि जनशक्ति सत्ता को घुटनों पर ला सकती है।

अन्य ऐतिहासिक आंदोलन: जयप्रकाश का आंदोलन अकेला नहीं था। भारत ने अनेक बार जन आक्रोश देखा है जो सत्ताधारियों को झुकने पर मजबूर कर गया। 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों के विरुद्ध वी.पी. सिंह सरकार के विरुद्ध लालकृष्ण आडवाणी ने रथ यात्रा निकाली। यह राम जन्मभूमि आंदोलन का रूप ले लिया। लाखों कारसेवक अयोध्या पहुंचे। इससे भाजपा मजबूत हुई और सरकार गिरी। 2011 में अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध रामलीला मैदान में अनशन किया। लाखों लोग दिल्ली की सड़कों पर उतरे। संसद में लोकपाल विधेयक पर बहस छिड़ गई। यूपीए सरकार को घुटने टेकने पड़े। अन्ना को जनता का दूसरा जयप्रकाश कहा गया। 1974 के गुजरात नवनिर्माण आंदोलन में छात्रों ने मोरारजी देसाई के नेतृत्व में चिमनभाई पटेल सरकार गिराई। यह जयप्रकाश आंदोलन का पूर्व संकेत था। 1980 के दशक में किसान आंदोलनों ने महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश में सरकारों को हिलाया। शरद जोशी के शेतकारी संगठन ने महाराष्ट्र में खाद्य नीति बदली। 1992 के बाद भी बाबरी विध्वंस के बाद कई राज्य सरकारें बदलीं। 2019-2020 में नागरिकता संशोधन विधेयक के विरुद्ध शाहीन बाग में महिलाओं ने महीनों धरना दिया। इससे भाजपा को कई सीटें गंवानी पड़ीं। 2020-2021 के किसान आंदोलन ने तीन कृषि कानूनों को रद्द करा दिया। राकेश टिकैत जैसे नेता उभरे। दिल्ली की सीमाओं पर लाखों किसान डटे रहे। मोदी सरकार को कानून वापस लेने पड़े। ये उदाहरण सिद्ध करते हैं कि संगठित जनआंदोलन किसी भी सत्ता को डिगमगा सकता है। मीडिया शोर से कुछ नहीं होता, सड़क पर जनता उतरे तो परिवर्तन होता है।

विपक्ष का बीजेपी पर वोट चोरी आरोप

आजादी के 79 वर्ष बाद भी राजनीति में वही पुरानी बीमारियां हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में विपक्ष ने भाजपा पर मतों की चोरी का आरोप लगाया। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर संदेह जताया। कई स्थानों पर मतगणना में विसंगतियां बताईं। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल, द्रमुक जैसे दल सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। किंतु कोर्ट ने याचिकाएं खारिज कर दीं। विपक्ष मीडिया स्टूडियो में चीखता-चिल्लाता रहता है। टेलीविजन बहसों में आरोप लगाता है, किंतु सड़क पर कोई बड़ा आंदोलन नहीं। क्या कारण है? जयप्रकाश जैसा नायक क्यों नहीं उभर रहा? क्या विपक्ष में एकजुटता की कमी है? क्या नेता स्वार्थी हो गए हैं? जयप्रकाश के समय विपक्ष के नेता व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा त्याग कर एकजुट हुए थे। आज प्रत्येक दल अपनी कुर्सी बचाने में लगा है। राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, स्टालिन जैसे नेता अलग-अलग बयानबाजी करते हैं। कोई राष्ट्रीय नेता आगे नहीं आ रहा जो सभी को एक सूत्र में बांधे। वोट चोरी के प्रमाण जुटाने के बजाय सोशल मीडिया पर मीम्स और वीडियो चल रहे हैं। जयप्रकाश ने गांव-गांव जाकर जनता को जगाया था। आज विपक्ष शहरों तक सीमित है। किसान आंदोलन में विपक्ष शामिल नहीं हुआ, नागरिकता विरोध में भी फूट पड़ी। भाजपा मजबूत संगठन के साथ खड़ी है। विपक्ष के पास जनाधार कमजोर पड़ गया है। युवा वर्ग बेरोजगारी से त्रस्त है, किंतु विपक्ष उसे संगठित नहीं कर पा रहा। क्या यह विपक्ष की थोथी चीखें हैं? जयप्रकाश न होने का प्रमाण तो यही है कि आरोप लगाने वाले खुद आंदोलन से डरते हैं।

प्रतीक खरे की कलम से

अधूरी नींद की किस्में

अंदाज - नज़्म

ए अधूरी नींद आओ तुमसे बात करते हैं,
पता भी है तुम्हें कि तुम्हारी कई किस्में होती हैं ,

एक किस्म है,
सपने अधूरे रह जाने के कारण,
कुछ न पाने की कसक के कारण,
ये किस्म बड़ी बेचैन सी होती है,
सोते हुए भी जागती सी होती है,
आंसुओं के साथ आती है,
उदासी के साथ उठाती है,

एक किस्म है,
सपने पूरे करने की चाहत के कारण,
जब कोई कामयाब होना चाहता है ,
तो वो कुछ कर दिखाने को रात रात भर जागता है ,
थोड़ा सा सोता है फिर उठकर मुंह धोता है ,
जब कामयाब हो जाता है तो,
तो तुमको याद कर कर के खो जाता है,
बड़े फख्र से तुम्हें बयान करता है,
तुम्हारे अधूरेपन का पूरा सम्मान करता है ,

एक और किस्म है
जो कामयाबी दर कामयाबी आगे बढ़ती है ,
नए नए सपने चुनकर गढ़ती है ,
लेकिन हर कामयाबी के बाद फिर आ जाता है अगला सपना ,
और नया दौर शुरू कर देती हो तुम अपना ,
फिर वही कामयाबी की दौड़,
मंजिल तक पहुंचने की चाह ,
और एक अधूरी नींद,
कई बार ये भी होता है ,
कि दौड़ने वाला नींद और मंजिल
दोनों को खो देता है ,
इस किस्म की खासियत बताऊं,
जिंदगी की जद्दोजहद को खंगालकर
एक नज़र बीते सालों पर डालकर
कोई समझ नहीं पाया है
इस दौर में क्या खोया
क्या पाया है ?

एक और किस्म है ,
किसी संत और योगी की,
जो खुद को पाने की तलाश में उसे सोने नहीं देती ,
गुफा में आग या दिए की रोशनी मकसद को खोने नहीं देती ,
और वो गहन मौन में डूब जाता है ,
कभी खुदा को तो कभी खुद को छू पाता है,
आखिरकार एक दिन,
ब्रम्ह मुहूर्त में जाग कर,
जगत के सारे प्रपंच को त्याग कर,
अचानक पा लेता है ,
अपने दिव्यत्व को,
जब दो नहीं रह जाते,
ऐसे एकत्व को,
तब नहीं रह जाती है कोई अधूरी नींद
और शेष नहीं बचती है सपने की एक बूंद,
वहां न सपने हैं ना नींद,
ना मैं है, ना तुम,
बेशक,
पूरे सपनों और अधूरी नींद की यही है
सबसे अच्छी किस्म,

कविता संसार

ग़ज़ल

संजय एम तराणेकर

नज़र से नज़र की जो 'मुलाक़ात' हो गई,
खामोश थी वो बस एक ही बात हो गई।
चाय की 'महक' में घुल-सा गया इकरार,
लब कुछ न बोले, मगर शुरुआत हो गई।
जाने उसकी हँसी में जैसे कोई राग छुपा,
दिल की धड़कनों में नई 'सौगात' हो गई।
आँखों ने ही पूछ लीं हर अनकही कहानी,
बिना 'अल्फ़ाज़' के ही सारी बात हो गई।
वो सामने बैठा था, वक्त यूं ठहर सा गया,
लम्हों की यह मुलाक़ात, जज़्बात हो गई।
कहना तो बहुत था, मगर हम कह न सके,
वो चुप्पी ही जैसे दिल की ज़ुबान हो गई।
ये इश्क़ भी बड़ा अजीब है 'संजय', देखो,
एक नज़र में ही पूरी ये कायनात हो गई।

भंडारों में गैस किल्लत ने फीकी की रौनक

अजय कुमार,

लखनऊ एक ऐसा शहर है जो अपनी तहजीब, नवाबी विरासत और धार्मिक सौहार्द के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। यहाँ की गंगा-जमुनी तहजीब में जहाँ ईद की सेवइयाँ गली-मोहल्लों में बँटती हैं, वहीं जेठ के महीने में बड़े मंगल का उत्सव पूरे शहर को एक अलग ही रंग में रंग देता है। जेठ माह के पहले मंगल पर आज भंडारों का नजारा काफी बदला-बदला नजर आया।लखनऊ में बड़ा मंगल केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, यह लखनऊ की सामूहिक आत्मा का उत्सव है, जिसमें जाति, धर्म और वर्ग का कोई भेद नहीं रहता। हर गली, हर चैराहे पर भंडारे लगते हैं और हर आने-जाने वाले को प्रसाद मिलता है। जेठ माह के प्रत्येक मंगलवार को बड़ा मंगल कहा जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार जेठ का महीना भगवान हनुमान को विशेष रूप से प्रिय माना गया है और मंगलवार का दिन तो वैसे भी बजरंगबली का दिन होता है। इसलिए जेठ के मंगलवार को हनुमान जी की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन हनुमान जी की आराधना करने से मनोकामनाएँ शीघ्र पूर्ण होती हैं और भक्तों के संकट दूर होते हैं।

बड़े मंगल की परंपरा की शुरुआत के बारे में लखनऊ में एक बड़ी रोचक ऐतिहासिक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि यह परंपरा नवाबी काल में शुरू हुई। अवध के नवाब नासिर-उद-दीन हैदर के शासनकाल में एक बार लखनऊ में भीषण गर्मी और अकाल जैसे हालात पैदा हो गए थे। उस समय अलीगंज स्थित हनुमान मंदिर के महंत ने भगवान हनुमान से प्रार्थना की और जेठ के मंगलवारों को विशेष भंडारे आयोजित करने का संकल्प लिया। कहते हैं कि नवाब स्वयं इस आयोजन से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने न केवल इसमें सहयोग दिया बल्कि इसे प्रोत्साहित भी किया। तभी से अलीगंज का पुराना हनुमान मंदिर बड़े मंगल का केंद्र बन गया और धीरे-धीरे यह परंपरा पूरे लखनऊ में फैल गई। आज भी अलीगंज मंदिर में बड़े मंगल पर लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं और वहाँ का भंडारा सबसे भव्य माना जाता है। बड़े मंगल की खासियत यह है कि यह केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहता। पूरा शहर इसमें शामिल हो जाता है। व्यापारी, उद्योगपति, राजनेता, समाजसेवी संस्थाएँ और आम नागरिक कृ सभी अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार भंडारे लगाते हैं। गली-गली में पंडाल सजते हैं, भजन-कीर्तन की धुनें वातावरण को भक्तिमय बना देती हैं और पूड़ी-सब्जी, कढ़ी, छोले-चावल, लस्सी, आइसक्रीम जैसे पकवानों की सुगंध हर तरफ फैली रहती है। प्रसाद पाने के लिए किसी की जाति नहीं पूछी जाती, किसी का धर्म नहीं देखा जाता। यह सामूहिकता और समभाव ही बड़े मंगल को लखनऊ का सबसे लोकप्रिय लोकपर्व बनाती है। लेकिन इस बार जेठ के पहले बड़े मंगल पर वह चिर-परिचित रौनक कुछ फीकी नजर आई।

'नीट' के बहाने—भविष्य पर प्रयोग या अवसर की निष्पक्ष कसौटी

आकांक्षा तिवारी 'वर्षा'

देश के लाखों विद्यार्थियों के सपनों का केंद्र—नीट—हर वर्ष एक परीक्षा से कहीं अधिक बनकर सामने आता है। यह केवल एक प्रवेश परीक्षा नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है, जिसमें अवसर, प्रतिस्पर्धा, असमानता और उम्मीद एक साथ मौजूद हैं। इस वर्ष भी परीक्षा समाप्त होते ही वही परिचित बहसें शुरू हो गईं—पेपर कठिन था या आसान, कटऑफ कितना जाएगा, किसे सरकारी सीट मिलेगी। लेकिन इन सतही सवालों के पीछे एक गहरा और असहज प्रश्न लगातार उभर रहा है—क्या नीट वास्तव में निष्पक्ष अवसर देता है, या यह एक ऐसी प्रक्रिया बन चुका है जहाँ हर साल विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रयोग किए जाते हैं?

इस वर्ष के प्रश्नपत्र को देखें तो स्पष्ट है कि परीक्षा अब रटने की परंपरा से आगे बढ़ चुकी है। बायोलॉजी में एनसीईआरटी की सीमाओं के भीतर रहते हुए भी अवधारणात्मक गहराई की मांग बढ़ी है। फिजिक्स ने एक बार फिर छात्रों की गति और धैर्य दोनों की परीक्षा ली—लंबे, गणनात्मक और समय लेने वाले प्रश्नों ने कई अभ्यर्थियों को उलझाया। केमिस्ट्री अपेक्षाकृत संतुलित रही, जिसने कुछ राहत दी। पहली नजर में यह बदलाव सकारात्मक प्रतीत होता है—शिक्षा को समझ-आधारित बनाने की दिशा में एक कदम। लेकिन समस्या यहीं से शुरू होती है।

हर साल बदलता पैटर्न, बदलती कठिनाई, बदलते नियम—यह सब मिलकर परीक्षा को एक स्थिर कसौटी के बजाय एक अनिश्चित प्रयोग में बदल देते हैं।

नीट के आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि उस दबाव की कहानी हैं, जिसमें हर वर्ष लाखों युवा प्रवेश करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में परीक्षार्थियों की संख्या में तेज वृद्धि हुई है, लेकिन सीटों का विस्तार उसी अनुपात में नहीं हो पाया। परिणामस्वरूप, प्रतिस्पर्धा अब केवल कठिन नहीं, बल्कि कई मायनों में असंतुलित हो गई है।

पिछले दो वर्षों के रुझानों को देखें तो यह अस्थिरता और भी स्पष्ट हो जाती है। कभी प्रश्नपत्र अपेक्षाकृत आसान होता है, जिससे कटऑफ असामान्य रूप से ऊंचा चला जाता है। कभी पेपर कठिन हो जाता है, जिससे अच्छे छात्रों के अंक भी सीमित रह जाते हैं। टाई-ब्रेकिंग नियमों में बदलाव, मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर उठते सवाल, और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े विवाद—ये सब मिलकर एक ऐसी स्थिति बनाते हैं, जहाँ छात्र अपनी मेहनत से ज्यादा सिस्टम की अनिश्चितताओं से जूझते नजर आते हैं। नीट की सबसे बड़ी विडंबना 'अंकों का खेल' है। यहाँ एक या दो अंकों का अंतर हजारों रैंक का फासला पैदा कर देता है। 600 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र भी कई बार सरकारी मेडिकल कॉलेज की सीट से वंचित रह जाते हैं। निजी कॉलेजों की फीस अधिकांश परिवारों के लिए पहुंच से बाहर है। ऐसे में यह परीक्षा अवसर की खुली राह नहीं, बल्कि एक संकीर्ण द्वार बन जाती है—जहाँ प्रवेश के लिए केवल योग्यता नहीं, बल्कि परिस्थितियों और भाग्य का साथ भी आवश्यक हो जाता है।

लेकिन इस पूरी व्यवस्था का सबसे कम चर्चा किया गया पहलू है—पीढ़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा। नीट केवल एक वर्ष के छात्रों की परीक्षा नहीं है। इसमें वे छात्र भी शामिल होते हैं, जो एक, दो, तीन या यहां तक कि पांच वर्षों से तैयारी कर रहे हैं। इसका अर्थ यह है कि एक नया छात्र उस प्रतियोगिता में उतरता है, जहाँ उसके सामने ऐसे प्रतियोगी खड़े होते हैं, जिनके पास अनुभव, अभ्यास और परीक्षा रणनीति में कई वर्षों की बढ़त होती है।यह स्थिति प्रतियोगिता को और अधिक जटिल और मानसिक रूप से थकाऊ बना देती है। परीक्षा का संचालन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी -एनटीए द्वारा किया जाता है, जिसका उद्देश्य था—एकरूपता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना। लेकिन हाल के वर्षों में जिस प्रकार से परीक्षा पैटर्न, परिणाम प्रक्रिया और प्रबंधन में बदलाव हुए हैं, उन्होंने विद्यार्थियों के मन में विश्वास की जगह प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं। कई मामलों में छात्रों को न्यायालयों का दरवाजा खटखटाना पड़ा—जो किसी भी परीक्षा प्रणाली के लिए स्वस्थ संकेत नहीं माना जा सकता।

यहाँ प्रश्न यह नहीं है कि सुधार क्यों किए जा रहे हैं। सुधार किसी भी प्रणाली के लिए आवश्यक हैं। लेकिन जब सुधार निरंतर और अस्थिर तरीके से लागू होते हैं, तो वे सुधार नहीं, बल्कि प्रयोग प्रतीत होते हैं। और जब प्रयोग का विषय लाखों विद्यार्थियों का भविष्य हो, तो यह चिंता और भी गंभीर हो जाती है।

आज का युवा केवल परीक्षा नहीं दे रहा, वह इस पूरी प्रक्रिया को समझने और उस पर प्रश्न उठाने की स्थिति में भी है। वह पूछ रहा है—अगर एक परीक्षा ही करियर तय करती है, तो क्या उसमें स्थिरता नहीं होनी चाहिए? क्या परीक्षा प्रणाली इतनी पारदर्शी नहीं हो सकती कि परिणाम पर किसी को संदेह न हो? क्या मानसिक स्वास्थ्य को इस प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा नहीं माना जाना चाहिए? इन सवालों का उत्तर केवल विद्यार्थियों के पास नहीं है। इसकी जिम्मेदारी नीति निर्माताओं, परीक्षा संचालकों और पूरे शिक्षा तंत्र पर समान रूप से आती है। समाधान भी जटिल नहीं हैं, यदि इच्छाशक्ति हो। मेडिकल सीटों की संख्या बढ़ाना, नए कॉलेज खोलना, वैकल्पिक करियर विकल्पों को बढ़ावा देना, परीक्षा पैटर्न में स्थिरता लाना और सबसे महत्वपूर्ण—पारदर्शिता सुनिश्चित करना—ये सभी कदम इस दबाव को कम कर सकते हैं।

फिर भी, इस पूरी तस्वीर का एक सकारात्मक पक्ष भी है। जो छात्र इस कठिन परीक्षा को पार कर लेते हैं, उनके लिए अवसर समाप्त नहीं होते, बल्कि एक नए रूप में शुरू होते हैं। चिकित्सा क्षेत्र में आज भी संभावनाएँ व्यापक हैं—चाहे वह सरकारी सेवा हो, निजी क्षेत्र हो या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर। लेकिन यह भी सच है कि यह यात्रा लंबी और चुनौतीपूर्ण होती है—एमबीबीएस से लेकर पीजी और सुपर स्पेशलिटी तक। इसलिए प्रश्न केवल यह नहीं है कि नीट पास करने के बाद क्या होगा, बल्कि यह भी है कि उस मुकाम तक पहुँचने की प्रक्रिया कितनी न्यायसंगत है। अंततः, नीट को केवल एक परीक्षा के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह उस विश्वास का आधार है, जिस पर लाखों युवा अपना भविष्य निर्मित करते हैं। यदि इस आधार में ही अनिश्चितता और अस्थिरता होगी, तो परिणाम केवल व्यक्तिगत असफलताएँ नहीं, बल्कि सामूहिक निराशा के रूप में सामने आएंगे।

नीट—संख्या बनाम संभावना	परीक्षार्थियों की संख्या (भारत)
2024:	लगभग 24 लाख
2023:	लगभग 20.8 लाख
2022:	लगभग 18.7 लाख

छत्तीसगढ़

2024:	लगभग 45-50 हजार
2023:	लगभग 40 हजार
2022:	लगभग 35 हजार

कुल सीटें (भारत, लगभग)

एमबीबीएस	91,08,000
बीडीएस	927,000
बीएएमएस	952,000
बीएचएमएस	927,000
बीएनवायएस/अन्य	98-10 हजार
कुल सीटें	92.2-2.3 लाख
छत्तीसगढ़ (लगभग)	
एमबीबीएस	91,800-2,000
अन्य (बीडीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस, बीएनवायएस)	92,000+
कुल	94,000-4,500 सीटें

हर 10 में से केवल 1 छात्र को सीट मिलती है,
और सरकारी एमबीबीएस सीट का अनुपात इससे भी कम है।

किसान रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पिथौरा विकासखंड में 12 दिवसीय विकसित कृषि संकल्प अभियान की हुई शुरुआत

जनधारा समाचार

पिथौरा। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को किसान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके साथ ही खरीफ मौसम 2026 से पहले 05 मई से 20 मई तक चलने वाले 12 दिवसीय अभियान की विधिवत शुरुआत हुई। इस अभियान के माध्यम से कृषि विभाग द्वारा गांव-गांव पहुंचकर किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष ऊषा पुरुषोत्तम घृतलहरें, उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल, जनपद सदस्य एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरप्रसाद पटेल, सांसद प्रतिनिधि मनमीत छाबड़ा, भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी, एसडीएम बजरंग वर्मा, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी ब्रजेश तूरकाने, पी प्रसाद राव, भावेश पटेल, कमलेश दिवान, ओमेश नायक सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान किसानों को खरीफ सीजन से पहले जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे वे नई तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। किसान रथ गांव-गांव जाकर किसानों को सीधे मार्गदर्शन देगा, जहां कृषि विभाग के जानकार अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर मौजूद रहकर प्रशिक्षण देंगे और किसानों की समस्याओं का समाधान भी करेंगे।

कृषि विभाग के अनुसार किसान रथ के माध्यम से किसानों को फसल चक्र परिवर्तन, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, उन्नत बीज एवं आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, जल संरक्षण एवं सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के साथ समन्वित कृषि प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

इसके साथ ही पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी फसलों के उत्पादन एवं प्रबंधन के संबंध में भी किसानों को जागरूक किया जाएगा। रथ में ऑडियो-वीडियो माध्यम से सरल भाषा में प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है, जिससे किसान आसानी से नई तकनीकों को समझकर अपने खेतों में लागू कर सकें।

अभियान के दौरान किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी, जिसमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और किसान क्रेडिट कार्ड प्रमुख हैं। अधिकारियों का कहना है कि इन योजनाओं का लाभ लेकर किसान अपनी खेती को अधिक लाभकारी बना सकते हैं और आर्थिक रूप से मजबूत हो सकते हैं।

किसान रथ तय कार्यक्रम के अनुसार 5 मई को पिथौरा विकासखंड के ग्राम घोघरा और धनोरा, 6 मई को सेवैयाकला और लोहराकोट, 7 मई को बल्दीडीह और बड़ेटेमरी, 8 मई को राजपुर और खुर्सीपार, 11 मई को बरेकेल खुर्द और डूमरपाली, 12 मई को कोकोभाठा और भिथिडीह, 13 मई को गोपालपुर और गड़बेड़ा, 14 मई को जंघोरा और नयापारा कला, 15 मई को भुरकोनी और कोल्दा, 18 मई को छोटे लोरम और बगारदरहा, 19 मई को जबलपुर पिरदा तथा 20 मई को पथरला और भास्करापाली में पहुंचेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि किसान रथ के माध्यम से अब किसानों को नई तकनीकों और योजनाओं की जानकारी उनके गांव में ही मिल सकेगी, जिससे उन्हें बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे समय और संसाधनों की बचत होगी तथा खेती को और अधिक लाभकारी बनाया जा सकेगा। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान किसानों को आधुनिक खेती की दिशा में आगे बढ़ाने, उनकी आय में वृद्धि करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही यह पहल क्षेत्र में कृषि विकास को नई गति देने का कार्य करेगी।

स्वास्थ्य सेवाओं का नया सवेरा लाइफ केयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का भव्य शिलान्यास

जनधारा समाचार

सूरजपुर मानपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के मानपुर क्षेत्र में चिकित्सा के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित होने जा रहा है। आधुनिक सुविधाओं से लैस लाइफ केयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का संग-ए-बुनियाद (शिलान्यास) आज 4 मई 2026 को संपन्न हुआ जा रहा है।

सैय्यद अमीनुल कादरी साहब के हाथों होगा हुआ शिलान्यास

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, इस भव्य प्रोजेक्ट का शिलान्यास खतीबे अहले सुन्नत, अलहाज आले रसूल, हज़रत अल्लामा व मौलाना सैय्यद अमीनुल कादरी साहब किबला (मालेगाँव, महाराष्ट्र) के मुबारक हाथों से किया गया। उनकी उपस्थिति को लेकर स्थानीय नागरिकों और समाज में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

एक ही छत के नीचे मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

लाइफ केयर हॉस्पिटल शहरवासियों को बेहतरीन इलाज और

आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने के संकल्प के साथ शुरू किया जा रहा है। अस्पताल में प्रमुख सेवाएं 24 / 7 इमरजेंसी के तौर पर उपलब्ध होंगी। ओपीडी और आईपीडी सेवाएं आधुनिक लैब और फार्मेसी, रेडियोलॉजी और ब्लड बैंक की सुविधा, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम की एक्टिविटी। अस्पताल प्रबंधन ने सभी नगरवासियों से इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने की दिली गुजारिश की थी जिसके तहत शहरवासियों रिश्तेदारों व अस्पताल की टीम इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि हमारा उद्देश्य केवल अस्पताल बनाना नहीं, बल्कि सूरजपुर के हर नागरिक तक बेहतर और किफायती स्वास्थ्य सेवा पहुँचाना है। यह अस्पताल आधुनिक तकनीक और मानवीय संवेदनाओं का संगम होगा। बेहतरीन इलाज, बेहतर सुविधा, आधुनिक तकनीक और मानवीय संवेदनाओं का संगम के लिए सदैव वचनवध अब आपके शहर में।

ऑपरेशन मुस्कान एवं तलाश में 39 गुमशुदा व्यक्तियों की दस्तयाबी, पुलिस की बड़ी सफलता

जनधारा समाचार

कोरिया। जिला कोरिया पुलिस द्वारा गुमशुदा व्यक्तियों की खोज एवं सुरक्षित वापसी हेतु माह अप्रैल 2026 में विशेष अभियान ऑपरेशन मुस्कान एवं तलाश चलाया गया, जिसके अंतर्गत उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। इस अभियान के दौरान वर्ष 2000 से अप्रैल 2026 तक कुल 39 गुमशुदा व्यक्तियों को दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। इनमें 9 नाबालिग बालिकाएं, 10 पुरुष एवं 20 महिलाएं शामिल हैं। इस सफलता से लंबे समय से अपने परिजनों की तलाश कर रहे परिवारों को राहत एवं खुशी मिली है। पुलिस द्वारा संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ प्रत्येक प्रकरण में गंभीरता से कार्यवाही की गई।

अभियान के दौरान जिले की पुलिस टीमों ने अन्य राज्यों में जाकर भी गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश की। थाना बैकुण्ठपुर क्षेत्र के मामलों में एक नाबालिग बालिका एवं एक महिला को मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले से दस्तयाब किया गया। वहीं थाना चरचा क्षेत्र के प्रकरणों में एक बालिका को तमिलनाडु तथा एक युवती को झारखंड से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुरक्षित बरामद किया गया। इसके अतिरिक्त थाना चरचा क्षेत्र के एक अन्य मामले में एक महिला को हरियाणा राज्य से भी दस्तयाब करने में सफलता मिली।

इसी क्रम में थाना सोनहत क्षेत्र के एक प्रकरण में एक महिला को महाराष्ट्र के पुणे जिले से खोजकर वापस लाया गया। इन सभी मामलों में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित करते हुए आधुनिक तकनीकी साधनों एवं सतत प्रयासों के माध्यम से गुमशुदा व्यक्तियों का पता लगाया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा लगातार फील्ड विजिट, संदिग्ध स्थानों की जांच एवं आवश्यक पूछताछ की गई, जिससे सफलता सुनिश्चित हुई।

जिला पुलिस कोरिया द्वारा संचालित यह अभियान न केवल गुमशुदा व्यक्तियों की खोज में प्रभावी सिद्ध हुआ है, बल्कि आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास को भी मजबूत करता है। पुलिस अधीक्षक कोरिया के मार्गदर्शन में समस्त थाना एवं चौकी स्तर पर सक्रियता के साथ कार्य किया गया। जिला पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति के गुम होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाना में सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्यवाही कर गुमशुदा व्यक्तियों को सुरक्षित वापस लाया जा सके।

बस स्टैंड में नवग्रह देव मंदिर प्रतिष्ठा का 3 दिवसीय समारोह का आयोजन आज से

सरायपाली। नगर के बस स्टैंड स्थित मंदिर में नवग्रह देव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का तीन दिवसीय समारोह का आयोजन आज 6 मई से प्रारंभ हो रहा है जो 8 मई तक चलेगा। इस संबंध में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आयोजनकर्ता मां कात्यायनी सेवा समिति के संरक्षक राजेंद्र कुमार दास ने जानकारी देते हुवे बताया कि नगर के बस स्टैंड हनुमान मंदिर परिसर में नवग्रह देव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का 3 दिवसीय धार्मिक आयोजन कल 6 से 8 मई तक आयोजन किया जा रहा है। 6 बुधवार को कलश यात्रा एवं कलश स्थापना किया जायेगा। दिनांक 07.05.2026 गुरुवार को सर्व देव आवाहन एवं अधिवास तथा दिनांक 08.05.2026 शुक्रवार को प्राण प्रतिष्ठा के साथ मूर्ति स्थापना के साथ ही पुर्णाहुति का आयोजन होगा। कार्यक्रम समाप्ति के बाद मंदिर परिसर में ही दोपहर 01 बजे से भंडारा का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति के संरक्षक व अधिवक्ता राजेंद्र कुमार दास ने बताया कि उक्त प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन वैदिक पंडित शिव प्रसाद शुक्ला के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा । समिति ने सभी धर्म प्रेमियों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का अनुरोध किया है ।

बंगाल में राष्ट्रवाद का शंखनाद: विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने दी ऐतिहासिक विजय की बधाई

जनधारा समाचार

बसना। पश्चिम बंगाल और असम के चुनावी महासंग्राम में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक और गगनभेदी विजय पर हर्ष व्यक्त करते हुए बसना के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि दिल गर्व से भर गया हैं। विधायक डॉ. अग्रवाल ने इस गौरवशाली सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अटूट रणनीति और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन को देते हुए उन्हें बधाई दी है। उन्होंने रेखांकित किया कि यह विजय कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है। इस अवसर पर उन्होंने विशेष रूप से पश्चिम बंगाल की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वहां के नागरिकों ने राष्ट्रवाद और विकास की राजनीति को चुनकर एक नया इतिहास रचा है।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने वीर रस से ओत-प्रोत अंदाज़ में बंगाल की जनता और शीर्ष नेतृत्व का अभिनंदन किया है। विधायक डॉ. अग्रवाल ने इस जीत को सत्य की असत्य पर विजय और विकास की विनाश पर जीत करार दिया है। विधायक डॉ. अग्रवाल ने अपने कड़क संदेश में कहा कि बंगाल की वीर भूमि ने अब भय और भ्रष्टाचार की बेड़ियों को काटकर फेंक दिया है। उन्होंने आगे कहा कि यह विजय उस संकल्प की सिद्धि है जो डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देखा था। बंगाल की माँ-माटी-मानुष ने आज राष्ट्रविरोधी ताकतों को सबक सिखाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासवाद पर अटूट विश्वास की मुहर लगाई है। अराजकता का पर्याय बन चुकी शक्तियों को जनता ने अर्श से फर्श पर लाकर पटक दिया है।

असम में भाजपा की प्रचंड हैट्रिक पर विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि पूर्वोत्तर की जनता ने यह साबित कर दिया है कि प्रगति का मार्ग केवल भाजपा के पास है। उन्होंने युवाओं के जोश को सलाम करते हुए कहा कि आज का युवा केवल सुशासन और विश्वसनीयता की राजनीति का सारथी है। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा कि यह जीत करोड़ों कार्यकर्ताओं के दशकों के धैर्य, परिश्रम और लहू-पसीने का प्रतिफल है। अब बंगाल सोनार बांग्ला बनने की राह पर अग्रसर है और वंदे मातरम का यह जयघोष पूरे देश में गूँज रहा है।

तहसील कार्यालय में लगी आग: इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खाक, महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित

सूरजपुर। जिला मुख्यालय के तहसील कार्यालय से आगजनी की घटना सामने आई है। तहसीलदार के कक्ष में लगी इस आग से एक बड़ा हादसा होने से टल गया और राहत की बात यह रही कि किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, आग लगने की घटना तहसीलदार के दफ्तर में हुई। आग कैसे लगी इसका कोई अंदाजा नहीं। इस आगजनी में कार्यालय को काफी नुकसान पहुँचा है। जानकारी के अनुसार दफ्तर में रखे कंप्यूटर, प्रिंटर, एयर कंडीशनर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गए हैं। प्रशासन के लिए सबसे बड़ी राहत की खबर यह है कि कार्यालय के महत्वपूर्ण राजस्व और शासकीय दस्तावेज पूरी तरह सुरक्षित हैं। फिलहाल आग लगने का सटीक कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है पर आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से यह हादसा हुआ होगा। सरकारी कार्यालय में हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और बिजली के पुराने वायरों के रखरखाव पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। जबकि तहसील दफ्तर के लगा कोषालय है।

रिश्तों का कत्ल, कलयुगी दादा ने मासूम पोती की अस्मत से किया खिलवाड़, मानवता शर्मसार

जनधारा समाचार

सूरजपुर/भटगांव। खून के रिश्तों को कलंकित करने वाली एक ऐसी रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने समाज के माथे पर कलंक लगा दिया है। जिले के भटगांव थाना क्षेत्र में एक 9 वर्षीय मासूम बच्ची अपनी ही सुरक्षा के सबसे भरोसेमंद स्तंभ यानी अपने दादा की हवस का शिकार बन गई। जिस रक्षक को पोती का ढाल होना था, वही दरिंदा बन बैठा।

भरोसे का हुआ बेरहमी से कत्ल

जानकारी के मुताबिक, आरोपी रिश्ते में मासूम का सगा दादा लगता है। घर की चारदीवारी के भीतर घटी इस घिनौनी घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर बेटियां अब कहां सुरक्षित हैं। जब बच्ची ने आपबीती सुनाई, तो परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई।

पुलिस की कार्रवाई और आरोपी की तलाश

मामले की गंभीरता को देखते हुए भटगांव पुलिस ने तत्काल हरकत में आते हुए आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पास्को एक्ट जैसी संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना अत्यंत निंदनीय है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। अपराधी को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

फरार आरोपी के लिए बिछाया गया जाल

वारदात को अंजाम देने के बाद से ही आरोपी फरार है। पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है और जल्द से जल्द कड़ी सजा की मांग की जा रही है।

अति जिला एवं सत्र न्यायालय द्वारा राहगीरों को शरबत व पंपलेट का वितरण किया गया

9 मई को लोक अदालत का किया गया प्रचार प्रसार

जनधारा समाचार

सरायपाली। आज नगर के झिलमिला चौक में सरायपाली के अति जिला एवं सत्र न्यायालय द्वारा बेहद व भीषण गर्मी को देखते हुवे राहगीरो को शरबत वितरण किया गया साथ ही न्यायालय भवन में आगामी 9 मई को आयोजित होने वाले लोक अदालत के प्रचार प्रसार हेतु पंपलेट का भी वितरण कर अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की गई।

इस संबंध में अति.जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा तालुका विधिक सेवा समिति सरायपाली की अध्यक्ष श्रीमती वंदना दीपक देवांगन ने जानकारी देते हुवे बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती अनिता डहरिया के मार्गनिर्देशन में पूरे महासमुंद जिले में आगामी 9 मई को आयोजित होने वाले लोक अदालत का लाभ अधिक से अधिक पक्षकारों गण उठा सके इस हेतु विभिन्न स्थानों पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है । इसके साथ ही जिले में पड़ रही भीषण व तेज गर्मी को ध्यान में रखते हुवे शुद्ध व शीतल शरबत वितरण का भी आयोजन किया गया ताकि अधिक से अधिक राहगीरों को ठण्डक पहुँचाई जा सके।

इसी सिलसिले में आज तालुका विधिक सेवा समिति के विधिक कर्मचारी राकेश मिश्रा , राजकुमार व धर्मेंद्र चौधरी द्वारा झिलमिला चौक में शरबत वितरण किया गया साथ ही राहगीरों को पम्पलेट वितरण किया गया । आम जनता व पक्षकारों को लोक अदालत पहुंचकर आपसी समझौतेवल के तहत सुलभ न्याय का लाभ उठाने के लिए प्रेरित भी किया गया ।

भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर बसना मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य आतिशबाजी कर जश्न मनाया गया

जनधारा समाचार

बसना। पश्चिम बंगाल, असम एवं पांडिचेरी जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत से पूरे देश में हर्ष और उत्साह का माहौल व्याप्त है। इसी क्रम में बसना मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा इस ऐतिहासिक विजय पर भव्य आतिशबाजी कर उत्साहपूर्वक जश्न मनाया गया।

इस अवसर पर बसना मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर इस जीत की खुशी साझा की और भारत माता की जय एवं भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला

और सभी ने इस विजय को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व, संगठन की मजबूत रणनीति एवं कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम बताया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता मंडल अध्यक्ष पदाधिकारियों सहित सभी पदाधिकारियों ने कहा कि यह जीत जनता के विश्वास की जीत है और आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी इसी प्रकार जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करेगी। इस विजय उत्सव में मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारी, युवा मोर्चा के सदस्य, महिला मोर्चा की बहनें तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

पद्म पुरस्कार 2027 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

- **15 जुलाई तक जिलों से अनुशंसा भेजना अनिवार्य, गुमनाम नायकों की पहचान पर जोर**

कोरिया। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने पद्म पुरस्कार 2027 के लिए नामांकन प्रक्रिया के पर्यवेक्षण एवं व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर सभी संभागायुक्तों को निर्देश जारी किए हैं। छत्तीसगढ़ शासन से जारी आदेश में कहा गया है कि भारत सरकार द्वारा घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया 15 मार्च 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। जारी पत्र के अनुसार, इच्छुक व्यक्तियों के नामांकन के लिए आधिकारिक पोर्टल निर्धारित किया गया है तथा नामांकन भेजने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2027 तय की गई है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि भारत सरकार की मंशा इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों के माध्यम से समाज के उन गुमनाम और अनछुए नायकों को सामने लाना है, जो दूरस्थ वनांचल, ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में रहकर समाज सेवा, कला, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में संभागायुक्तों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए विभाग ने निर्देश दिए हैं कि वे नियमित रूप से जिला कलेक्टरों की समीक्षा बैठक लें और यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक जिले से योग्य एवं वास्तविक गुम नायक की पहचान कर उनके नाम प्रस्तावित किए जाएं।

विभाग द्वारा यह भी बताया गया है कि इस संबंध में जिला कलेक्टरों को पहले ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

सूचना

छ.ग. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'' अंतर्गत गठित सेवरा संकुल स्तरीय संगठन बेंजलपुर विकासखण्ड बोडला जिला कबीरधाम अंतर्गत चार चिरौंजी प्रसंस्करण इकाई स्थापना किया जाना है।

उपरोक्त इकाई स्थापना हेतु दिनांक 06 मई 2026 से 15 मई 2026 तक लिमिटेड टेंडर जारी किया जा रहा है। विस्तृत विवरण प्राप्त करने हेतु कार्यालय सवेरा संकुल स्तरीय संगठन बेंजलपुर, पता-बाजार चौंक के आगे पेट्रो टंकी के पास बैजलपुर वि.खं.-बोडला जिला कबीरधाम (छ.ग.) मो. नं. 7724036195 पर सम्पर्क कर सकते है।

पात्रतानुसार इच्छुक संस्थाओं से इकाई स्थापना हेतु प्रस्ताव सादर आमंत्रित है।

न्यायालय तहसीलदार गंडई जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. 202604291000015/अ-3

साकिन-चकनार प.ह.नं. 07 गंडई

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है, कि आवेदक कमला बाई बेवा रामसिंग निवासी सड़क पारा गैंजी तहसील डौंडी लोहार जिला बालोद द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम चकनार प.ह.नं. 04 तहसील गंडई स्थित भूमि ख.नं. 664/4 रकबा 0.6760 हे. एवं 664/10 रकबा 0.0200 हे. भूमि आवेदक कमला बाई बेवा रामसिंग एवं भूषण पिता रामसिंग के नाम पर राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। उक्त भूमि आवेदक कॉलोनी निर्माण करने हेतु उक्त ख.नं. को संविलियन किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्त ख.नं. को संविलियन किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति या विशेष को किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 13.05.2026 को स्वयं अथवा मार्फत अधिवक्ता के माध्यम से अपनी दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, समय पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 28.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

जारी दिनांक :- 28/04/2026
पेशी दिनांक :- 13/04/2026

तहसीलदार
गंडई

सील

न्यायालय तहसीलदार नांदघाट जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

ईश्तहार द्वारा आम जनता ग्राम नारायणपुर प.ह.नं. 14 रा.नि.मं. नांदघाट तहसील नांदघाट को सूचित किया जाता है कि लेख है कि कार्यपालन अभियंता छ.ग. गृह निर्माण मंडल संभाग-कवर्धा पत्र क्र/67/कार्य.अभि./तक.शा.संभाग/2025 कवर्धा दिनांक 12.01.2026 द्वारा राज्य प्रवर्तित ''अटल विहार योजना'' के क्रियान्वयन हेतु ग्राम नारायणपुर प.ह.नं. 14 रा.नि.मं. एवं तहसील नांदघाट जिला बेमेतरा स्थित शासकीय भूमि ख.नं. 655/1 रकबा 15.15 हे. में से 2.00 हे. आबंटन करने मांग किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे न्यायालय में पेशी दिनांक 11/05/2026 को दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

उपरोक्त तिथी पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

दिनांक :- 29/04/2026

तहसीलदार
नांदघाट,
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

सील

भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा नाट्य कार्यक्रम का आयोजन

भिलाई। इस्पात संयंत्र के सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग (एसईडी) द्वारा कार्यस्थल सुरक्षा संस्कृति एवं सामुदायिक जागरूकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से व्यापक सुरक्षा नाट्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम एवं आरटीएस) तीर्थंकर दस्तीदार रहे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं मुख्य महाप्रबंधकगण सहित सेक्टर-10 स्थित बीएसपी विद्यालय के प्राचार्य एवं प्रधान अध्यापक भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत्त सतपथी के स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सतत सुरक्षा शिक्षा एवं सक्रिय सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि तीर्थंकर दस्तीदार ने सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षा केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक साझा जिम्मेदारी है, जो कार्यस्थल से आगे बढ़कर दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा होनी चाहिए।

रिफ्रैक्टरी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा प्रस्तुत सुरक्षा की देवी और दुर्घटना का बादशाह तथा इप्टा द्वारा प्रस्तुत सतर्कता ही बचाव है ने प्रभावी ढंग से यह दर्शाया कि लापरवाही एवं असुरक्षित व्यवहार दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं, जबकि सतर्कता एवं सुरक्षा मानकों का पालन जोखिमों को काफी हद तक कम कर सकता है। इस कार्यक्रम में रचनात्मक स्किट प्रस्तुतियों के साथ-साथ सेफ्टी क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों, संविदा कर्मियों एवं विद्यार्थियों को सृजनात्मक एवं ज्ञानवर्धक माध्यमों के जरिए सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना रहा।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक आयाम जोड़ते हुए सेफ्टी जागरूकता गीत सेल के कर्मवीरों, सुरक्षित कार्य करो की प्रस्तुति रमेश कुमार (एसईडी) द्वारा दी गई, जिसने प्रतिभागियों को सुरक्षा को अपनी कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाने हेतु प्रेरित किया।

इस अवसर पर दिनांक 17 अप्रैल 2026 को सेक्टर-10 बीएसपी विद्यालय में आयोजित सेफ्टी क्विज प्रतियोगिता (कक्षा 9 एवं 10) के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सुरक्षा विषयक ज्ञान आधारित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक प्रभारी (एसईडी) एस. के. अग्रवाल द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कलाकारों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समन्वयन सहायक महाप्रबंधक (एसईडी) अजय टल्लू ने किया।

विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव बहुमत से पारित किया गया

जामुल। नगर पालिका परिषद जामुल की विशेष सभा बैठक सोमवार (4 मई 2026) को परिषद कार्यालय के सभागार में आयोजित हुई। बैठक में 'नारी शक्ति वंदन' से जुड़े प्रस्तावित महत्वपूर्ण संशोधनों के लोकसभा में पारित न हो पाने पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए निंदा प्रस्ताव बहुमत से पारित किया गया।

बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया कि प्रस्तावित संशोधन संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता था। परिषद ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों–विशेषकर इंडिया गठबंधन–ने इस पहल का विरोध कर इसे अवरुद्ध किया, जिससे देश की आधी आबादी के अधिकार प्रभावित हुए।

प्रस्ताव में यह भी उल्लेख किया गया कि महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर निर्णय लिया जाना चाहिए था, लेकिन संकीर्ण राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी गई। परिषद ने इसे महिलाओं के साथ अन्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतिकूल बताया।

नगर पालिका परिषद ने सर्वसम्मति से संकल्प लिया कि इस मुद्दे को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाया जाएगा और महिलाओं की सशक्त राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। जब तक महिलाओं को नीति-निर्माण में उनका संवैधानिक अधिकार नहीं मिलता, तब तक इस विषय पर विरोध और निंदा जारी रखने की बात कही गई।

बैठक में कुल 15 सदस्य उपस्थित रहे। निंदा प्रस्ताव के पक्ष में 11 सदस्यों ने मतदान किया, जबकि 4 सदस्यों ने विरोध में मत दिया। इस प्रकार प्रस्ताव बहुमत से पारित हुआ। बैठक की कार्यवाही मुख्य नगर पालिका अधिकारी, अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर की उपस्थिति में संपन्न हुई, जबकि परिषद अध्यक्ष ने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर इसकी पुष्टि की।

नगर पालिका परिषद जामुल में शिविर का आयोजन

जामुल। शासन के निर्देशानुसार सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत नगर पालिका परिषद जामुल में शिविर का आयोजन किया जा रहा है । दिनांक 08.05.2026 दिन शुक्रवार को हाई स्कूल डोम शेड में वार्ड 01, 02, 03, 04 एवं 06 के आम नागरिकों के समस्या के समाधान के लिए शिविर लगाया जायेगा । दिनांक 14.05.2026 दिन गुरूवार को प्राथमिक शाला रावण भाठा वार्ड क्र. 09 में वार्ड क्र. 05, 07, 09 एवं 10 के लिए, दिनांक 19.05.2026 दिन मंगलवार एसीसी मंगल भवन वार्ड क्र. 13 में वार्ड क्र. 08, 11, 12, 13, 14 एवं 15 के नागरिकों लिए, दिनांक 26.05.2026 दिन सोमवार को मंगल भवन शिवपुरी वार्ड क्र. 16 में वार्ड क्र. 16, 17 एवं 18 के नागरिकों के लिए, दिनांक 01.06.2026 दिन सोमवार को सांस्कृतिक भवन बाजार चौक सुरडुंग में वार्ड क्र. 19, 20 के नागरिक अपनी समस्या, शिकायत, मांग रख सकते हैं ।

धोखाधड़ी नेटवर्क का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

भिलाई। नेवई थाना क्षेत्र में पुलिस ने फर्जी सिम कार्ड के जरिए चल रहे संगठित धोखाधड़ी नेटवर्क का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह लोगों के नाम पर सिम कार्ड लेकर उन्हें कमीशन के आधार पर आगे बेचता था और इनका उपयोग अवैध आर्थिक लेन-देन में किया जाता था।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, रिसाली बस्ती निवासी 19 वर्षीय युवक आयुष ताम्रकार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके परिचित ने विश्वास में लेकर उसके नाम से सिम कार्ड जारी कराया और उसे वापस नहीं किया। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी टी. भार्गव राव युवक को मोबाइल दुकान ले गया और उसके नाम पर सिम निकलवाकर खुद रख लिया।

इसके बाद उस सिम को क्रमवार अधिक कीमत पर अन्य आरोपियों को बेच दिया गया। इस तरह एक पूरा नेटवर्क तैयार कर सिम कार्ड के जरिए अवैध ट्रांजेक्शन किए जा रहे थे। मामले में अपराध क्रमांक 277/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 3(5) के अंतर्गत केस दर्ज किया गया।

पुलिस ने तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए टी. भार्गव राव, ज्ञानेश मंडावी, हर्षित साहू और दीपक प्रजापति को

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में हैंड्स-ओनली सीपीआर प्रशिक्षण का सफल आयोजन

भिलाई। इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएचआरसी) में आमजन में जीवनरक्षक कौशल विकसित करने तथा आपातकालीन स्थितियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विगत दिनों में हैंड्स-ओनली सीपीआर (सीपीआर) प्रशिक्षण कार्यक्रम का सातवां सफल सत्र आयोजित किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी(चिकिसा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर एवं डॉ. उदय कुमार का सहयोग भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को हैंड्स-ओनली सीपीआर की सही तकनीक से प्रशिक्षित करना था, ताकि हृदयाघात (कार्डियेक अरेस्ट) की स्थिति में चिकित्सीय सहायता पहुँचने से पूर्व प्रभावी प्राथमिक सहायता प्रदान की जा सके। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रतिभागियों को लाइव डेमो एवं व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से सीपीआर की प्रक्रिया सिखाई गई। इसमें प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, त्वरित सहायता के लिए संपर्क करना तथा निरंतर छाती दबाव (चेस्ट कम्प्रेशन) के महत्व पर विशेष बल दिया गया, जिससे जीवन रक्षा की संभावनाओं को बढ़ाया जा सके।

एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. तनुजा, डॉ. निलेश तथा डीएनबी प्रशिक्षु डॉ. तीर्थ एवं डॉ. समर्थ द्वारा प्रशिक्षण का संचालन किया गया तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान किया गया। यह पहल जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय की सामुदायिक स्वास्थ्य, आपातकालीन तैयारी एवं निवारक स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि संस्थान द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक माह के प्रथम कार्यदिवस पर नियमित रूप से किया जाता है, जिससे अधिक से अधिक लोगों को जीवनरक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।

शादी में गया परिवार, सूने घर से 30-40 लाख के जेवर और नकदी पार

- भिलाई में बड़ी चोरी

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र के नेहरू नगर पश्चिम की एक पॉश कॉलोनी में सोमवार को दिनदहाड़े से देर रात के बीच बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये की नकदी और भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

शादी में गया था परिवार, लौटे तो बिखरा मिला घर

मकान मालिक विनय कुमार अग्रवाल अपने परिवार के साथ अम्रपाली सोसायटी में भतीजी की शादी में शामिल होने गए थे। रात करीब 2 बजे जब परिवार लौटा, तो मुख्य दरवाजा खुला मिला। अंदर पहुंचते ही अलमारी टूटी हुई और सामान बिखरा देख सभी के होश उड़ गए।

3.40 लाख नकद और करोड़ों के गहने गायब

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घर से करीब 3 लाख 40 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवरात चोरी हुए हैं। परिजनों का कहना है कि शादी के कारण उन्होंने लॉकर से गहने निकालकर घर में रखे थे, जिनकी कुल कीमत 30 से 40 लाख रुपये तक हो सकती है। पुलिस वास्तविक नुकसान का आकलन कर रही है।

ताला तोड़कर घुसे, घंटों घर में खंगालते रहे

चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और आराम से अलमारी व अन्य जगहों को खंगालते रहे। वारदात का समय दोपहर 12:30 बजे से रात 2 बजे के बीच का माना जा रहा है।

सीसीटीवी न होने से जांच मुश्किल

घटनास्थल और आसपास के घरों में सीसीटीवी कैमरे नहीं होने के कारण पुलिस को जांच में कठिनाई आ रही है। फिलहाल आसपास के मार्गों, संदिग्ध लोगों और गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

मौके पर पहुंचे वरिष्ठ अधिकारी, विशेष टीम गठित

सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। वरिष्ठ अधिकारियों–विजय अग्रवाल, सुखनंदन राठौर, सत्य प्रकाश तिवारी, यदुमणि सिदार, टीआई राजेश साहू और विजय यादव ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया है, जो हर पहलू से जांच कर रही है।

गश्त बढ़ाई गई

पुलिस ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है और संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

बंगाल में बदलाव की लहर : जनता ने जताया असंतोष : रामू रोहरा

धमतरी। नगर निगम महापौर रामू रोहरा ने पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों के रुझानों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह परिणाम ऐतिहासिक साबित होंगे। उन्होंने कहा कि बंगाल के राजनीतिक इतिहास में पहली बार भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट रूप से सरकार बनाती हुई नजर आ रही है, जो राज्य की राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने दीदी को सबक सिखा दिया।

महापौर रोहरा ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने इस बार परिवर्तन के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से एक ही विचारधारा और नेतृत्व के तहत चल रही सरकार के प्रति जनता में असंतोष था, जिसका परिणाम अब रुझानों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जनता ने विकास, पारदर्शिता, सुरक्षा और बेहतर प्रशासन को प्राथमिकता दी है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं–जैसे गरीब कल्याण, आवास, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों–का प्रभाव पूरे देश के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में भी देखने को मिला है। इन्हीं योजनाओं और नीतियों से प्रभावित होकर जनता ने भाजपा के पक्ष में मतदान किया है।

महापौर ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य में उद्योग, रोजगार, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में तेजी से विकास होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार होगा और निवेश का माहौल बनेगा, जिससे युवाओं को बेहतर अवसर मिलेंगे।

रामू रोहरा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को इस सफलता के लिए बधाई दी और कहा कि यह उनकी लगातार मेहनत, जनसंपर्क और संगठन की मजबूती का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों को पहुंचाया।

अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल विकास और सुशासन के नए दौर में प्रवेश करेगा तथा राज्य देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बनाएगा।

घोटमर्रा उपकेंद्र में लगा 05 एमवीए का ट्रांसफार्मर, 11 गांवों की विद्युत सुविधा हुई बेहतर

लगभग 2400 से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगी पर्याप्त वोल्टेज के साथ निर्बाध बिजली

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत अधोसरंचना को मजबूत करने की दिशा में निरंतर महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं। इसी तारतम्य में कार्यपालक निदेशक, दुर्ग क्षेत्र संजय खंडेलवाल के कुशल मार्गदर्शन एवं अधीक्षण अभियंता, दुर्ग वृत्त आर.के.मिश्रा के नेतृत्व में साजा संभाग के देवरबीजा वितरण केंद्र के अंतर्गत आने वाले 33/11 केवी घोटमर्रा उपकेंद्र की क्षमता बढ़ाने का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। भीषण गर्मी और बिजली की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए विभाग ने यहां पुराने 3.15 एमवीए ट्रांसफार्मर को बदलकर 05 एमवीए का नया पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत (चार्ज) कर दिया है।

इस क्षमता वृद्धि से देवरबीजा क्षेत्र के 11 प्रमुख गांवों, ग्राम घोटमर्रा, हड़गांव, भेड़नी, चोटमर्रा, केछवई, कड़ई, हाड़ाहुली, कातुलबोड, मोतेसरा, रौद्र और डरजरा के लगभग 2410 घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। लंबे समय से मांग कर रहे किसानों एवं उपभोक्ताओं के लिए उक्त ग्रामों में अब विद्युत व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। इस कार्य के बाद क्षेत्र में ना केवल वोल्टेज की समस्या दूर होगी, बल्कि खेती-किसानी और घरेलू उपयोग के लिए भी पर्याप्त व गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध रहेगी।

सफलतापूर्वक संपन्न हुए इस कार्य के दौरान विभागीय तालमेल और तकनीकी दक्षता देखने को मिली। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता एस.के. राय एवं एम.के. शुक्ला, सहायक अभियंता सी.एल. वर्मा, जी.पी. बंजारे और कनिष्ठ अभियंता अभिषेक राठी सहित तकनीकी स्टाफ की विशेष उपस्थिति रही। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षमता विस्तार के बाद अब भीषण गर्मी के मौसम में भी इस क्षेत्र में बढ़ते हुए लोड को असानी से प्रबंधित किया जा सकेगा, जिससे उपभोक्ताओं को बिजली ट्रिपिंग जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा।

तबलीग़ जमात के अमीर को आखिरी विदाई देने

- छत्तीसगढ़ से हजारों की तादाद में पहुंचे अकीतदमंद

भिलाई। छत्तीसगढ़ और नागपुर विदर्भ क्षेत्र में तबलीग़ जमात के अमीर हाजी मोहम्मद असलम का शनिवार 2 मई को तड़के दो बजे इंतकाल हो गया। हाजी असलम कई दिनों से बीमार चल रहे थे। खुर्सीपार निवासी सैय्यद असलम ने बताया कि मरहूम हाजी मोहम्मद असलम के जनाजे की नमाज़ यंग मुस्लिम फुटबॉल ग्राउंड मोमिनपुरा नागपुर में उनके बेटे मौलाना अब्दुल्ला ने पढ़ाई।

नमाजे जनाजा मे निजामुद्दीन मरकज दिल्ली, बरार, महाराष्ट्र, विदर्भ और छत्तीसगढ़ के उलेमा के साथ आम लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के मुस्लिम समाज के लोगों ने हजारों की तादाद में नागपुर पहुंच कर अपनी अकीदत का इजहार किया।

गौरतलब है कि तबलीग़ जमात में आध्यात्मिक स्तर पर संगठन प्रमुख च्अमीरज का पद मशविरा से तय होता है। हाजी मोहम्मद असलम नागपुर के रहने वाले थे और तबलीग़ के काम को लेकर छत्तीसगढ़ बरार , महाराष्ट्र सहित देश विदेश में सक्रिय थे। उन्होंने बताया कि हाजी मोहम्मद असलम ने अल्लाह के दीन और हज़रत मोहम्मद सल्लु अलैहिस्सलाम की पाकीजा जिंदगी को अपनाने लोगों की सच्ची रहनुमाई की। समाज के लिए उनका दुनिया से जाना एक रहनुमा एक सच्चा दाई (प्रेरक व्यक्तित्व) और बुजुर्ग शख्सियत का चला जाना है।

नागदेव मंदिर के पास कला मंच में सुशासन तिहार शिविर का शुभारंभ

- महापौर रामू रोहरा ने किया निरीक्षण

धमतरी। प्रदेश सरकार के सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आज से नगर में जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन प्रारंभ हो गया है। इसी कड़ी में नागदेव मंदिर के पास स्थित कला मंच में एक व्यापक शिविर लगाया गया, जिसमें हटकेशर वार्ड, लाल बगीचा वार्ड, शीतला पारा वार्ड एवं सुभाष नगर वार्ड के नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए विशेष व्यवस्था की गई।

शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहकर आम जनता की शिकायतें एवं मांगों को गंभीरता से सुन रहे हैं तथा त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। नागरिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है, जिससे वे अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ उठा सकें। शिविर का निरीक्षण करने महापौर रामू रोहरा पहुंचे, जहां उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

महापौर ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, ताकि लोगों की समस्याओं का समाधान तेजी और पारदर्शिता के साथ किया जा सके। इस प्रकार के शिविरों से नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती और उन्हें एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हो जाती हैं।

शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही, जिन्होंने अपनी समस्याएं दर्ज कराई और शासन की इस पहल की सराहना की। नगर निगम द्वारा आगे भी विभिन्न वार्डों में इस तरह के शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिससे हर नागरिक तक सुशासन का लाभ पहुंच सके।

वरिष्ठ नागरिकों ने की धार्मिक यात्रा

भिलाई। वरिष्ठ नागरिक समिति मरोदा सेक्टर की ओर से धार्मिक यात्रा के तहत विभिन्न स्थलों के साथ मदकू द्वीप भ्रमण का आयोजन किया गया। इस दौरान सदस्य विभिन्न धार्मिक स्थलों तक भी पहुंचे और पूजा अर्चना कर पुण्य लाभ लिया। 55 से अधिक लोगों के इस समूह में एन एल मौर्य प्रीतम सूचना एवं प्रसारण सचिव, कोषाध्यक्ष के आर देवांगन, सचिव जनकलाल साहू, अध्यक्ष उजियार सिंह पंवार, संस्थापक पी एल पाठे, पंचराम साहू और सभी पदाधिकारियों ने यात्रा की शुरुआत करते हुए चरोदा में मुक्तेश्वर शिव मंदिर एवं 51 शक्ति पीठ का दर्शन किया। समूह ने दामाखेड़ा कबीर आश्रम एवं मठ की यात्रा भी की। सदस्यों ने खारून और शिवनाथ नदी का प्रमुख संगम भी देखा। सिमगा (बलौदाबाजार-भाटापारा जिला) के समीप लखना गांव में स्थित इस पवित्र संगम स्थल को सोमनाथ या शिवनाथ-खारून संगम के रूप में जाना जाता है,।

वार्ड 59 एवं 60 में पेयजल समस्या के समाधान हेतु विद्युत सप्लाई रहेगी अस्थायी रूप से बंद :- दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 59 हरिनगर एवं वार्ड क्रमांक 60 कातुलबोर्ड क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी के कारण पेयजल की खपत में अत्यधिक वृद्धि हो गई है। इसके चलते टुल्लू पंपों के बढ़ते उपयोग से जलापूर्ति प्रभावित हो रही है,।

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी)
जिला गरियाबंद (छ.ग.)

क्रमांक/सी.एस.एम.सी.एल/दु.नि./2026/317

गरियाबंद, दिनांक 30/04/2026

जिले की देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान बासीन हेतु ग्राम बासीन में भवन/परिसर किराये पर लेने हेतु लघु निविदा सूचना

कार्यालय छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा जिला गरियाबंद की देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान बासीन हेतु ग्राम बासीन में भवन/परिसर भाड़े पर लिये जाने हेतु इच्छुक निविदाकारों से बंद लिफाफे में निविदाएं (तकनीकी बिड/प्राईज बिड पृथक-पृथक) दिनांक 11.05.2026 को दोपहर 2:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी में आमंत्रित की जाती है। सीलबंद लिफाफा में प्राप्त निविदाएं उपस्थित निविदाकारों प्रतिनिधियों के समक्ष दिनांक 11.05.2026 को समय 04:00 बजे समिति द्वारा खोली जावेगी। निविदा की विस्तृत शर्तें/नियम निविदा प्रपत्र आदि की जानकारी अवकाश दिवसों को छोड़कर निविदा प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के एक दिवस पूर्व तक कार्यालयीन समय पर कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी गरियाबंद सह जिला प्रबंधक छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड जिला गरियाबंद से रूपये 1000/- (एक हजार रूपये मात्र) के बैंक ड्राफ्ट जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल के नाम से जमा कर प्राप्त की जा सकेगी।

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी)
जिला - गरियाबंद

जी-262700501/1

इस वृक्ष को पसंद है हीट वेव और बंजर धरती

गर्मी में भी खैर है...!

जनधारा समाचार

भाटापारा। खैर को पसंद है हीट वेव। खूब भाती है बंजर धरती। अनियमित बारिश वाले क्षेत्रों के लिए तो वरदान है यह वृक्ष। पौधारोपण के लिए बन रही सूची में खैर का भी नाम शामिल करने का प्रयास इसलिए वानिकी वैज्ञानिक कर रहे हैं क्योंकि शुष्क क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाती है यह प्रजाति।

शुष्क और अर्ध शुष्क क्षेत्र के लिए बहुउद्देशीय गुणों वाला खैर अब एक बार फिर से वानिकी वैज्ञानिकों का ध्यान खींच रहा है क्योंकि खैर बदलते जलवायु परिवर्तन के बीच बढ़ते हीट वेव के दिन और बढ़ती अनियमित बारिश जैसी स्थितियों के बीच बेहतर परिणाम देने में सक्षम है। छत्तीसगढ़ के लिए अहम इसलिए माना जा रहा है क्योंकि प्रदेश में तेज धूप, तीव्र गर्मी, अनियमित बारिश और भूमि क्षरण जैसी स्थितियां अब स्थाई बन चुकी है।

औषधि निर्माण ईकाइयां भी करतीं हैं जो पेचिश,दांत, मसूड़े और त्वचा रोग खत्म करने वाली दवाइयां बनातीं हैं।

पसंद है हीट वेव और बंजर धरती

45 डिग्री सेल्सियस तापमान और लगातार हीट वेव जैसे मौसम में जोरदार बढ़वार लेता है खैर। 800 से 1200 मिमी बारिश जैसी वर्षा इसे चाहिए। बंजर धरती इस प्रजाति को इसलिए पसंद है क्योंकि फैलाव के लिए भरपूर जगह मिलती है। यही गुण इसे मैदानी क्षेत्रों तक पहुंचाने वाले माने जा रहे हैं क्योंकि प्रदेश में ऐसे क्षेत्र अब तेजी से विस्तार ले रहे हैं।

बढ़ाता है हरित आवरण

800 से 1200 मिमी बारिश और 45 डिग्री सेल्सियस तापमान सहनशील खैर ऐसे मैदानी क्षेत्र के लिए भी विशेष तौर पर उपयोगी माना जा रहा है, जहां हरियाली तेजी से घट रही है और नए वन तैयार करने में कठिनाई आ रही है। खैर का वृक्ष ऐसे क्षेत्र के लिए विशेष रूप से उपयोगी माना जा रहा है, जहां खेती जोखिम पूर्ण रही है।

है आर्थिक महत्व

खैर की लकड़ी से कत्था बनाया जाता है। जिसका उपयोग पान मसाला कारोबारी करते हैं। छाल में होता है टैनिन, जो चमड़ा उद्योग में उपयोग किया जाता है। बेहद कठोर होती है इसकी लकड़ी। इसलिए कृषि उपकरण और फर्नीचर बनाने वाली ईकाइयां अच्छी कीमत देकर खैर की लकड़ियां खरीदतीं हैं।इसके अलावा छाल की खरीदी ऐसी

खैर: एक सशक्त वानिकी विकल्प

खैर एक जलवायु-अनुकूल प्रजाति है, जो हीट वेव और अनियमित वर्षा जैसी वर्तमान परिस्थितियों में भी स्थिर वृद्धि बनाए रखती है। छत्तीसगढ़ जैसे क्षेत्रों में, जहां भूमि क्षरण और जलवायु जोखिम बढ़ रहे हैं, वहां खैर का बड़े पैमाने पर रोपण न केवल हरित आवरण बढ़ाएगा, बल्कि किसानों को अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्रदान कर सकता है।

-अजीत विलियम्स, साइंटिस्ट (फॉरेस्ट्री), बीटीसी कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड रिसर्च स्टेशन, बिलासपुर

मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा द्वारा राम मंदिर में राहगीरों के लिए वाटर कूलर का शुभारंभ

जनधारा समाचार

सरायपाली। नगर व क्षेत्र में लगातार भीषण व तेज गर्मी को देखते हुए नगर में राहगीरों व आमजनता को पेयजल की समस्याओं को देखते मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा सरायपाली द्वारा राहगीरों, आमजन एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर के प्रमुख धार्मिक स्थल श्री राम हनुमान मंदिर परिसर में शीतल पेयजल हेतु वाटर कूलर स्थापित किया गया है। इस पहल से मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों को गर्मी से राहत मिलेगी तथा उन्हें ठंडा पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सकेगा वहीं यह सुविधा अब 24 घंटों के साथ ही 12 महीनों उपलब्ध होगा।

ज्ञातव्य हो कि नगर में सार्वजनिक रूप से कहीं भी आम नागरिकों को शीतल पेयजल उपलब्ध करने हेतु कोई वाटर कूलर की व्यवस्था नहीं है किंतु कुछेक प्रतिष्ठानों में निजी तौर पर जरूर वाटर कूलर अपने ग्राहकों की सुविधा के लिए स्थापित किया गया है ।इसके साथ ही संगम सेवा समिति के संस्थापक प्रखर अग्रवाल द्वारा नगर में जरूर ई रिक्शा चालित प्याऊ के

माध्यम से नगर व सार्वजनिक स्थलों में शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। नगर के मध्य में इस वाटर कूलर के स्थापित हो जाने से निश्चित तौर पर राहगीरों व नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अजय अग्रवाल , राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना एवं फीता काटकर किया गया, तत्पश्चात प्रसाद वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जागृति शाखा की सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और इस सामाजिक सेवा कार्य में अपना योगदान दिया। शाखा द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य की उपस्थित जनों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा निरंतर समाजसेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते हुए जनहित में ऐसे कार्य करती आ रही है, जिससे समाज को सीधा लाभ मिल रहा है । इस अवसर पर जागृति शाखा अध्यक्ष नेहा अग्रवाल , सचिव सानिया अग्रवाल , रीमा अग्रवाल, सोनिया अग्रवाल ,प्रिया अग्रवाल ,संध्या अग्रवाल ,कंचन अग्रवाल ,बबीता अग्रवाल ,सीमा अग्रवाल के साथ जीव सरिताअग्रवाल उपस्थित थी। शाखा अध्यक्ष नेहा अग्रवाल ने बताया कि अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच राष्ट्रीय सहायक मंत्री क्षेत्र 4 के रोहित काबरा का इस वाटर कूलर स्थापना में विशेष सहयोग रहा ।

कक्षा 5 वीं सेजस की होनहार छात्रा हुमैरा 94फीसदी अंक अर्जित कर रही प्रथम स्थान पर

गंडई पंडरिया। पीएम श्री आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल की मेधावी छात्रा हुमैरा नियाज़ी पिता शकील अहमद ने बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने कक्षा 5 वीं में 94 फीसदी अंक अर्जित कर अपनी शाला में प्रथम स्थान व केसीजी जिले में 9 वें स्थान में आकर इतिहास रच दिया है। जो कि बहुत बड़ी उपलब्धि है। आत्मानंद स्कूल की होनहार छात्रा ने अपनी इस उपलब्धि का पहला श्रेय हेमंत साहू को दिया है। छात्रा ने कहा कि मेरे गुरु जनों ने मुझे हर विषयों को आसानी से पढ़ाया और समझाया है। स्कूल का समय खत्म होने के पश्चात मेरी माता शासकीय कर्मचारी होने के बावजूद अपनी अनेक व्यस्तताओं के बाद भी मुझे गाईड लाइन दी मुझे पढ़ाया। और घर पर ही मुझे रिवीजन कराया। नतीजतन आज मुझे यह कामयाबी प्राप्त हुई।

डॉक्टर बनकर हर जरूरतमंदों की सेवा ही एक मात्र लक्ष्य -हुमैरा : छात्रा ने कहा कि मैं एक सफल डॉक्टर बनकर हर जरूरतमंद लोगों की सेवा करके उनका जीवन बचाना चाहती हूं और यही मेरा सपना और एकमात्र लक्ष्य है। आगे हुमैरा ने कहा कि पढ़ाई हमेशा ईमानदारी और एक निश्चित लक्ष्य बनाकर करने पर 100 फीसदी सफलता प्राप्त होती है। बहरहाल हुमैरा की इस बड़ी सफलता पर उनकी नानी, माता-पिता, मामा व अन्य परिजनों सहित शुभचिंतकों, नगर वासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

महापौर अलका बाघमार ने वार्ड 59 में किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण, नाली निकासी सुधार के दिए निर्देश

वार्ड पार्षद की शिकायत पर तुरंत पहुंचीं महापौर, अधिकारियों को मौके पर दिए निर्देश

जनधारा समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगमनगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने आज लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर, पार्षद श्रीमती नीलम शिवेंद्र परिहार, अरुण सिंह, शिवेंद्र परिहार,सहायक अभियंता राजेन्द्र ढबाले,स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उपअभियंता पंकज साहू सहित निगम अमले के साथ वार्ड क्रमांक 59 कातुलबोर्ड हरिनगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पार्षद श्रीमती नीलम शिवेंद्र परिहार द्वारा क्षेत्र में नालियों में जमा गंदगी एवं जल निकासी की समस्या की शिकायत पर महापौर तत्काल मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने नालियों में जमी गंदगी और अवरुद्ध जल निकासी को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए।

महापौर ने स्पष्ट रूप से कहा कि जहां-जहां नालियां क्षतिग्रस्त (डेमेज) हैं, उनका शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण रिपेयर किया जाए, ताकि पानी की सुचारु निकासी सुनिश्चित हो सके और नागरिकों

को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए नियमित रूप से मॉर्निंग निरीक्षण किया जाए और लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।महापौर श्रीमती बाघमार ने वार्ड क्रमांक 59 हरिनगर के क्षेत्रवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि नगर निगम नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हर समस्या का निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जाएगा।

कनेर और आम की छांव में जनसमस्या निवारण शिविर

- **514 आवेदन प्राप्त, 72 का मौके पर निराकरण**
- **सुशासन तिहार 2026 के तहत सोंस में आयोजन**

कोरिया। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत मंगलवार को बैकुंठपुर जनपद पंचायत के ग्राम सोंस में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। कनेर और आम के पेड़ों की ठंडी छांव में आयोजित इस शिविर में ग्रामीणों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। भीषण गर्मी को देखते हुए आयुष विभाग द्वारा पानकम (शीतल पेय) की व्यवस्था की गई, जिससे लोगों को राहत मिली। आम लोगो ने इस व्यवस्था की सराहना की। कार्यक्रम में बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा श्रम कार्ड जैसी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि इनका अधिक से अधिक लाभ उठाया जाए। विधायक ने कृषि, वन सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में लगे स्टालों का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने ग्रामीणों से सीधे उनकी समस्याएं सुनीं और कई आवेदनों को मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को सौंपकर तत्काल निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने किसानों से एग्रीस्टेक पंजीयन कराने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक किसानों का यह पंजीयन जरूरी है ताकि केन्द्र व राज्य सरकार की किसान हितकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने रासायनिक खाद के बदले नैनो यूरिया, डीएपी को अपनाने की बात कही साथ ही मृदा परीक्षण कराने के लिए किसानों को प्रेरित की। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी कार्यों को जिम्मेदारी से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही तहसीलदारों को शिविर स्थल पर ही आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र वितरण सुनिश्चित करने को कहा। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

माता-पिता से बेहतर काउंसलर कोई नहीं, अपने बच्चों को दें पूरा समय: जैन

जनधारा समाचार

भिलाई। टाइगर कैपिटल के सहयोग से इंडिया खेलो फुटबॉल (आईकेएफ) के सीज़न-6 के ट्रायल के दौरान वरिष्ठ पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन ने पालकों और उभरते फुटबॉलरों से संवाद किया। उन्होंने वर्तमान समय में बच्चों की परवरिश में सामने आ रही चुनौतियों का जिक्र करते हुए पालकों को कुछ सुझाव भी दिए। उल्लेखनीय है कि यहां 2 और 3 मई 4 अलग-अलग सत्रों में सेक्टर-2 के फुटबॉल ग्राउंड में ट्रायल रखा गया था। जिसमें 200 से ज्यादा उभरते फुटबॉलरों ने अपने खेल का प्रदर्शन किया।

आईकेएफ सीज़न-6 के ट्रायल के दौरान संवाद किया वरिष्ठ पैरेंटिंग कोच ने

ट्रायल के आखिरी दौर के बाद 3 मई की शाम पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन का संवाद सत्र रखा गया। उन्होंने इस दौरान समाज में खास तौर पर बच्चों के बीच बढ़ते स्क्रीन टाइम और डिजीटल दुनिया में बढ़ती निर्भरता को बड़ी चुनौती बताया।

उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि आज स्मार्ट फोन की लत के चलते मैदान के बजाए डिजीटल दुनिया में खेल खेला जा रहा है, जो हमारी शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। उन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों को सलाह दी कि दूसरों को भी खेल के लिए प्रेरित करें।

जैन ने पालकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को समय दें और उन्हें सुनने की कोशिश करें। क्योंकि किसी भी बच्चे के लिए माता-पिता से बेहतर काउंसलर कोई नहीं होता। जिस तरह किसी भी पौधे की शुरूआती अवस्था में सुरक्षा के लिए उसके चारों तरफ से घेरा लगाना जरूरी होता है, ठीक उसी तरह बच्चों को भी एक उम्र तक पैरेंट्स की जरूरत पड़ती है। इसलिए अपने बच्चों को भरपूर समय दें और उनके खानपान के साथ नींद पर भी ध्यान दें। इस दौरान कुछ पालकों और बच्चों ने सवाल पूछ कर अपनी जिज्ञासा भी शांत की।

फिल्टर प्लांट में लीकेज का महापौर ने किया निरीक्षण, जल्द सुधार के दिए निर्देश

जल आपूर्ति बाधित होने पर महापौर अलका बाघमार सुबह 7 बजे पहुंचीं मौके पर

जनधारा समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत स्थित 24 एमएलडी फिल्टर प्लांट में लीकेज की बड़ी समस्या उत्पन्न होने के कारण शहर के कई वार्डों में बीते शाम से पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई है। उक्त समस्या के निराकरण हेतु मरम्मत कार्य लगातार जारी है।

मरम्मत कार्य की प्रगति का जायजा लेने महापौर श्रीमती अलका बाघमार आज प्रातः 7 बजे स्वयं फिल्टर प्लांट पहुंचीं। उन्होंने मौके पर काफी समय तक उपस्थित रहकर कार्य की स्थिति का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वॉल लीकेज की समस्या को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से दूर किया जाए, ताकि शहरवासियों को जल्द से जल्द सुचारू पेयजल आपूर्ति मिल सके। उन्होंने कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के भी निर्देश दिए।

इस दौरान आयुक्त सुमित अग्रवाल, जल कार्य प्रभारी श्रीमती लीना दिनेश देवांगन, लोककर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, एमआईसी सदस्य चंद्रशेखर चंद्राकर, काशीराम कोसरे, अरुण सिंह, श्रीमती सुरुचि उमरे, कार्यपालन अभियंता प्रकाश थवानी, सहायक अभियंता गिरीश दीवान, इंजीनियर विनोद मांझी, मोहित मरकाम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

महापौर ने कहा कि शहरवासियों को होने वाली असुविधा को देखते हुए निगम पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है और जल्द ही जल आपूर्ति व्यवस्था को सामान्य किया जाएगा। आयुक्त ने कहा कि तकनीकी टीम लगातार कार्य में जुटी हुई है तथा शीघ्र ही लीकेज को सुधारकर नियमित जल आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया Central Bank of India
क्षेत्रीय कार्यालयः अम्बिकापुर Regional Office : Ambikapur

सार्वजनिक सूचना

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर आगामी महीनों में नीलामी की जाने वाली संपत्तियों की जानकारी देने के लिए एक प्रॉपर्टी एक्सपो का आयोजन कर रहा है। एक्सपो स्थल का विवरणः क्षेत्रीय कार्यालय, भूतल, धनजल कॉम्प्लेक्स, रिंग रोड, नमनाकला, अंबिकापुर सरगुजा । दिनांकः 06/05/2026, समयः सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक । इच्छुक व्यक्तियों से एक्सपो में उपस्थित होने का अनुरोध है ।

दिनांकः 05.05.2026, स्थानः अंबिकापुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी/सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण, शिविर का लिया लाभ

महाराजगंज से जन समस्या निवारण शिविर की हुई शुरुआत

- **स्टॉल के माध्यम से मिली विभिन्न योजनाओं की जानकारी**
- **स्वास्थ्य जांच का मिला लाभ**

बलरामपुर। सुशासन को जन-जन तक पहुँचाने और शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम छोर तक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत जिले का आज पहला जनसमस्या निवारण शिविर विकासखंड बलरामपुर के ग्राम पंचायत महाराजगंज में आयोजित किया गया। शिविर में महाराजगंज, जरहाडीह, पुटसुरा, राधाकृष्णनगर, झलपी सौनी, कोटपाली, भैंसामुड़ा, कृष्णनगर एवं सागरपुर पंचायतों के ग्रामीणजन बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें प्रस्तुत की। जिनका निराकरण

संबंधित विभागों द्वारा प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

शिविर में आमजनों की सुविधा के लिए पंजीयन काउंटर बनाया गया था। जिसके माध्यम से लोगों ने अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन दिया। शिविर में स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत एंव ग्रामीण विकास, राजस्व, कृषि, उद्यान, पशुपालन सहित अन्य विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर राजेंद्र कटारा एवं जनप्रतिनिधियों ने स्टालों का अवलोकन किया। इस अवसर पर आवास हितग्राहियों को बेहतर आवास बनाने के लिए आवास प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं 1 हितग्राही को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया।

इस दौरान 4 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं 3 शिशुओ का अन्नप्राषन संपन्न कराया गया। साथ ही महिलाओं को पोषण आहार, मातृ स्वास्थ्य जांच एवं संस्थागत प्रसव से अवगत कराया गया तथा शिशुओं के अभिभावकों को शिशु पोषण, टीकाकरण एवं देखभाल संबंधी आवश्यक जानकारी दी गई। जनसमस्या निवारण शिविर में कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने उपस्थित आमजनों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर पूर्व में ही आवेदन प्राप्त किए जा चुके हैं, जिनका विभागों द्वारा पात्रतानुसार निराकरण किया जा रहा है।कलेक्टर ने कहा कि जो प्रकरण राज्य स्तर से संबंधित हैं, उन्हें शासन को अवगत कराया जाएगा, साथ ही जिला स्तर के मामलों का निराकरण स्थानीय स्तर पर ही किया जाएगा, ताकि लोगों को त्वरित राहत मिल सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों के निराकरण की जानकारी संबंधित आवेदकों तक अवश्य देने की बात कही। इस दौरान उन्होंने जनसमस्या निवारण शिविर में अधिक से अधिक लोगों को शामिल होने की अपील करते हुए लाभ लेने को कहा। उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़ें, बल्कि सीधे नजदीकी अस्पताल जाकर इलाज कराएं। उन्होंने बताया कि डॉग बाइट के मामलों में समय पर उपचार कराना अत्यंत आवश्यक है जिसके लिए एंटी-रेबीज वैक्सीन सभी अस्पतालों में उपलब्ध है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष धीरज सिंह देव ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं शिविरों के माध्यम से जन-जन तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के जरिए आमजनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

न्यायालय नायब तहसीलदार मुंगेली, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

// उद्घोषणा //

ई-कोर्ट क्रमांकः- 2026032575000 ग्राम-गोपतपुर तह. व जिला-मुंगेली (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रामशरण यादव पिता/पति संतराम जाति यादव साकिन गस्तीकापा तहसील व जिला मुंगेली द्वारा ग्राम पौनी प.ह.नं. 25 रा.नि.मं. खैरा-सेतगंगा तहसील मुंगेली स्थित भूमि खसरा नंबर 27, 29/2 रकबा 0.9430 हे., 0.5750 हे. एकड़/हेक्टेयर का (बटवारा) किये जाने बाबत् आवेदन पत्र पेश किया गया है।

अतएव (बटवारा) किया जाना प्रस्तावित है। इस संबंध में यदि किसी को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे अपना दावा/आपत्ति ईश्तहार प्रकाशन तिथि से 07 दिवस के भीतर इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 04/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
सील **मुंगेली (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार लालपुर थाना जिला-मुंगेली (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. ब-121/2026
क्रमांक/360/वाचक/तह./2026
लालपुर थाना, दिनांक 22.04.2026

सर्वधारणा/आम जनता ग्राम बैगाकापा को सूचित किया जाता है कि आवेदक रेमनबाई पति/पिता श्री जयकुमार जाति सतनामी साकिन बैगाकापा तहसील लालपुर थाना जिला-मुंगेली (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र पेश किया गया है कि आवेदक के भाई द्वारिका आ. श्री गया के मृत्यु दिनांक 30.04.2017 ग्राम बैगाकापा को हो जाने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु इस न्यायालय से आदेश हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो न्यायालय में दिनांक 07/05/2026 समय प्रातः 11:00 बजे दिन को स्वयं/अपने प्राधिकृत के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार
लालपुर थाना
सील **जिला-मुंगेली (छ.ग.)**

बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद कई जगह हिंसा

कहीं TMC दफ्तर में तोड़फोड़, कहीं आगजनी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद पूरे पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। आरोप है कि बीजेपी के सदस्यों ने अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (TMC) के दफ्तरों में तोड़फोड़ की, जिसमें पार्टी के दफ्तरों में आग लगाना, संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और कई इलाकों में तनाव पैदा करना शामिल है। मंगलवार सुबह, रोतिबाती पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जमुड़िया विधानसभा क्षेत्र में एक बार फिर तनाव भड़क उठा।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि सोमवार दोपहर से ही टॉलीगंज, बारुईपुर, कमरहाटी, बारानगर, बहरामपुर, हावड़ा और कसबा में टीएमसी के दफ़्तरों में बेकाबू भीड़ ने तोड़फोड़ की।

इन घटनाओं की निंदा करते हुए टीएमसी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'बीजेपी ने सत्ता में आते ही अपना असली रंग दिखा दिया है। उनके गुंडों ने मुर्शिदाबाद में हमारे पार्टी दफ़्तर पर हिंसक हमला किया। तोड़-फोड़ और अफ़रा-तफ़री, यही बीजेपी का असली चेहरा है। यह बीजेपी की गटर वाली राजनीति में गिरने की शुरुआत है।'

टॉलीगंज के विजयगढ़-नेताजीनगर इलाके में टीएमसी उम्मीदवार और पूर्व मंत्री अरूप

बिस्वास के चुनाव दफ़्तर में भीड़ ने तोड़फोड़ की। भीड़ में से कुछ लोग वहां से जाने से पहले टूटे हुए होर्डिंग को लात मारते हुए भी दिखे। रूबी क्रॉसिंग पर टीएमसी पार्षद सुशांत घोष के दफ़्तर में बीजेपी के झंडे थामे भीड़ ने जमकर तोड़फोड़ की।

टीएमसी के एक्स हैंडल से हिंसा से जुड़े कई पोस्ट किए गए। एक अन्य पोस्ट में कहा गया, 'सत्ता में आते ही बीजेपी का असली चेहरा सामने आ गया है। जलपाईगुड़ी के वार्ड 14 में बीजेपी समर्थित उपद्रवियों ने हमारे तृणमूल कांग्रेस पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ की है। यह तोड़फोड़ और अशांति फैलाने की जान-बूझकर की गई कोशिश ही बीजेपी का असली चेहरा है।'

रिपोर्ट के मुताबिक, आसनसोल में बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने यह आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया कि रानीगंज पंचायत क्षेत्र में पार्टी के एक कार्यकर्ता पर हमला किया गया था। यह विरोध प्रदर्शन जल्द ही हिंसक हो गया, जब आक्रोशित बीजेपी समर्थकों ने तृणमूल कांग्रेस के एक पार्टी दफ़्तर में तोड़फोड़ की और बाद में उसमें आग लगा दी।

इस घटना से पूरे इलाके में भारी तनाव फैल गया, जिसके चलते रानीगंज पुलिस स्टेशन से पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी को तत्काल मौके पर तैनात किया गया। स्थिति को काबू में करने और हिंसा को और बढ़ने से रोकने के लिए केंद्रीय बलों को भी तुरंत मौके पर भेजा गया।

पुलिस ने कहा, 'कोलकाता पुलिस इस तरह के कंटेंट पर कड़ी नज़र रख रही है। गलत जानकारी फैलाने वालों और सार्वजनिक शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

'सारी हदें पार...'

टीएमसी ने कहा, 'बीजेपी ने तो सारी हदें पार कर दी हैं! उन्होंने मानिकतला वार्ड के अध्यक्ष को भी नहीं बख्शा, जो खुद कैंसर के मरीज़ हैं। बेरहमी से उनका सिर फोड़ दिया। आखिर वे रुकने से पहले और कितना खून बहाना चाहते हैं?'

'आसनसोल के TMC दफ्तर में तोड़फोड़'

टीएमसी के आसनसोल दफ़्तर में भी तोड़फोड़ की खबर सामने आई है। टीएमसी ने कहा, 'सत्ता के अहंकार में लोकतंत्र को कुचलने का बीजेपी का गंदा खेल शुरू हो चुका है! नतीजे आते ही, 'भगवा ब्रिगेड' अपना असली रंग दिखाने लगी है। आसनसोल में TMC दफ़्तर में हुई तोड़-फोड़ यह साबित करती है कि लोकतांत्रिक मूल्यों या बुनियादी शिष्टाचार के लिए उनके मन में ज़रा भी सम्मान नहीं है।'

पुलिस ने जारी किया बयान

कोलकाता पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि चुनाव नतीजों के बाद, सोशल मीडिया पर कई गुमराह करने वाली पोस्ट फैलाई जा रही हैं, जिनमें दूसरी जगहों के वीडियो और तस्वीरों को गलत तरीके से कोलकाता से जोड़ा जा रहा है।

चीन ने किया 1000 की स्पीड वाली ट्रेन का टेस्ट...

- कुछ सेकेंड में ही कई शहर पार!

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जो चीन की 1000 किलोमीटर प्रति घंटे से चलने वाली ट्रेन का है। जी हां, चीन 1000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली ट्रेन पर काम कर रहा है और अब चीन ने इसका परीक्षण किया है। सोशल पर दावा किया जा रहा है चीन ने इस खास ट्रेन का एडवांस स्टेड परीक्षण किया है।

ये ट्रेन मैग्नेटिक लेविटेशन वाली वैक्यूम ट्यूब के अंदर 1000 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलती है। इससे 200 किलोमीटर की दूर कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाएगी। ऐसे में जानते हैं कि आखिर ये ट्रेन कितनी खास है और चीन का ये खास प्रोजेक्ट कैसा है?

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें ट्रेन की वैक्यूम ट्यूब को दिखाया जा रहा है और इस ट्रेन के बारे में बताया जा रहा है कि ये कितनी तेज है। ये कई मायनों में एयरप्लेन से भी तेज साबित हो सकती है। ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, ये अल्ट्रा हाई स्पीड लॉ वैक्यूम ट्यूब माग्लेव ट्रांसपोर्ट सिस्टम है। इस ट्रेन सिस्टम की हाई स्पीड 1000 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। बताया जा रहा है कि जब ये ट्रेन चलेगी तो बीजिंग से शंघाई का सफर सिर्फ 90 मिनट में हो जाएगा, जो करीब 1200 किलोमीटर है।

4000 तक स्पीड ले जाने पर काम

अगर भारत के शहरों से हिसाब से लगाया जाए तो दिल्ली से पटना तक की दूरी करीब 1 घंटे में पूरी हो सकती है। इस ट्रेन की खास बात ये है कि इतनी तेज चलने के बाद भी इस हाईस्पीड ट्रेन में पैसेंजर अपने स्मार्टफोन पर अल्ट्रा-हाई-डेफिनिशन वीडियो देख सकते हैं या ऑनलाइन गेम का आनंद ले सकते हैं। इतनी तेज स्पीड होने के बाद भी इसमें 5 जी इंटरनेट भी चलेगा। इसके साथ ही चीन का ये प्लान भी है कि इस ट्रेन की स्पीड को 4000 तक भी किया जाएगा।

लॉरेंस बिश्नोई के हैंडलर की हत्या, रोहित गोदारा गैंग ने ली जिम्मेदारी

नई दिल्ली। कनाडा में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के शूटर और हैंडलर की हत्या की जिम्मेदारी एक सोशल मीडिया पोस्ट में रोहित गोदारा गैंग ने ली है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए रोहित गोदारा नाम के एक यूजर ने दावा किया है कि कनाडा में एक शख्स जिसका का संबंध लॉरेंस बिश्नोई नेटवर्क से था और वह लॉरेंस का मुख्य हैंडलर था।

साथ ही पोस्ट में बताया गया है कि उसकी हत्या की गई है। पोस्ट में कई आरोप भी लगाए गए हैं, जिनमें कनाडा में क्रिकेट सट्टेबाजी/मैच फिक्सिंग से जुड़े नेटवर्क का जिक्र है।

इसमे बताया गया है कि जिस शख्स की हत्या की गई है उसका हाथ मैच फिक्सिंग वाले मामलों में था।

पोस्ट में आगे कई धमकियां भी दी गई हैं। फेसबुक पोस्ट में लिखा गया है कि अगर हमारे दुश्मन को कोई पानी भी पिलाएगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। लिस्ट तैयार है, सबका नंबर आएगा। वक्त का इंतजार करो।

फेसबुक पोस्ट में कहा गया है कि जो लोग फेसबुक पर झूठे गैंगस्टर बनने की कोशिश कर रहे हैं, वे दुनिया में कहीं भी छिप जाएं, उन्हें माफी नहीं मिलेगी। हमारी फेसबुक

वाली लड़ाई नहीं है। पोस्ट में लिखा है कि हम लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने में विश्वास रखते हैं। समझदार बनो, सेफ रहो, जल्द मुलाकात होगी।

बता दें, रोहित गोदारा राजस्थान के बीकानेर के लूणकरण का रहने वाला है और उस पर गंभीर अपराध के कई मामले दर्ज हैं। वह कई सालों से अपराध की दुनिया में जाना पहचाना नाम है। रोहित गोदारा राजस्थान में कारोबारियों से 5 करोड़ से लेकर 17 करोड़ तक की रंगदारी मांग चुका है। उस पर सीकर में गैंगस्टर राजू ठेहट की हत्या का आरोप भी है। सिद्धू मुसेवाला हत्याकांड में भी उसका नाम आया था।

मंत्री ओमप्रकाश राजभर का गनर रेप केस में गिरफ्तार

- शादी का झांसा देकर 4 साल तक किया शोषण

वाराणसी। वाराणसी के सारनाथ थाने की पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के गनर प्रशांत राय को एक महिला के साथ लंबे समय तक दुराचार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी सिपाही ने मूल रूप से अजगरा की रहने वाली पीड़िता से चार साल पहले मेलजोल बढ़ाकर उसे शादी का झांसा दिया और वाराणसी के बेनीपुर में किराए के मकान में साथ रहने लगा। इस दौरान आरोपी ने पीड़िता का यौन शोषण किया और गर्भवती होने पर मिर्जापुर के एक अस्पताल में उसका जबरन गर्भपात करा दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने 4 मई को पूछताछ के बाद यह कार्रवाई की।

शादी के नाम पर किया विश्वासघात

पीड़िता ने अपनी तहरीर में बताया कि

29 वर्षीय प्रशांत राय ने खुद को यूपी पुलिस का जवान बताकर दोस्ती की और फिर शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए। जब पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया, तो आरोपी मुकर गया।

इतना ही नहीं, गर्भवती होने पर प्रशांत ने पीड़िता के साथ मारपीट की और उसकी मर्जी के बिना उसे मिर्जापुर ले जाकर गर्भपात कराया। इस अमानवीय कृत्य के कारण महिला की तबीयत भी काफी बिगड़ गई थी, लेकिन रसूख के नशे में चूर सिपाही उसे धमकाता रहा।

थाने पहुंचते ही खुली सिपाही की पोल

4 मई को हिम्मत जुटाकर पीड़िता सारनाथ थाने पहुंची और आपबीती सुनाई। शिकायत की जानकारी मिलते ही सिपाही प्रशांत राय अपने बड़े भाई के साथ थाने पहुंच गया। एसीपी सारनाथ विदुश सक्सेना के नेतृत्व में जब पुलिस ने उससे कड़ी पूछताछ की, तो वह किसी भी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। साक्ष्यों और पीड़िता के बयानों के आधार पर पुलिस ने उसे तुरंत हिरासत में ले लिया। प्रशांत मूल रूप से मिर्जापुर का रहने वाला है और वर्तमान में मंत्री की सुरक्षा एस्कॉर्ट में तैनात था।

2018 में भर्ती हुआ था आरोपी

प्रशांत राय वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश पुलिस में बतौर सिपाही भर्ती हुआ था। उसकी तैनाती गाजीपुर पुलिस लाइन में थी, जहां से उसे कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की सुरक्षा में गनर के रूप में भेजा गया था। रक्षक से 'भक्षक' बने इस सिपाही की करतूत ने पुलिस विभाग की छवि को भी नुकसान पहुंचाया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके।

जज सुसाइड में केस में पिता का चौंकाने वाला खुलासा

मैं चिल्लाता रहा, बहू ने एक न सुनी और बच्चों को लेकर घर से चली गई

अलवर। दिल्ली में जज अमन शर्मा की आत्महत्या के मामले में आए दिन नए खुलासे हो रहे है। एक तरफ इस घटना ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। वहीं दूसरी ओर लोगों के जहन में केवल एक सवाल है कि आखिर ऐसा क्या हुआ, जो लोगों को न्याय देने वाला व्यक्ति खुद को न्याय नहीं दे पाया और मौत को गले लगा लिया। इस मामले में अमन के पिता ने कई बड़े खुलासे किए है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में अमन व उसकी पत्नी स्वामी के सभी डिवाइस सीज कर दी है।

मैं चिल्लाता रहा, उसने एक न सुनी

पिता ने कहा कि बहू स्वाति से मुझे ऐसी उम्मीद नहीं थी। मुझे नहीं पता था कि वो इतनी निर्दयी हो सकती है। मैं चिल्लाता रहा और उसने मेरी नहीं सुनी और बच्चों को लेकर घर से चली गई। उससे चार कदम की दूरी पर अमन ने उसी के चुनरी से फांसी लगा ली। लेकिन स्वाति के मुंह से एक शब्द नहीं निकाला और उसने अमन को नहीं रोका। पिता ने बताया कि अमन पढ़ाई में हमेशा टॉपर रहे। पुणे के सिम्बिओसिस कॉलेज से उन्होंने एलएलबी की पढ़ाई की। उसके बाद एलएलएम दिल्ली से किया। पहले ही चांस में उनका सिलेक्शन हो गया। दिल्ली न्यायालय में उन्होंने कई बड़े अहम पदों पर अपनी जिम्मेदारियां निभाई।

दिल्ली के सफदरजंग इलाके में जज अमन शर्मा की आत्महत्या के मामले में पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में अमन के पिता प्रेम कुमार शर्मा उनकी बहन सहित अन्य लोगों के बयान दर्ज किए हैं। साथ ही इस मामले में अमन का मोबाइल फोन व लैपटॉप सहित अन्य घर के सभी डिवाइस को जब्त कर लिए है। अमन के पिता प्रेम कुमार शर्मा ने आज तक से बातचीत में बताया कि अमन पढ़ाई में शुरू से ही इंटेलिजेंट था और हमेशा टॉप रहा। अलवर के अलवर पब्लिक स्कूल से उसने अपनी स्कूलिंग की पढ़ाई की। उसके बाद पुणे के सिम्बिओसिस कॉलेज से उसने एलएलबी किया। फिर एलएलएम दिल्ली से की।

पहले ही प्रयास में जज बना थे अमन: पहले ही प्रयास में वो जज बन गया और वो इतना ब्रिलिएंट था कि दिल्ली के न्यायालय में उसको कई बड़ी जिम्मेदारियां मिली। उसने उन जिम्मेदारियां को निभाया। वो हमेशा सभी के साथ घुलमिल कर रहता था। उसका व्यवहार बहुत अच्छा था। पिता ने कहा कि अमन ने स्वामी से शादी अपनी मर्जी से की थी। उसकी लव मैरिज थी। इसलिए वो दोनों के बीच चल रहे विवाद के बारे में किसी को नहीं बता पाया व अंदर ही अंदर घुटता रहा। उन्होंने कहा कि वो सबसे ज्यादा अपनी बहन से बातचीत किया करता था। लेकिन उसकी बात बताने के बाद वो कहता था कि इसके बारे में मम्मी पापा को मत बताना, नहीं तो तू मेरा मरा मुंह देखेगी। इसलिए डर के कारण वो भी घर पर कुछ नहीं बताती थी।

प्रेम कुमार शर्मा ने कहा कि तीन-चार महीने से स्वाति व अमन के बीच कुछ चल रहा था। अमन परिवार से थोड़ा कटने लगा था। वह परिवार से बातचीत कम करता था। स्वाति और उसकी बहन ने अमन को इस कदर परेशान कर रखा था कि वो अंदर ही अंदर घुटता रहा। उन्होंने कहा कि उनको उम्मीद नहीं थी कि स्वाति इतनी निर्दयी हो सकती है कि उसके पति ने उसकी ही चुन्नी लेकर चार कदम दूरी पर आत्महत्या की और वो कुछ नहीं बोली व चुपचाप देखती रही। जब अमन की सांसे रुक गई तो वो कमरे से बाहर निकाल कर आई।

अगर वो बताती तो मैं बेटे को बचा लेता: अगर वो समय रहते कमरे से बाहर आती और मुझे बताती तो मैं मेरे बेटे को बचा सकता था। पिता ने कहा कि मुझे सबसे बड़ा दुख यह है कि मैं घर पर मौजूद था और मेरे सामने ही मेरे बेटे ने आत्महत्या कर ली और मैं उसे बचा नहीं पाया।

लव मैरिज से भड़के युवती के भाइयों ने जीजा को फेंका ट्रेन के आगे

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर से एक नृशंस हत्या का मामला सामने आया है। दरअसल, यहां के स्योहारा कस्बे के गांव जुझैला निवासी दलित समाज के युवक गुलशन का गांव रहटोली की रहने वाली एक युवती से पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध चल रहा था। वे दोनों आपस में शादी भी करना चाहते थे लेकिन दोनों की जातियां अलग-अलग होने के कारण परिजन इसके लिए तैयार नहीं थे समाज में इज्जत की खातिर लड़की के परिजनों ने कई बार गुलशन और अपनी बेटी को भी समझाया और प्रेम संबंध समाप्त करने के लिए बाध्य किया लेकिन दोनों इसके लिए तैयार नहीं हुए।

अभी एक हफ्ते पहले दोनों ने परिवार की चोरी से कोर्ट मैरिज कर ली और कोर्ट मैरिज करने के बाद युवती चुपचाप अपने परिवार के पास जाकर रहने लगी। लेकिन जब परिवार को यह पता लगा कि दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली है तो उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने इसके लिए अपनी बेटी के प्रेमी को ही रास्ते से हटाने का निर्णय लिया

और योजनाबद्ध तरीके से उसकी हत्या करने की ठान ली। जब 29/ 30 अप्रैल की रात को वह जब अपनी प्रेमिका से मिलने उसके गांव पहुंचा तो वहां पहले से घात लगाए लड़की के भाई अतर सिंह, पुष्पेंद्र और रजनीश सैनी ने अपने और 10 से 12 साथियों के साथ मिलकर गुलशन को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई करते हुए उसे गांव के पास से गुजर रही रेलवे लाइन पर ले गए। उन्होंने सामने से आ रही देहरादून हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के सामने उसे धक्का देकर उसकी हत्या कर दी।

चीन के पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट

धमाके के बाद 21 लोगों की मौत, कई घायल

नई दिल्ली। चीन की एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट होने से 21 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 61 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इस घटना के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

यह घटना चीन के हुनान प्रांत की बताई जा रही है। विस्फोट के बाद मौके पर फायरफाइटर्स, रेस्क्यू कर्मी और मेडिकल स्टाफ तैनात किए गए।

रॉयटर्स के मुताबिक, यह विस्फोट सोमवार शाम को हुआ। वहीं इस घटना के बाद से चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो रहे वीडियो में एक बड़े इलाके से घना धुआं उठता दिखाई दे रहा है, जहां इमारतें ढह गई हैं और मलबा बिखरा हुआ है। हालांकि, इन वीडियो के सच होने की पुष्टि अभी तक नहीं की गई है।

होर्मुज पर तनाव से चीन परेशान

रिपोर्ट के अनुसार, यह विस्फोट हुआशेंग फायरवर्क्स मैन्युफैक्चरिंग एंड डिस्प्ले कंपनी में हुआ है। शी जिनपिंग ने विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए हैं और इस घटना के लिए

कड़ी जवाबदेही तय करने को कहा है।

उन्होंने अधिकारियों को प्रमुख उद्योगों में जोखिम की जांच, आपदा नियंत्रण को मजबूत करने, सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने के साथ-साथ लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा बेहतर करने के लिए भी कहा है।

ट्रंप की निवेश योजनाएं अटकी, कई कंपनियां भी कदम खींच रहीं पीछे

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा ने अमेरिका की बड़ी आर्थिक योजनाओं को झटका दे दिया है। पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की मुलाकात के बाद जो नई शुरुआत दिखी थी, वह अब जमीन पर कमजोर पड़ती नजर आ रही है। खनिज संपदा से भरपूर इस क्षेत्र में निवेश की उम्मीदें थीं, लेकिन लगातार हमलों ने हालात बिगाड़ दिए हैं। ट्रंप प्रशासन ने चीन को टक्कर देने के लिए पाकिस्तान के खनन क्षेत्र में निवेश का जोखिम उठाया था। सितंबर 2025 में दोनों देशों के बीच रिश्ते मजबूत करने की कोशिश हुई और 1.3 अरब डॉलर के निवेश का रास्ता खुला। लेकिन बलूच लिबरेशन आर्मी के बढ़ते हमलों ने इन योजनाओं को रोक दिया। जनवरी से लगातार हमलों के कारण अमेरिका अब यहां निवेश करने से पीछे हटता दिख रहा है।

क्या विद्रोह ने विदेशी योजनाओं को खत्म कर दिया?

बलूचिस्तान में विद्रोह अब नया रूप ले चुका है। पहले जहां स्थानीय नेतृत्व था, अब शिक्षित युवाओं की भागीदारी बढ़ गई है। उनका आरोप है कि उनकी जमीन और संसाधनों का शोषण हो रहा है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के मुताबिक, पिछले एक साल में 1200 से ज्यादा लोग लापता हुए हैं। इन हालातों ने इस क्षेत्र को विदेशी निवेश के लिए जोखिम भरा बना दिया है और इसे बाहरी महत्वाकांक्षाओं का कब्रिस्तान कहा जाने लगा है।

क्या हिंसा ने निवेश की राह पूरी तरह रोक दी?

बलूचिस्तान में हालात तेजी से बिगड़े हैं। 31 जनवरी को हुए बड़े हमले में करीब 500 लड़ाकों ने 58 लोगों की जान ले ली। इसके बाद से कई हमले हुए, जिनमें सैन्य ठिकानों और नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचा। इन घटनाओं के कारण विदेशी निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है और कई कंपनियां अपने कदम पीछे खींच रही हैं।

प्रथम पेज का शेष

इस्तीफा नहीं दूंगी, हम हारे नहीं...

मैं कुछ देर बाहर खड़ी रही। उन्होंने मेरे पेट और पीठ पर लात मारी। मुझे धक्का देकर निकाला।

ममता ने कहा कि दुख की बात है कि इस चुनाव में मुख्य चुनाव आयुक्त लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों और ईवीएम को लूटने में विलेन बन गए। हमने पूरे सिस्टम के खिलाफ लड़ाई लड़ी। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री भी इसमें सीधे तौर पर शामिल हैं। एसआईआर में 90 लाख नाम हटा दिए गए थे। जब हम कोर्ट गए, तब 32 लाख नाम वापस जोड़े गए। उन्होंने बहुत गंदे और चालाक तरीके अपनाए। ममता ने कहा कि चुनाव से दो दिन के पहले भाजपा ने बंगाल में लोगों की गिरफ्तारियां शुरू करवा दीं। भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर ये पूरा गेम खेल रही थी। पीएम मोदी और अमित शाह ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर 93 लाख लोगों के नाम एसआईआर से काट दिए। मैंने अपने जीवन में ऐसा चुनाव कभी नहीं देखा। मैं 2004 में अकेली थी, लेकिन ऐसा कभी नहीं देखा। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे और अखिलेश यादव सभी ने मुझसे फोन पर बात की। मैंने उन्हें स्पष्ट किया कि मैं इंडी गठबंधन के साथ हूं।

तमिलनाडु में सरकार बनाने की ...

हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई आखिरी फैसला नहीं लिया है। अन्य क्षेत्रीय दल, जैसे कि विदुथलाई चिरुथइगल काची (VCK) और देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कज़गम (DMDK) अपने अगले कदम उठाने से पहले अंतिम नतीजों का इंतज़ार कर रहे हैं। जैसे-जैसे गठबंधन को लेकर बातचीत तेज़ हो रही है, अब सभी की नज़रें इस बात पर टिकी हैं कि क्या विजय बहुमत का आंकड़ा पार करने और तमिलनाडु में अगली सरकार बनाने के लिए ज़रूरी संख्या जुटा पाएंगे।

राघव चड्ढा बोले- हमारे पास 21...

चड्ढा ने चेतावनी भी दी कि आप डेंजरस गेम खेल रही, इसका अंत खतरनाक होगा। आप के पास 1 राज्य की पुलिस है लेकिन हमारे (बीजेपी) के पास 21 राज्यों की पुलिस है। चड्ढा ने कहा कि मुझे टारगेट करने की तैयारी है। सांसद संदीप पाठक ने कहा कि वह सिर पर कफन बांधकर निकले हैं, एफआईआर से डरने वाले नहीं हैं। सीएम मान ने मीडिया से बातचीत में चड्ढा की बातों पर कहा कि 21 राज्यों की पुलिस से क्या हमें धमकी दे रहे, हमारे खिलाफ 21 पर्चे कराएंगे। टारगेट करने की बात पर मान ने कहा कि बारी सबकी आएगी लेकिन सब कानूनी तरीके से ही होगा।

पीआईएल अब पैसा इंटरेस्ट...

एसोसिएशन के वकील ने दलील दी कि पीआईएल जून 2006 में छपे चार अखबारों के आर्टिकल पर आधारित थी। इस पर सीजेआई ने कहा कि इसे सीधे खारिज कर देना चाहिए था। यह आर्टिकल जनहित याचिका फाइल करने का कारण कैसे बताता है। पीआईएल फाइल करने के लिए आर्टिकल लिखवाना आसान है। पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन अब प्राइवेट इंटरेस्ट लिटिगेशन, पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटिगेशन, पैसा इंटरेस्ट लिटिगेशन और पॉलिटिकल इंटरेस्ट लिटिगेशन बन गई हैं।

यूएई में 3 भारतीयों के घायल होने ...

मुताबिक, फुजैराह यूएई के लिए बहुत जरूरी जगह है। यहां से देश का बड़ा हिस्सा तेल बाहर भेजा जाता है। यहां मौजूद हबशन फुजैराह पाइपलाइन यूएई के करीब आधे से ज्यादा तेल निर्यात को संभालती है। इसकी खास बात यह है कि यहां से तेल होर्मुज से गुजरे बिना सीधे दुनिया तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर यह हमला ईरान ने किया है, तो इसका मतलब है कि वह यूएई को यह दिखाना चाहता है कि वह उसके सबसे जरूरी आर्थिक ठिकानों को भी निशाना बना सकता है। ईरान ने कहा कि अमेरिका ने होर्मुज में जो नया समुद्री रास्ता बताया जा रहा है, वह सुरक्षित नहीं है। यह रास्ता पत्थरों से भरा हुआ और उथला है, जिससे जहाजों के लिए खतरा बढ़ गया है। अमेरिका के लीडरशिप वाले जॉइंट मैरिटाइम इन्फॉर्मेशन सेंटर ने जहाजों को सलाह दी है कि वे ओमान के समुद्री इलाके से होकर गुजरें, जहां एक सुरक्षित क्षेत्र बनाया गया है।

पद्मश्री फूलबासन बाई की किडनैपिंग

सहायता समूहों से भी जुड़ी है। उस पर बेमेतरा इलाके में रोजगार ट्रेनिंग के नाम पर महिलाओं से अवैध वसूली के आरोप भी है। पुलिस का आशंका है कि, यह अपहरण किसी बड़ी आर्थिक उगाही या आपराधिक साजिश का हिस्सा हो सकता है। उन पर हुए इस हमले के बाद सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

फूलबासन बाई को उचित सुरक्षा दी जाए- देवेंद्र यादव: वहीं कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की शान, पद्मश्री सम्मानित फूलबासन बाई के साथ अपहरण की कोशिश बेहद चिंताजनक है। यह घटना साफ दर्शाती है कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब एक पद्मश्री सम्मानित महिला खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रही हैं, तो आम बहनों-बेटियों की सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

इस जोड़ी से सीखने की जरूरत

भी अपनी बात रखी है। उन्होंने कहाकि इस पुरातन पार्टी को अब आत्मनिरीक्षण की जरूरत है। अगर हम केरल में ऐसा कर सकते हैं तो फिर दूसरी जगहों पर ऐसा क्यों नहीं हो सकता है? थरूर ने कहाकि यह एक बड़ा सबक है, जो कांग्रेस पार्टी को सीखना होगा। गौरतलब है कि पांच वर्ष पहले की करारी हार से उबरते हुए कांग्रेस-नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने सोमवार को केरल में नाटकीय और ऐतिहासिक वापसी की। नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में भारी जनादेश हासिल किया और राज्य की राजनीति में अपना वर्चस्व फिर स्थापित किया।

शराब घोटाला: आप नेताओं का...

होता है। 20 अप्रैल को जस्टिस शर्मा ने खुद को मामले से अलग करने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इसके बाद केजरीवाल और सिसोदिया ने अदालत को पत्र लिखकर कहा कि वे न तो व्यक्तिगत रूप से और न ही वकील के जरिए पेश होंगे। उन्होंने अपने रुख को महात्मा गांधी के सत्याग्रह के मार्ग पर चलना बताया और न्यायिक प्रक्रिया का बहिष्कार करने का फैसला लिया। इससे पहले 27 फरवरी को एक ट्रायल कोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया था।

ज्येष्ठ माह व्रत-त्योहार

निर्जला एकादशी और गंगा दशहरा सहित इस महीने आएंगे 5 बड़े पर्व

ज्येष्ठ माह को जेठ का महीना भी कहा जाता है, जो हिंदू कैलेंडर का तीसरा महीना है। इस बार ज्येष्ठ माह की शुरुआत 2 मई से हो रही है, जो 29 जून तक चलने वाला है। यह महीना इसलिए भी खास है, क्योंकि इसी में निर्जला एकादशी व्रत से लेकर बड़ा मंगल तक मनाया जाता है। चलिए पढ़ते हैं ज्येष्ठ माह में कौन-कौन से प्रमुख व्रत-त्योहार पड़ रहे हैं।

बड़ा मंगल

ज्येष्ठ माह में आने वाले मंगलवार को बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल कहा जाता है। इस दिन पर हनुमान जी की पूजा विशेष महत्व रखती है, क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ज्येष्ठ महीने के एक मंगलवार को ही भगवान राम और भगवान हनुमान की पहली भेंट (मुलाकात) हुई थी। अधिकमास होने के कारण इस बार ज्येष्ठ माह में 8 बड़े मंगल पड़ रहे हैं। पहला बड़ा मंगल 5 मई को पड़ रहा है। वहीं आखिरी यानी आठवें बड़े मंगल का व्रत 23 जून को किया जाएगा।

वट सावित्री व्रत और शनि जयंती

ज्येष्ठ माह में आने वाली अमावस्या तिथि पर सुहागिन महिलाओं द्वारा वट सावित्री व्रत किया जाता है, जो इस बार 16 मई को किया जाएगा। माना जाता है कि सुहागिन महिलाओं द्वारा इस व्रत करो करने से उन्हें अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही इस दिन पर शनि अमावस्या भी पड़ रही है, जो हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखती है।

गंगा दशहरा

ज्येष्ठ माह में मनाए जाने वाला गंगा दशहरा एक महत्वपूर्ण तिथि है, जो इस बार 25 मई को मनाई जाएगी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल की दशमी तिथि पर ही मां गंगा देवलोक से धरती पर अवतरित हुई थीं। इस तिथि को गंगा स्नान, दान, जप-तप, उपासना और उपवास के लिए उत्तम माना गया है।

निर्जला एकादशी व्रत

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर निर्जला एकादशी का व्रत किया जाता है, जिसे भीमसेनी एकादशी भी कहते हैं। इस बार यह व्रत गुरुवार, 25 जून को किया जाएगा। साल की सभी 24 एकादशियों में से निर्जला एकादशी सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण मानी गई है, क्योंकि इस दिन निर्जला व्रत करने से श्रद्धालु को साल की सभी चौबीस एकादशियों के उपवास रखने के समान फल मिलता है।

ज्येष्ठ माह 2026: 5 प्रमुख त्योहार

- 16 मई: शनि जयंती
- 16 मई: वट सावित्री व्रत
- 25 मई: गंगा दशहरा
- 25 जून: निर्जला एकादशी
- 27 जून: ज्येष्ठ (वट) पूर्णिमा

वट सावित्री की पूजा में बरगद

को अर्पित करें 4 चीजें, मिलेगा व्रत का पूरा फल

हिंदू धर्म में सुहागिन महिलाओं के लिए वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व है। ज्येष्ठ माह की अमावस्या को मनाया जाने वाला यह पर्व पति की लंबी आयु, बेहतर स्वास्थ्य और वैवाहिक जीवन में सुख-शांति का प्रतीक है। इस बार यह पावन व्रत सोमवार, 16 मई को रखा जाएगा। चलिए जानते हैं कि इस दिन पूजा में आप किन चीजों को अर्पित करके लाभ पा सकते हैं।

क्यों खास है यह व्रत?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन माता सावित्री ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और पतिव्रत धर्म के बल पर यमराज को उनके पति सत्यवान के प्राण लौटाने पर मजबूर कर दिया था। माना जाता है कि यमदेव ने बरगद (वट) के पेड़ के नीचे ही सत्यवान को पुनर्जीवन दिया था। इसीलिए इस दिन पर विशेष तौर से वट वृक्ष की पूजा को साक्षात ईश्वर की आराधना माना जाता है।

जरूर अर्पित करें ये चीजें

वट सावित्री व्रत के दिन वट वृक्ष की पूजा के दौरान सूती वस्त्र, लाल फूल, सिंदूर, कच्चा सूत, अक्षत (अटूट चावल), जनेऊ, चंदन और पान-सुपारी अर्पित करने चाहिए। इसके बाद पेड़ के पास घी का दीपक जलाएं और अपनी श्रद्धा के अनुसार, पेड़ के चारों ओर 7 या 108 बार परिक्रमा करते हुए कच्चा सूत या मौली (लाल/पीला धागा) लपेटें। ऐसा करने से वैवाहिक संबंध मजबूत होते हैं।

माता सावित्री को अर्पित करें श्रृंगार

व्रत के दौरान केवल पेड़ की ही नहीं, बल्कि माता सावित्री की भी विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। माता को सिंदूर, कुमकुम, मेहंदी, चूड़ियां और बिंदी जैसी श्रृंगार की सामग्री जरूर चढ़ाएं। मान्यता है कि माता सावित्री को सुहाग का सामान चढ़ाने से व्रती महिला को 'अखंड सौभाग्य' का आशीर्वाद मिलता है।

अखंड सौभाग्य पाने का मौका

ज्येष्ठ माह में 2 बार रखा जाता है वट सावित्री व्रत

पौराणिक कथाओं व मान्यताओं के अनुसार, सावित्री ने यमदेव को उसके पति सत्यवान के प्राण को लौटाने के लिए विवश कर दिया था। इसलिए विवाहित महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए वट सावित्री व्रत करती हैं।

इस दिन विशेष रूप से बरगद के पेड़ की पूजा-अर्चना की जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि ज्येष्ठ माह में वट सावित्री व्रत दो बार क्यों रखा जाता है? चलिए जानते हैं इसके पीछे का कारण।

वट सावित्री व्रत का महत्व

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, सावित्री ने मृत्यु के देवता भगवान यम को अपने पति सत्यवान के प्राण को लौटाने पर विवश किया था। इसलिए विवाहित महिलाएं अपने पति की सकुशलता और लंबी उम्र की कामना से वट सावित्री व्रत का पालन करती हैं। माना जाता है कि इस व्रत को करने से अंखड सौभाग्य का आशीर्वाद तो मिलता ही है, साथ ही यह व्रत पति-पत्नी के रिश्तों को मजबूत कर है, वैवाहिक जीवन की परेशानियों को दूर करता है।

ये है दो बार व्रत का मुख्य कारण

तिथि और क्षेत्रों के भेद के कारण वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ माह में दो बार यानी एक ज्येष्ठ माह की अमावस्या और ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि पर किया जाता है। इसके साथ ही क्षेत्रीय मान्यताओं, पंचांगों के मतभेद और पौराणिक मान्यताओं में अंतर भी इसके प्रमुख कारण हैं।

जहां उत्तर भारत जैसे यूपी, बिहार आदि में पूर्णिमांत कैलेंडर के आधार पर ज्येष्ठ माह की अमावस्या पर वट सावित्री का व्रत किया जाता है, वहीं पश्चिम/दक्षिण भारत जैसे महाराष्ट्र और गुजरात आदि राज्यों में अमांत कैलेंडर के आधार पर पूर्णिमा को यह व्रत रखा जाता है।

वट सावित्री पूजा की विधि और शुभ मुहूर्त

ज्येष्ठ महीने में आने वाला वट सावित्री व्रत शादीशुदा महिलाओं के लिए खास माना जाता है। यह व्रत पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन के लिए रखा जाता है। हर साल यह व्रत ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को किया जाता है।

ज्येष्ठ महीने में आने वाला वट सावित्री व्रत शादीशुदा महिलाओं के लिए खास माना जाता है। यह व्रत पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन के लिए रखा जाता है। हर साल यह व्रत ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन देवी सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस ले लिए थे। इस वजह से यह व्रत अखंड सौभाग्य से जुड़ा माना जाता है। महिलाएं इस दिन व्रत रखकर बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं और उसकी परिक्रमा करती हैं। साथ ही अपने पति की लंबी उम्र और खुशहाल जीवन की कामना करती हैं।

16 मई को रखा जाएगा व्रत

साल 2026 में वट सावित्री व्रत 16 मई, शनिवार को रखा जाएगा। पंचांग के अनुसार, अमावस्या तिथि 16 मई को सुबह 5 बजकर 11 मिनट से शुरू हो रही है और 17 मई को रात 1 बजकर 30 मिनट तक रहेगी। उदयातिथि के हिसाब से व्रत 16 मई को ही मान्य रहेगा।

बरगद के पेड़ की पूजा होती है

इस दिन महिलाएं व्रत रखकर वट यानी बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं। साथ ही देवी सावित्री और सत्यवान का स्मरण किया जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से दांपत्य जीवन में स्थिरता और सुख बना रहता है।

व्रत के दिन बन रहे हैं कई शुभ योग

इस बार व्रत के दिन कुछ अच्छे योग भी बन रहे हैं। 16 मई को सुबह से लेकर करीब 10 बजकर 26 मिनट तक सौभाग्य योग रहेगा। इसके बाद शोभन योग शुरू हो जाएगा। दोनों ही योग शुभ माने जाते हैं, इसलिए इस दिन पूजा का महत्व और बढ़ जाता है।

नक्षत्र- सुबह से शाम करीब 5 बजकर 30 मिनट तक भरणी नक्षत्र रहेगा। इसके बाद कृत्तिका नक्षत्र शुरू होगा।

मुहूर्त- इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 7 मिनट से 4 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। सूर्योदय करीब 5 बजकर 30 मिनट पर होगा।

शुभ समय सुबह 7 बजकर 12 मिनट से 8 बजकर 54 मिनट तक माना गया है। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11 बजकर 50 मिनट से 12 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। दोपहर में चर मुहूर्त 12 बजकर 18 मिनट से 2 बजे तक रहेगा, जिसमें भी पूजा की जा सकती है।

अपरा एकादशी पूजा का शुभ मुहूर्त और धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व माना जाता है और ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को अपरा एकादशी कहा जाता है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है और इसे पापों से मुक्ति दिलाने वाली एकादशी के रूप में जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से व्रत और पूजा करने से व्यक्ति को जीवन के कष्टों से राहत मिलती है और पुण्य फल की प्राप्ति होती है। वहीं इस साल दो दिन एकादशी पड़ने की वजह से अपरा एकादशी को लेकर संशय बना हुआ है। आइए जानते हैं कब है अपरा एकादशी तिथि और पूजा का शुभ मुहूर्त...

अपरा एकादशी 2026 तिथि

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि पर अपरा एकादशी व्रत किया जाता है। इस तिथि की शुरुआत 12 मई को दोपहर 02 बजकर 52 मिनट पर होगी। वहीं, समापन 13 मई को दोपहर 01 बजकर 29 मिनट पर होगा। ऐसे में 13 मई को अपरा एकादशी मनाई जाएगी।

अपरा एकादशी शुभ मुहूर्त 2026

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 08 मिनट से 04 बजकर 50 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 33 मिनट से 03 बजकर 27 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 07 बजकर 02 मिनट से 07 बजकर 23 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात 11 बजकर 56 मिनट से 12 बजकर 38 मिनट तक

अपरा एकादशी का धार्मिक महत्व

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, अपरा एकादशी का व्रत करने से मनुष्य को अश्वमेध यज्ञ, तीर्थ स्नान और दान के बराबर पुण्य फल मिलता है। यह व्रत विशेष रूप से उन लोगों के लिए लाभकारी माना गया है, जिन्होंने जीवन में किसी प्रकार के पाप या गलत कर्म किए हों और वे उनसे छुटकारा पाना चाहते हों। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु की पूजा, व्रत कथा का श्रवण और दान-पुण्य करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

डिसक्लेमर- इस लेख को विभिन्न माध्यमों जैसे ज्योतिषियों, पंचांग, मान्यताओं या फिर धर्मग्रंथों से संग्रहित कर ये जानकारियां आप तक पहुंचाई गई हैं। हमारा उद्देश्य महज सूचना पहुंचाना है। इसके सही और सिद्ध होने की प्रामाणिकता नहीं दे सकते हैं। इसके किसी भी तरह के उपयोग करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

गंगा दशहरा

इस पवित्र नदी का पौराणिक महत्व और कथा

आज गंगा दशहरा है। यह पर्व ज्येष्ठ शुक्ल दशमी तिथि को मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन गंगा का अवतरण धरती पर हुआ था। इस दिन गंगा स्नान, गंगा जल का प्रयोग और दान करना विशेष लाभकारी होता है। इस दिन गंगा की आराधना करने से पापों से मुक्ति मिलती है। व्यक्ति को मुक्ति मोक्ष का लाभ मिलता है।

गंगा का पौराणिक महत्व

माना जाता है कि गंगा का जन्म भगवान विष्णु के पैरों से हुआ था। साथ ही, यह शिव जी की जटाओं में निवास करती हैं। शिवजी ने अपनी जटाओं को सात धाराओं में विभाजित कर दिया। ये धाराएं हैं- नलिनी, ह्रदिनी, पावनी, सीता, चक्षुष, सिंधु और भागीरथी। भागीरथी ही गंगा हुई और मोक्षदायिनी मानी गई।

गंगा दशहरा पर क्या करें?

इस दिन किसी पवित्र नदी या गंगा नदी में स्नान करें। घी मिश्रित तिल और गुड़ को या तो जल में डालें या पीपल के नीचे रख दें। मां गंगा का ध्यान करके उनकी पूजा करें। उनके मंत्रों का जाप करें। पूजन में जो भी सामग्री प्रयोग करें उनकी संख्या 10 होनी चाहिए। विशेष रूप से 10 दीपक का प्रयोग करें। दान भी दस ब्राह्मणों को करें। लेकिन ब्राह्मणों को दिए जाने वाले अनाज सोलह मुट्ठी होने चाहिए

कैसे हुआ मां गंगा का अवतरण?

एक बार महाराज सगर ने व्यापक यज्ञ किया। उस यज्ञ की रक्षा का भार उनके पौत्र अंशुमान ने संभाला। इंद्र ने सगर के यज्ञीय अश्व का अपहरण कर लिया। यह यज्ञ के लिए विघ्न था। परिणाम स्वरूप अंशुमान ने सगर की साठ हजार प्रजा लेकर अश्व को खोजना शुरू कर दिया।

जांजगीर-चांपा में 50 लोगों की घर वापसी

जांजगीर-चांपा। शिवरीनारायण के समीप स्थित श्री राम मिलेंगे आश्रम तेंदुआ धाम में आयोजित नौ दिवसीय रामकथा के दौरान सोमवार को जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के सान्निध्य में एक विशेष कार्यक्रम में लगभग 50 लोगों ने सनातन संस्कृति के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त करते हुए पुनः घर वापसी का संकल्प लिया। इस आयोजन में अखिल भारतीय घर वापसी प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहा, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण और अपनी जड़ों से पुनः जुड़ने का सशक्त प्रतीक बनकर सामने आया।

ड्राइवर ने एसईसीएल कर्मी की पत्नी को किडनैप किया

सूरजपुर। जिले में ड्राइवर ने एसईसीएल के रिटायर्ड कर्मचारी की पत्नी को किडनैप किया। दरअसल महिला के पति को रिटायरमेंट के 50 लाख से भी ज्यादा रकम मिले थे, इसी बात की जानकारी ड्राइवर को पहले से थी। उसने पैसों के लालच में अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात की। 29 अप्रैल को 3 साथी घर में घुसे, उन्होंने पीने के लिए पानी मांगने के बहाने से बात की। इसके बाद मौका देखकर ललिता कुजूर (62) को पकड़ा, मुंह-आंख पर टेप लगाया और अपने साथ ले गए। इसके बाद पति को कॉल कर 22 लाख फिरौती मांगी। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। 4 दिन बाद पुलिस ने 2 आरोपियों को पकड़ा है, 1 फरार की तलाश जारी है। मामले की जानकारी मिलते ही डीआईजी और एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने इसे गंभीरता से लिया। उन्होंने तुरंत अगवा महिला को ढूंढने और आरोपियों को पकड़ने के लिए 3 पुलिस टीम बनाई। पुलिस टीमों ने मौके पर जाकर जांच की और आसपास के इलाकों में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया।

रायपुर में पानी पर सख्ती...अवैध कनेक्शन पर होगी कार्रवाई

बिना मंजूरी बल्क कनेक्शन पर रोक, जीपीएस के बिना नहीं चलेंगे टैंकर

रायपुर। रायपुर में गर्मी के बीच पेयजल संकट को देखते हुए नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप ने समीक्षा बैठक में साफ कर दिया है कि अब बिना मंजूरी के दिए गए बल्क कनेक्शन और पानी की बर्बादी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में सामने आया कि पानी की उपलब्धता का सही आकलन किए बिना बड़ी संख्या में बल्क कनेक्शन दे दिए गए, जिसका खामियाजा अब आम लोगों को उठाना पड़ रहा है। कई इलाकों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा। महापौर मीनल चौबे ने निर्देश दिए कि अब कोई भी नया बल्क कनेक्शन एमआईसी की अनुमति के बिना जारी नहीं होगा। साथ ही गर्मी के मौसम में पेयजल के दुरुपयोग पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध कनेक्शन पर कार्रवाई, सभी को पानी देना जिम्मेदारी

महापौर ने साफ कहा कि जितने भी वैध नल कनेक्शन हैं, उनमें नियमित और पर्याप्त पानी पहुंचाना निगम की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही सभी अवैध कनेक्शनों की पहचान कर कार्रवाई करने और उन्हें टैक्स दायरे में लाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि राजस्व भी बढ़ सके।

पंप जब्त होंगे

गर्मी के दौरान पानी खींचने के लिए अवैध रूप से पंप का उपयोग करने वालों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी है। ऐसे पंपों को जब्त करने और अवैध निर्माणों पर नोटिस जारी कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अंतिम छोर तक पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

जीपीएस के बिना नहीं चलेंगे टैंकर

आयुक्त विश्वदीप ने टैंकर सप्लाई में पारदर्शिता लाने के लिए सख्त निर्णय लिया है। अब बिना जीपीएस सिस्टम के कोई भी टैंकर पानी की सप्लाई नहीं करेगा। यदि पानी की अवैध बिक्री की शिकायत मिलती है, तो संबंधित अधिकारी को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाएगा। आयुक्त ने सभी पानी टंकियों को प्रतिदिन पूर्ण रूप से भरने और उनकी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मई माह में बढ़ने वाली शिकायतों को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को सतर्क रहने और जल आपूर्ति व सफाई से जुड़ी हर शिकायत का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया है। नगर निगम ने स्पष्ट कर दिया है कि जल संकट को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर जोन में अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

छत्तीसगढ़ सेक्रेटरी का फेक साइन कर 1.5 करोड़ ठगे

- **टीचर-चपरासी ने फर्जी जॉब लेटर व्हाट्सऐप पर वायरल किया, लोगों से पैसे लिए; अरेस्ट**

रायपुर। राजधानी रायपुर में टीचर और चपरासी ने मिलकर 34 लोगों से 1.5 करोड़ रुपए की ठगी की है। आरोपियों ने गवर्नमेंट जॉब का फर्जी नियुक्ति आदेश तैयार कर सोशल मीडिया पर वायरल किया, इसके झांसे में आकर कई बेरोजगारों ने पैसे दे डाले, जब नौकरी नहीं लगी तो थाने पहुंचे।

मामला राखी थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव में ठगी की प्लानिंग की थी। फर्जी आदेश में सचिव और उप-सचिव के डिजिटल हस्ताक्षरों का भी इस्तेमाल किया गया था। आरोपियों की पहचान डोंगरगढ़ के रहने वाले राजेश शर्मा और मनोज कुमार श्रीवास्तव के रूप में हुई है। राजेश सरकारी शिक्षक है, जबकि मनोज प्राइवेट स्कूल का क्लर्क है।

सामान्य प्रशासन विभाग के नाम पर तैयार किया आदेश

जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने सामान्य प्रशासन विभाग के नाम से फर्जी आदेश तैयार किया था। इस आदेश में परिवहन, राजस्व, वन, पंचायत और स्कूल शिक्षा विभाग में भर्ती का जिक्र किया गया था। आदेश को असली दिखाने के लिए सचिव और उप-सचिव के डिजिटल हस्ताक्षर का भी दुरुपयोग किया गया। यह फर्जी आदेश सोशल मीडिया, खासकर व्हाट्सऐप पर वायरल किया गया, जिसके जरिए बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे मोटी रकम वसूली गई, लेकिन उनकी नौकरी नहीं लगी। इसके बाद पीड़ितों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की।

मोबाइल डेटा के आधार पर आरोपियों की पहचान

जांच के दौरान तकनीकी सबूतों और मोबाइल डेटा के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की। दोनों आरोपी डोंगरगढ़ के रहने वाले हैं। इनमें राजेश शर्मा शासकीय शिक्षक है, जबकि मनोज कुमार श्रीवास्तव निजी स्कूल में क्लर्क है। पुलिस टीम ने डोंगरगढ़ पहुंचकर दोनों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव के कारण उन्होंने यह ठगी की योजना बनाई थी। कंप्यूटर के जरिए फर्जी नियुक्ति आदेश तैयार कर उसे मोबाइल के माध्यम से लोगों तक भेजा जाता था।

आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कंप्यूटर सेट, प्रिंटर और अन्य डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं। मामले में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और अन्य संभावित पीड़ितों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि किसी भी सरकारी नौकरी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ऑफर से सावधान रहें।

150 स्वच्छता दीदियों को 4 महीने से सैलरी नहीं मिली

- **रायपुर में काम जारी, भुगतान रुका; निगम का चक्कर काट रही, अब नेता-प्रतिपक्ष से मुलाकात**

रायपुर। रायपुर में स्वच्छता व्यवस्था संभालने वाली 150 स्वच्छता दीदियां पिछले 4 महीने से वेतन का इंतजार कर रही हैं। स्वच्छता दीदियों का कहना है कि, स्वच्छता सर्वेक्षण के बीच वो लगातार काम कर रही हैं, लेकिन भुगतान नहीं हुआ। आज स्वच्छता दीदियों का एक प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्या लेकर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी से मिला। महिलाओं ने बताया कि वे सूखा-गीला कचरा अलग करने से लेकर राजस्व वसूली तक में योगदान दे रही हैं, इसके बावजूद उन्हें चार महीने से वेतन नहीं मिला है।

निगम प्रशासन और महापौर से भी लगा चुकी हैं गुहार : महिलाओं के मुताबिक, वे इस मुद्दे को लेकर कई बार निगम प्रशासन और महापौर से भी गुहार लगा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। इससे उनकी आर्थिक स्थिति पर सीधा असर पड़ रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने जल्द भुगतान का कराने दिया आश्वासन : मामला सामने आने के बाद नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने कहा कि एक तरफ सरकार महिला सशक्तिकरण की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को समय पर वेतन नहीं मिल रहा।

टूरिज्म बोर्ड की महिला अधिकारी से सेक्स की डिमांड

रायपुर। रायपुर में टूरिज्म बोर्ड की महिला अधिकारी से फोन पर सेक्स की डिमांड की गई है। आरोप है कि अज्ञात नंबर से कॉल आया, शख्स महिला से उनके निजी जीवन के बारे में पूछने लगा। उससे संबंध बनाने की बात कही। महिला ने विरोध किया तो गाली-गलौज की। इसके बाद व्हाट्सऐप पर अपनी न्यूड फोटो भी भेजी।

- **फोन करके अश्लील बातें की, व्हाट्सऐप पर न्यूड तस्वीरें भेजी, गालियां दी, एफआईआर दर्ज**

महिला अधिकारी ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अश्लील कॉल करने और आपत्तिजनक फोटो भेजने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पीड़िता के शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।

अज्ञात नंबर से किया कॉल : टिकरापारा पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने बताया कि 30 अप्रैल की सुबह एक अज्ञात नंबर से उन्हें कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने आपत्तिजनक बातें करते हुए पीड़िता के निजी जीवन से जुड़े सवाल पूछे और सेक्स की डिमांड की। महिला ने जब इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उसे गालियां देना शुरू कर दिया। इसके बाद 4 मई की सुबह फिर उसी नंबर से कॉल और व्हाट्सऐप मैसेज आने लगे। इस बार आरोपी ने अपनी नग्न तस्वीरें भेजकर महिला को मानसिक रूप से परेशान किया।

मानसिक तनाव से गुजर रही पीड़िता : पीड़िता के अनुसार इस घटना का असर उनकी निजी जिंदगी पर भी पड़ रहा है। इस तरह की हरकतों से वह मानसिक तनाव में हैं। उन्होंने पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में महिला ने संबंधित मोबाइल नंबर भी पुलिस को सौंपा है, जिसके आधार पर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि साइबर सेल की मदद से आरोपी की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

पुलिस बोली- जल्द होगी गिरफ्तारी : टिकरापारा पुलिस के अनुसार महिला अधिकारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का दावा है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रकाशक एवं मुद्रक सुभाष मिश्रा द्वारा स्वामी अभिव्यक्ति प्रकाशन प्रा.लि. के लिए मिशन मीडिया प्रा.लि., रजबंधा मैदान, रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं एचआईजी 27 हाउसिंग बोर्ड कालोनी सड्डू, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित।
प्रधान संपादक- सुभाष मिश्रा, सलाहकार संपादक-भालचंद्र जोशी, स्थानीय संपादक-विवेक मिश्रा, आरएनआई रजि. नं.-52143/91, * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।